खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 24°C
न्यूनतम : 14°C

देहरादून, शुक्रवार 20 मार्च 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 221 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com चैत्र कृष्ण पक्ष 2 विक्रमी सम्वत् 2083 30 रमज़ान 1447 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

आयुष शेट्टी, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब ऑरलियन्स मास्टर्स के अगले दौर में खेल

इजरायल अब ईरान के मुख्य गैस केंद्र पर हमला नहीं करेगा : ट्रम्प देश-विदेश

निजी परिसर में नमाज और धार्मिक आयोजनों पर रोक नहीं लगा सकते: कोर्ट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि किसी भी व्यक्ति के निजी परिसर में प्रार्थना या धार्मिक आयोजनों पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। अनुच्छेद-25 प्रत्येक नागरिक को अपने धर्म को मानने, उसके अनुसार आचरण करने और प्रचार करने का समान अधिकार देता है। यह अधिकार सभी धर्मों और समुदायों पर समान रूप से लागू होता है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की खंडपीठ ने रमजान के दौरान एक स्थल पर नमाजियों की संख्या सीमित करने के जिला प्रशासन के फैसले को चुनौती देने वाली सम्भल निवासी मुनाजिर खान की याचिका पर की।

ईरान का पलटWAR: इजरायल सहित खाड़ी देशों में कई रिफाइनरी को उड़ाया

इजरायल के हाइफा शहर में बिजली गुल, सऊदी अरब, कतर व कुवैत पर हमला

तेहरान। ईरान ने गुरुवार को खाड़ी देशों के ऊर्जा ठिकानों पर अपने हमले तेज कर दिए, इसके तुरंत बाद इजरायल के हाइफा शहर में स्थित बिजली, तेल व गैस स्टेशनों पर मिसाइलों से ताबड़तोड़ हमले किए, जिसके बाद हाइफा समेत क्रियोटा शहर की बिजली गुल हो गई। ईरान के इन हमलों को इजरायल द्वारा ईरान की साउथ पार्स गैस फील्ड रिफाइनरी पर किए गए हमले का बदला बताया गया है। ईरान ने लाल सागर में सऊदी अरब की एक रिफाइनरी पर हमला किया और कतर की एलएनजी सुविधाओं तथा कुवैत की दो तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाया।

इससे पश्चिम एशिया में जारी युद्ध गंभीर स्थिति में पहुंच गया है और दुनियाभर में ईंधन की कीमतें तेजी से वृद्धि हुई है। अंतर्राष्ट्रीय मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड तेल की कीमतों में 114 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई। 28 फरवरी को इजरायल और अमेरिका ने ईरान पर हमले शुरू किए थे, इसके बाद से इसमें 57 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोतरी हो चुकी है। ऊर्जा संकट की आशंका के कारण बाजारों में चिंता बढ़ गई है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तट के पास एक जहाज में आग लग गई और कतर के पास एक अन्य जहाज को नुकसान पहुंचा। इससे होर्मुज स्ट्रेट पर मंडराते खतरे की ओर ध्यान गया, जहां से दुनिया के तेल का लगभग पांचवां हिस्सा गुजरता है और जिस पर ईरान का प्रभाव है। सऊदी अरब पहले ही इस जलमार्ग से बचने के लिए तेल को पश्चिम की ओर लाल सागर के रास्ते भेज रहा था, लेकिन यनबू शहर में स्थित उसकी सैमरेफ रिफाइनरी पर ईरानी ड्रोन हमले के बाद इस रास्ते की सुरक्षा पर भी सवाल -शेष पृष्ठ दो पर

- जंग में अब तक 13 अमेरिकी सैनिकों की मौत
- इजरायल में सुरक्षित ठिकानों पर गए लाखों लोग

मोदी ने 24 घंटे में पांच देशों से की बात

- पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पीएम ने फ्रांस व मलेशिया के प्रमुखों से की चर्चा

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने वैश्विक कूटनीतिक पहल तेज कर दी है। इसके तहत उन्होंने फ्रांस, मलेशिया और ओमान के शीर्ष नेताओं से बातचीत की। इन चर्चाओं में क्षेत्रीय संकट, शांति बहाली और संवाद के जरिये तनाव कम करने पर जोर दिया गया।

वहीं, इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल- मुबारक अल-सबाह को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दी थी। साथ ही कुवैत में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार समर्थन के लिए धन्यवाद भी किया था। प्रधानमंत्री मोदी ने फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों से बातचीत में पश्चिम एशिया की स्थिति पर चिंता व्यक्त की और तनाव कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने की जरूरत -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिकी विदेश-रक्षा मंत्री के घर के ऊपर दिखे संदिग्ध ड्रोन

वाशिंगटन। वाशिंगटन में अमेरिकी सेना के एक अहम बेस के ऊपर संदिग्ध ड्रोन देखे गए हैं। वाशिंगटन पोस्ट के मुताबिक विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ सैन्य बेस फोर्ट लेसली मैकनेयर के अंदर रह रहे हैं। इस मामले की जानकारी रखने वाले तीन लोगों ने बताया कि इन ड्रोन की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है और यह भी साफ नहीं है कि वे कहां से आए थे। अमेरिका और इजराइल के ईरान पर हमलों के कारण सुरक्षा अलर्ट पहले से बढ़ा हुआ है। इसी वजह से सेना संभावित खतरों पर कड़ी नजर रख रही है। पिछले 10 दिनों में एक रात के दौरान फोर्ट लेसली मैकनेयर के ऊपर कई ड्रोन देखे गए, जिसके बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई और व्हाइट हाउस में इस मुद्दे पर इमरजेंसी बैठक भी हुई। इसी बीच अमेरिका ने दुनियाभर में अपने दूतावासों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की है और देश के अंदर कई सैन्य ठिकानों पर भी सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। न्यू जर्सी के जाइंट बेस मैकग्वायर-डिक्स-लेकहर्स्ट और फ्लोरिडा के मैकडिल एयर फोर्स बेस पर सुरक्षा स्तर बढ़ाकर 'चार्ली' कर दिया गया है।

उप्र में जुलाई 2026 के पहले हो जाएंगे पंचायत चुनाव

लखनऊ -ब्यूरो। उप्र में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर चल रही अनिश्चितता पर सरकार ने विराम लगा दिया है। पंचायती राज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने स्पष्ट किया कि ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत के चुनाव जुलाई 2026 तक हर हाल में करा लिए जाएंगे। हाईकोर्ट के आदेश का पालन होगा और प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अड़चन नहीं आने दी जाएगी। राजभर ने बताया कि ग्राम प्रधान, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य और जिला पंचायत अध्यक्षों के कार्यकाल भले अलग- अलग समय पर समाप्त हो रहे हों, लेकिन किसी का भी कार्यकाल जुलाई से आगे नहीं बढ़ाया जाएगा।

'सांप के जहर' मामले में यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की यूपी पुलिस की FIR

शाह टाइम्स ब्यूरो

- एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा का उल्लेख किया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर एल्विश यादव को बड़ी राहत देते हुए 2023 के चर्चित स्नेक वेनम मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है।

दरअसल, नवम्बर 2023 में उत्तर प्रदेश के नोएडा में कथित रेव पार्टी में सांप के जहर के इस्तेमाल के आरोपों के बाद एल्विश यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बाद में 17 मार्च 2024 को उन्हें गिरफ्तार भी किया गया। आरोप था कि पार्टियों में सांपों और उनके जहर का इस्तेमाल मनोरंजन और नशे के लिए किया जा रहा था, जो वन्यजीव संरक्षण कानून के तहत गंभीर अपराध है। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट, 1985 की धारा 2(23) के तहत जिस कथित साइकोट्रॉपिक पदार्थ की बात कही गई, वह कानून की निर्धारित सूची (एस शेड्यूल) में शामिल ही नहीं है। साथ ही, कोर्ट ने यह भी नोट किया कि एल्विश यादव के पास से कोई बरामदगी नहीं हुई थी और चार्जशीट में केवल यह आरोप था कि उन्होंने एक सहयोगी के जरिये ऑर्डर दिया था। इन तथ्यों को देखते हुए अदालत ने माना कि एनडीपीएस एक्ट का इस्तेमाल इस मामले में कानूनी रूप से टिकाऊ नहीं है। दूसरे अहम पहलू पर, कोर्ट ने वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की धारा 55 का हवाला देते हुए कहा कि इस कानून के तहत अभियोजन केवल अधिकृत अधिकारी की शिकायत के आधार पर ही शुरू किया जा सकता है। पीठ ने कहा कि मौजूदा एफआईआर इस प्रक्रिया का पालन नहीं करती, इसलिए यह विधिसम्मत नहीं मानी जा सकती। साथ ही, अदालत ने यह भी दर्ज किया कि भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के तहत लगाए गए आरोप स्वतंत्र रूप से स्थापित नहीं होते, क्योंकि वे एक पहले की शिकायत का हिस्सा थे, जिसे पहले ही बंद किया जा चुका है। इन सभी कानूनी आधारों पर सुप्रीम कोर्ट ने निष्कर्ष निकाला कि एफआईआर न्यायिक जांच की कसौटी पर खरी नहीं उतरती और इसे रद्द किया जाना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

उप्र में अवैध बिजली उपभोग पर सर्च अभियान चलाया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निगेटिव बैलेंस के कारण लगभग 5.25 लाख स्मार्ट प्रीपेड उपभोक्ताओं के बिजली कनेक्शन स्वत: कट गए हैं। इनमें से करीब 2.1 लाख उपभोक्ताओं ने अब तक रिचार्ज नहीं कराया है। ऐसे में अवैध रूप से बिजली उपभोग की आशंका को देखते हुए यूपी पावर कारपा. रेशन लिमिटेड ने सभी विद्युत वितरण निगमों को सघन जांच के निर्देश दिए हैं। इस दिशा में एक दिन पूर्व सायं 5 बजे तक मध्यांचल, पूर्वांचल, दक्षिणांचल, पश्चिमांचल एवं केस्को-कानपुर क्षेत्रों में कुल 1211 परिसरों की जांच की गई। जांच में 18 स्थानों पर बिजली चोरी पाई गई, जिनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। कारपा. रेशन के प्रवक्ता केके सिंह के अनुसार निगेटिव बैलेंस के बाद बिना रिचार्ज बिजली का उपयोग करना दंडनीय अपराध है। ऐसे मामलों में विद्युत अधिनियम की धारा 135 एवं 138-बी के तहत कार्रवाई का प्रावधान है।

यूपी में नवरात्र के पहले दिन उमड़ा आस्था का सैलाब

लखनऊ। चैत्र नवरात्र के प्रथम दिन उत्तर प्रदेश के प्रमुख देवी मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। सुबह नौ बजे तक ही मां विध्यवासिनी मंदिर में चार लाख से अधिक भक्त दर्शन कर चुके हैं, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल है। इस बीच सरकार की तरफ से मंदिरों के आसपास सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किए गए हैं। देवीपाटन मंदिर में भी सुबह से अब तक लगभग 1 लाख श्रद्धालुओं ने मां के दर्शन किए हैं। इसी तरह शाकुम्भरी देवी मंदिर में 50 हजार से अधिक भक्त पहुंच चुके हैं। नवरात्र को लेकर श्रद्धालुओं में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है।

स्वदेशी ड्रोन निर्माण में बनना होगा आत्मनिर्भर

नई दिल्ली, वार्ता

■ बढ़ती चुनौतियों के बीच बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

वैश्विक स्तर चुनौतियां लगातार बढ़ती जा रही हैं। पहले रूस और यूक्रेन के बीच जंग, अब ईरान तथा इजराइल के बीच जारी युद्ध को देखते हुए ड्रोन की अहमियत काफी बढ़ गई है। अब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी दोनों जगहों पर जारी संघर्ष के दौरान ड्रोन की जरूरत को लेकर कहा कि भारत को ड्रोन निर्माण के लिए एक मजबूत इकोसिस्टम तैयार करना चाहिए। अगले कुछ सालों में हमें ड्रोन निर्माण के मामले में वैश्विक केंद्र बनना होगा।

दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ ने गुरुवार को कहा कि इन दोनों क्षेत्रों में जारी संघर्षों ने ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीकों के महत्व को साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे पूरी दुनिया रूस और यूक्रेन के साथ-साथ ईरान तथा इजरायल के बीच चल रहे भीषण संघर्ष को देख रही है, हम भविष्य के युद्धों में ड्रोन और काउंटर-ड्रोन तकनीकों की बेहद अहम भूमिका को स्पष्ट रूप से देख सकते हैं। ड्रोन निर्माण की अहमियत को लेकर रक्षा मंत्री ने कहा कि रणनी. तिक स्वायत्तता, रक्षा तत्परता और आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशी ड्रोन के उत्पादन के लिए एक इकोसिस्टम जरूरी है। आज भारत में एक ऐसा ड्रोन निर्माण इकोसिस्टम बनाने की जरूरत है, जिसमें हम पूरी तरह से आत्मनिर्भर हों।

रक्षा से जुड़े इस सम्मेलन में देश की प्रमुख रक्षा निर्माण कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ-साथ रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के अधिकारियों ने भी हिस्सा लिया। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के दौर में भारत की रक्षा तैयारियों और रणनीतिक स्वायत्तता के लिए यह जरूरी है कि भारत ड्रोन निर्माण के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बने। उन्होंने ड्रोन निर्माण के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), रोबोटिक्स और अन्य नई तथा अहम तकनीकों के तेजी से बढ़ते महत्व पर भी बात की।

सब कुछ भारत में ही तैयार होना चाहिए

राजनाथ ने कहा कि आज के दौर में ऑटोमेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे इनोवेशन पूरी दुनिया में विनिर्माण क्षेत्र को ही बदल रहे हैं। इनके साथ-साथ सिमुलेशन तकनीक भी नए अवसर खोल रही है। रक्षा मंत्री ने उद्योग जगत से जुड़ी दिग्गज कंपनियों से अपने उत्पादों की गुणवत्ता को तेजी सुधारने पर ध्यान देने का भी आह्वान किया। रक्षा उत्पाद से जुड़े उत्पादों की आत्मनिर्भरता को लेकर राजनाथ सिंह ने कहा कि यह आत्मनिर्भरता न केवल उत्पाद स्तर पर, बल्कि उसके पुर्जों के स्तर पर भी जरूरी है। यानी ड्रोन के सांचे से लेकर उसके सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरी तक, सब कुछ भारत में ही तैयार होना चाहिए। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि यह काम आसान नहीं है, क्योंकि ज्यादातर देशों में जहां ड्रोन बनाए जाते हैं, वहां कई अहम पुर्जे किसी एक खास देश से आयात किए जाते हैं।

ग्रेट निकोबार द्वीप के आदिवासी प्रमुखों ने राहुल से की मुलाकात

नई दिल्ली। ग्रेट निकोबार द्वीप के आदिवासी प्रमुखों के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. विक्रांत भूरिया के साथ ग्रेट निक. ोबार द्वीप के आदिवासी प्रमुखों ने गांधी से मुलाकात की। आदिवासी प्रमुखों ने प्रस्तावित ग्रेट निकोबार प्रोजेक्ट का कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि यह उनके जीवन-यापन के तरीके और द्वीप के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने यह भी बताया कि परियोजना की मंजूरी के दौरान उनकी सहमति भी उचित तरीके से नहीं ली गई। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि कांग्रेस पार्टी उनके साथ मजबूती से खड़ी रहेगी और उनके अधिकारों एवं हितों की रक्षा के लिए उनकी चिंताओं को उठाएगी।

दिल्ली में बनाए जा रहे दंगे जैसे हालात: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारतीय जनता पार्टी पर नफरत फैलाकर दिल्ली में फिर से दंगे जैसे हालात बनाने का आरोप लगाया है और लोगों से अपील की है कि वे किसी बहक. ावे में न आएं।

गांधी ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा चाहती है कि देश हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहे ताकि लोग विभिन्न मुद्दों पर सवाल न पूछ सकें। उन्होंने होली के मौके पर राजधानी के उत्तम नगर की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है। एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है। उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए। गांधी ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी और उसका इकोसिस्टम नफरत के माहौल को बढ़ावा देकर हिंसा से राजनीतिक फायदा उठाना चाहता है। उन्होंने आरोप लगाया कि वे चाहते हैं कि देश हिदू-मुसलमान में उलझा रहे, ताकि लोग ये न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर है। इसीलिए दिनदहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किए जा रहे हैं। उन्होंने दिल्लीवासियों से अपील की है कि वे किसी भी बहकावे में न आएं और एकता, भाईचारे व मोहब्बत बनाए रखें।

यूएस से अभी कोई करार फाइनल नहीं हुआ: जयंत चौधरी

नई दिल्ली।

■ अमेरिका से डील पर केंद्रीय मंत्री चौधरी का बड़ा बयान

केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि आज दुनिया की बड़ी ताकतें भारत के साथ करार करना चाहती है, इससे हमारे किसानों और मजदूरों के लिए संभावनाएं पैदा होंगी, लेकिन अमेरिका से अभी कोई करार फाइनल नहीं हुआ है।

अमेरिका से डील पर राष्ट्रीय लोक दल के मुखिया और केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनका इतना ही बयान आया था कि जब व्यापार में विस्तार होगा, तो वैल्यू चेन में किसानों की गिनती बढ़ेगी, उनकी भागीदारी बढ़ेगी। दुनिया में ऐसी कोई फसल नहीं है, जिसका भारत मुकाबला नहीं कर सकता, आज भी निर्यात होता है। बागतप के रटौल आम का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि क्या वो अमेरिका और यूरोप के बाजार में जा सकता है। जब शून्य प्रतिशत के शुल्क पर यहां के रटौल आम के लिए यूरोप ने दरवाजे खोल दिए, तो कहा जा सकता है कि भारत एक वैश्विक ताकत है। व्यापार के क्षेत्र में बड़ी ताकतें भारत के साथ करार करना चाहती हैं। इससे बेहतर संभावनाएं हमारे मजदूर, काश्तकार, एमएसएमई और किसान सबके लिए बन रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बागपत को री-डिफाइन किया जा रहा है। बागपत की कनेक्टिविटी बदल रही है। दिल्ली के नजदीक किसानों की धरती अब उद्यमों और स्टार्टअप की दुनिया बनने वाली है।

सनातन परंपरा के विरोधियों से दूरी बना रही युवा पीढ़ी: योगी

आस्था को अंधविश्वास बता रहा विपक्ष

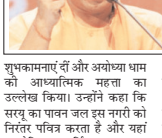

अयोध्या, वार्ता

■ सीएम ने नवसंवत्सर की शुभकामनाएं दी अयोध्या धाम की आध्यामिक महत्ता का उल्लेख किया

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब लोग नए वर्ष पर परिवार के साथ मंदिरों में दर्शन-पूजन को प्राथमिकता दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी उन स्थानों से दूरी बना रही है, जहां सनातन परंपरा के विरोध की गतिविधियां होती हैं।

दरअसल चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिन गुरुवार को द्रौपदी मुर्मु ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में 'श्रीराम यंत्र' की विधिवत प्रतिष्ठापना की। इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, संत-महात्मा और हजारों श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबो. धित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को भारतीय नवसंवत्सर की शुभकामनाएं दीं और अयोध्या धाम की आध्यात्मिक महत्ता का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरयू का पावन जल इस नगरी को निरंतर पवित्र करता है और यहां आयोजित धार्मिक अनुष्ठान रामराज्य की अनुभूति कराते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां दुनिया के कई हिस्सों में युद्ध और अशांति का माहौल है, वहीं अयोध्या में इस प्रकार के आयोजन भारत की सांस्कृतिक शक्ति और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि ष्हम ऐसे समय में श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना के साक्षी बन रहे हैं, जब विश्व अशांत है, और यह हमारे लिए रामराज्य की अनुभूति का क्षण है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि आस्था को अंधविश्वास बताकर उसका अपमान किया गया, जबकि स्वयं सत्ता में रहने वाले लोग नोएडा जाने जैसे मिथकों का पालन करते रहे। उन्होंने कहा कि सदियों के संघर्ष के बाद श्रीराम जन्मभूमि का भव्य स्वरूप सामने आया है, जो देश की आस्था का प्रतीक है। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर आज 'राष्ट्र मंदिर' का स्वरूप ले चुका है और यह रामराज्य की आधारशिला है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश के धार्मिक स्थलों-अयोध्या, काशी, प्रयागराज और मथुरा-वृंदावन में कुल 156 करोड़ श्रद्धालु-पर्यटक पहुंचे, जो राज्य की बढ़ती आध्यात्मिक पहचान को दर्शाता है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राम मंदिर आंदोलन से जुड़े संतों, रामभक्तों और कारीगरों का अभिनंदन किया तथा दिवंगत अशोक सिघल सहित सभी योगदानकर्ताओं को नमन किया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में की श्रीराम यंत्र की प्रतिष्ठापना

अयोध्या। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर गुरुवार को रामजन्मभूमि में श्रीराम यंत्र की विधिवत प्रतिष्ठापना की। नव संवत्सर के अवसर पर राष्ट्रपति ने रामलला के चरणों में शीश झुकाकर आरती उतारी और देशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी राष्ट्रपति के साथ विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। तीनों गणमान्य हस्तियों ने मंदिर परिसर में विभिन्न देवी-देवताओं के समक्ष भी श्रद्धापूर्वक शीष नवाया।

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

सेंसेक्स 74207.24
निफ्टी 23002.15

सोना 152000
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 237000
प्रति किलो

फेड के ब्याज दर स्थिर रखने से शेयर बाजारों में भारी गिरावट

मुंबई, वार्ता

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के रेपो दरों को स्थिर रखने के फैसले से निराश निवेशकों की बिकवाली के कारण घरेलू शेयर बाजारों में गुरुवार को भारी गिरावट देखी गई। बीएसई का सेंसेक्स 2,496.89 अंक (3.26 प्रतिशत) लुढ़ककर 74,207.24 अंक पर बंद हुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी. 50 सूचकांक भी 775.65 अंक टूटकर 23,002.15 अंक पर आ गया। यह दोनों का 11 महीने से ज्यादा का निचला स्तर है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने बुधवार को समाप्त दो दिवसीय बैठक में नीतिगत दरों को 3.5 प्रतिशत से 3.75 प्रतिशत के बीच स्थिर रखने का फैसला किया। इससे अमेरिका के साथ एशिया और यूरोप के शेयर बाजारों में भी बड़ी गिरावट आई। सेंसेक्स की शुरुआत ही 1,953 अंक की गिरावट में 74,751 अंक पर हुई। हालांकि खुलने के तुरंत बाद यह 75,354 अंक तक चढ़ गया, लेकिन धीरे-धीरे इसका ग्राफ नीचे उतरता गया। इसका निचला स्तर 73,951 अंक रहा। निफ्टी का ग्राफ भी इसी तरह का रहा। बाजार में बिकवाली इस कदर सर्वव्यापी रही कि सभी सूचकांक और सभी सेक्टर लाल निशान में बंद हुए। मझौली कंपनियों का मिडकैप-50 सूचकांक 3.29 प्रतिशत और स्मॉलकैप- 100 सूचकांक 2.94 प्रतिशत गिर गया। ऑटो सेक्टर का सूचकांक चार प्रतिशत से ज्यादा लुढ़क गया। एनएसई में वित्त, बैंकिंग, आईटी, धातु और टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद समूहों में तीन फीसदी से ज्यादा की गिरावट रही। सबसे कम 1.98 प्रतिशत की गिरावट तेल एवं गैस सेक्टर के सूचकांक में देखी गई। सेंसेक्स की सभी कंपनियां लाल निशान में बंद हुईं। इटरनल का शेयर साढ़े पांच प्रतिशत से ज्यादा टूट गया। बजाज फाइनेंस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी पांच प्रतिशत से अधिक गिर गए। एलएंडटी, इंडिगो, बजाज फिनसर्व और ट्रेंट में चार प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट रही।

सोना और चांदी की कीमत फिर गिरी

नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में गुरुवार को गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक एक किलो चांदी की कीमत 13 हजार रुपए घटकर 2.37 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.50 लाख रुपए किलो थी। वहीं10 ग्राम 24 कैरेट सोना 4 हजार रुपए गिरकर 1.52 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 18 मार्च को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 5 कारोबारी दिन में 9 हजार और चांदी 31 हजार सस्ती हुई है। सोने में इस साल की शुरुआत में तेजी दिखी थी, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुनाफावसूली और वैश्विक कारणों से इसमें गिरावट आई है। चांदी में सोने के मुकाबले कहीं ज्यादा उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। यह अपने ऑल टाइम हाई से बहुत तेजी से नीचे आई है। आमतौर पर जंग के माहौल में सोने-चांदी के दाम बढ़ते हैं, लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग है। मिडिल ईस्ट जंग के कारण निवेशक जोखिम नहीं लेना चाह रहे हैं। वे अपने गोल्ड और सिल्वर को बेचकर कैश इकट्ठा कर रहे हैं ताकि अनिश्चितता के समय उनके पास लिक्विड मनी रहे।

चावल, गेहूं नरम, चीनी मजबूत दालों, खाद्य तेलों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल की औसत कीमत घट गई। चावल के साथ गेहूं में भी नरमी रही। चीनी में मजबूती देखी गई जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा। औसत दर्जे के चावल का औसत भाव 51 रुपये टूटकर 3,788 रुपये प्रति क्विंटल रह गया। गेहूं 26 रुपये सस्ता हुआ और 2,781 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया।

आटे की कीमत भी आठ रुपये घट गई। दाल-दलहनों में उतार.चढ़ाव देखा गया। तुअर दाल की औसत कीमत 43 रुपये और उड़द दाल की 16 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। मूंग दाल 14 रुपये और मसूर दाल 13 रुपये सस्ती हुई। चना दाल की कीमत दो रुपये प्रति क्विंटल टूट गई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 84 रिंगिट चढ़कर 4,612 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। मई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 65.67 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 258 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। वनस्पति 122 रुपये और सूरजमुखी तेल 125 रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल भी 83 रुपये चढ़ गया। वहीं, सरसों तेल 39 रुपये और सोया तेल 34 रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव छह रुपये प्रति क्विंटल टूट गया। वहीं चीनी 17 रुपये महंगी हुई।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काज़ीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

ईरान का...

उठ गए हैं। कतर ने बताया कि उसकी एक बड़ी एलएनजी सुविधा में लगी आग पर काबू पा लिया गया है। इससे पहले के हमलों के कारण उत्पादन पहले ही बंद था, लेकिन नए हमलों से वहां और ज्यादा नुकसान हुआ है। इससे युद्ध खत्म होने के बाद भी कतर की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। कतर दुनिया के लिए प्राकृतिक गैस का एक बड़ा स्रोत है। कुवैत की मीना अल-अहमदी रिफाइनरी पर ड्रोन हमले से आग लग गई। हालांकि, किसी के घायल होने की खबर नहीं है। यह पश्चिम एशिया की सबसे बड़ी रिफाइनरियों में से एक है। इसके कुछ ही समय बाद पास की मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी में भी आग लग गई। अबू धाबी के अधिकारियों ने बताया कि उन्हें हबशन गैस सुविधा और बाब फील्ड में काम बंद करना पड़ा। उन्होंने इसे ईरान के हमलों को खतरनाक बढ़ोतरी बताया। खाड़ी क्षेत्र के कई इलाकों में मिसाइल हमले की चेतावनी देने वाले सायरन बजे और इजरायल ने भी कई बार ईरानी हमलों की चेतावनी दी। कतर, सऊदी अरब और यूएई ने इन हमलों की निंदा की है। सऊदी अरब के शीर्ष राजनयिक ने कहा कि इन हमलों से भरोसा पूरी तरह खत्म हो गया है। इसके बावजूद ईरान ने अपने हमले जारी रखे। सऊदी अरब ने रियाद और पूर्वी प्रांत में छह ड्रोन मार गिराए। लेकिन सैमरेफ रिफाइनरी को नुकसान पहुंचा। यह रिफाइनरी सऊदी अरामको और एक्सानमोबिल की साझेदारी है। इजरायल में भी ईरान के कई हमलों के कारण लाखों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। ईरान ने ये हमले तब किए, जब इजरायल ने दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र पर हमला किया था, जो दुनिया का सबसे बड़ा गैस क्षेत्र है और कतर के साथ साझा किया जाता है। यह हमला ईरान की बिजली आपूर्ति के लिए भी खतरा माना जा रहा है, क्योंकि देश की ज्यादातर बिजली प्राकृतिक गैस से बनती है। इस बीच, कतर की रास लाफन एलएनजी सुविधा पर मिसाइल हमले से आग लग गई। कतर के तट के पास एक जहाज भी प्रभावित हुआ। हालांकि, यह साफ नहीं है कि उसे सीधे निशाना बनाया गया या मलबे से नुकसान हुआ। युद्ध के दौरान अब तक 20 से ज्यादा जहाजों पर हमले हो चुके हैं, क्योंकि ईरान इस अहम जलमार्ग पर सख्त नियंत्रण बनाए हुए है। ईरान का कहना है कि यह मार्ग खुला है, लेकिन अमेरिका और उसके सहयोगियों के लिए नहीं।

मोदी ने...

पर बल दिया। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए संवाद और कूटनीति ही एकमात्र रास्ता है। साथ ही, उन्होंने भविष्य में भी करीबी समन्वय जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई। इसके अलावा, प्रधानमंत्री ने मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम से भी फोन पर बातचीत की। इस दौरान उन्होंने हरि राया ऐदिलफित्री के अवसर पर मलेशिया की जनता को अग्रिम शुभकामनाएं दीं।

दोनों नेताओं ने पश्चिम एशिया की चिंताजनक स्थिति पर चर्चा करते हुए तनाव कम करने और जल्द से जल्द शांति बहाली के लिए साझा प्रतिबद्धता जताई। ओमान के सुल्तान हैथम बिन तारिक के साथ बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें भाई कहकर संबोधित करते हुए ओमान की जनता को ईद की अग्रिम बधाई दी। इस वार्ता में भी दोनों नेताओं ने संवाद और कूटनीति के जरिये तनाव कम करने और शांति बहाल करने की आवश्यकता पर सहमति जताई। प्रधानमंत्री मोदी ने ओमान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के उल्लंघन की कड़ी निंदा दोहराई और संकट के दौरान हजारों लोगों, जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं, की सुरक्षित वापसी में ओमान की भूमिका की सराहना की। इसके साथ ही दोनों देशों ने होर्मुज स्ट्रेट में सुरक्षित और निर्बाध समुद्री आवागमन के महत्व को भी रेखांकित किया।

इन वार्ताओं के जरिये भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और कूटनीतिक समाधान का प्रबल समर्थक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फोन पर जार्डन के राजा किंग अब्दुल्ला-2 को ईद की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि हमने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर चिंता जताई और इस क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता की जल्द बहाली के लिए बातचीत और कूटनीति की जरूरत पर जोर दिया। पश्चिम एशिया में ऊर्जा इंफ्रास्ट्रक्चर पर हमले निंदनीय हैं और इनसे बेवजह तनाव बढ़ सकता है। भारत और जॉर्डन सामान और ऊर्जा के बिना किसी रुकावट के आवागमन का समर्थन करते हैं। इस क्षेत्र में फंसे भारतीयों की सुरक्षित वापसी में मदद करने के लिए जॉर्डन के प्रयासों की हम तहे दिल से सराहना करते हैं। बुधवार को पीएम मोदी ने कुवैत के क्राउन प्रिंस, शेख सबाह अल-खालिद अल-हमद अल-मुबारक अल-सबाह से बात की थी। पीएम मोदी ने चर्चा की जानकरी देते हुए एक्स पर लिखा था कि हमने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति पर विचारों का आदान-प्रदान किया और हाल के घटनाक्रमों पर अपनी चिंता व्यक्त की। कुवैत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर हमलों की हम पहले भी निंदा कर चुके हैं और हमने फिर वही किया। पीएम मोदी ने पोस्ट में आगे लिखा कि हार्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित और निर्बाध आवागमन सुनिश्चित करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी हुई है। पीएम मोदी ने कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए निरंतर कूटनीतिक जुड़ाव अत्यंत आवश्यक है। कुवैत में रहने वाले भारतीय समुदाय की सुरक्षा और भलाई के लिए लगातार समर्थन देने के लिए मैंने उनका आभार व्यक्त किया।

सोशल मीडिया क्रिएटर्स से मिले अखिलेश यादव

शाह टाइम्स ब्यूरो

पॉजिटिव कंटेंट पर दिया जोर

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया कंटेंट को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए इन्फ्लुएंसर्स से सकारात्मक संदेश देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर किया जाने वाला हर पोस्ट केवल व्यक्तिगत अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि समाज के प्रति एक जिम्मेदारी भी है।

गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के साथ बैठक की। बैठक के दौरान उन्होंने इन्फ्लुएंसर्स को उनके कंटेंट को लेकर सुझाव भी दिए। बैठक के बाद सोशल मीडिया के जरिए अखिलेश यादव ने कहा कि एक इन्फ्लुएंसर के रूप में यह दायित्व बनता है कि वह समाज को सकारात्मक दिशा में प्रेरित करे। सकारात्मक सोच और संदेश न केवल समाज को बेहतर बनाते हैं, बल्कि इससे जुड़ने वाली ऑडियंस भी अधिक भरोसेमंद और स्थाई होती है। उन्होंने कहा कि नकारात्मक कंटेंट से लोग जल्दी ऊब जाते हैं, क्योंकि कोई भी लंबे समय तक नकारात्मक माहौल में रहना पसंद नहीं करता। अखिलेश यादव ने कहा कि जल्द ही लखनऊ स्थित मुख्यालय में सभी सकारात्मक सोच रखने वाले सोशल मीडिया क्रिएटर्स और इन्फ्लुएंसर्स से मुलाकात करेंगे। इसके लिए पूर्व सूचना दी जाएगी, ताकि सभी लोग अपनी सुविधा के अनुसार शामिल हो सकें।

मुख्यमंत्री ने किया सनातन परंपरा पर आधारित पंचांग कैलेंडर का विमोचन

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग की अभिनव पहल, पहली बार प्रकाशित हुआ पंचांग कैलेंडर, सीएम ने बताया महत्वपूर्ण पहल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। हिन्दू नववर्ष के शुभ अवसर पर आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री आवास पर सूचना एवं लोक संपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित पंचांग कैलेंडर का विधिवत विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने इसे राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को सहेजने एवं जन-जन तक पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड अपनी सनातन परंपराओं, धार्मिक आस्थाओं और सांस्कृतिक मूल्यों के लिए देश-विदेश में विशिष्ट पहचान रखता है। यहां की परंपराएं केवल आस्था का विषय नहीं हैं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली, सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक चेतना का अभिन्न अंग हैं। ऐसे में पंचांग कैलेंडर का प्रकाशन राज्य की इस गौरवशाली विरासत को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पंचांग कैलेंडर राज्यवासियों को न केवल तिथि, वार, पक्ष, मास, पर्व एवं विशेष दिवसों की सटीक जानकारी प्रदान करेगा, बल्कि पारंपरिक त्योहारों, व्रतों और धार्मिक आयोजनों की महत्ता से भी अवगत कराएगा। इससे लोगों को अपनी संस्कृति और परंपराओं के साथ और अधिक गहराई से जुड़ने का अवसर मिलेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि इस पंचांग में देवभूमि उत्तराखंड के प्रमुख धार्मिक एवं आस्था स्थलों को विशेष रूप से स्थान दिया गया है। ये स्थल न केवल श्रद्धा के केंद्र हैं, बल्कि राज्य की ऐतिहासिक और आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक भी हैं। इस प्रकार यह कैलेंडर एक जानकारीपरक दस्तावेज होने के साथ-साथ उत्तराखंड की सांस्कृतिक झलक प्रस्तुत करने वाला प्रेरणादायक संकलन भी है।मुख्यमंत्री ने सूचना एवं लोक संपर्क विभाग के इस प्रयास की सराहना करते हुए आशा व्यक्त की कि यह पंचांग कैलेंडर राज्य के प्रत्येक नागरिक के लिए उपयोगी सिद्ध होगा और आने वाले समय में इसे और अधिक समृद्ध एवं व्यापक स्वरूप में प्रस्तुत किया जाएगा।इस अवसर पर सचिव विनय शंकर पांडेय, महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी सहित अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

खिलाड़ियों को जारी की 3 करोड़ से ज्यादा की इनामी धनराशि

सरकार प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी : रेखा आर्या

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले प्रदेश के खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को 3 करोड़ से ज्यादा की इनामी धन राशि जारी की गई है। गुरुवार को को यमुना कॉलोनी स्थित कैंप कार्यालय में खेल मंत्री रेखा आर्या ने यह धनराशि खिलाड़ियों के खातों में डीबीटी ट्रांसफर की।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि इन खिलाड़ियों में 1 जुलाई 2024 से और 31 मार्च 2025 के बीच विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ी शामिल हैं। इसके अलावा पिछले साल हुए 38 वें राष्ट्रीय खेलों में पदक जीतने वाले कुछ खिलाड़ी और कोच इनामी धन राशि प्राप्त करने से इसलिए चूक गए थे, क्योंकि उन्होंने कुछ कागजी औपचारिकताएं उस समय पूरी नहीं की थी।

इन सभी बचे हुए खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों को भी उनकी इनामी धनराशि गुरुवार को जारी कर दी गई है।

खेल मंत्री रेखा आर्या ने बताया कि प्रदेश सरकार प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेगी और पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए आउट ऑफ टर्न जॉब की प्रक्रिया भी तेजी से गतिमान है। उन्होंने कहा कि जल्द ही विभागों में अधिसंख्य पद सृजित करके विज.ेता खिलाड़ियों को आउट ऑफ टर्न नौकरी भी दी जाएगी।

कैबिनेट मंत्री महाराज की तबीयत बिगड़ी, एम्स ऋषिकेश में भर्ती

प्रारंभिक जांच में न्यूमोनिया होने का अंदेशा, सीएम ने जाना हाल

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज की अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। फिलहाल डॉक्टरों की निगरानी में उनका उपचार जारी है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार शाम अचानक उनकी तबीयत खराब हो गई थी।

इसके बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया। मंत्री कार्यालय से मिली जानकारी के मुताबिक उन्हें खांसी की शिकायत के साथ-साथ सांस लेने में भी दिक्कत हो रही थी, प्रारंभिक जांच में उन्हें निमोनिया होने का भी अंदेशा जताया गया है, जिसे ध्यान में रखते हुएडॉक्टरों ने उन्हें भर्ती करने का निर्णय लिया।अस्पताल में भर्ती होने के बाद डॉक्टरों की टीम लगातार उनके स्वास्थ्य पर नजर बनाए हुए है। अधिकारियों के अनुसार, वर्तमान में उनकी हालत सामान्य बनी हुई है, लेकिन चिकित्सकों ने पूरी तरह स्वस्थ होने तक उन्हें कुछ दिन अस्पताल में ही रखने की सलाह दी है।इस बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी गुरुवार को एम्स ऋषिकेश पहुंचे और उन्होंने सतपाल महाराज का हालचाल जाना। मुख्यमंत्री ने डॉक्टरों से उपचार की जानकारी लेते हुए अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और उन्हें बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाए।डॉक्टरों का कहना है कि मंत्री के सभी आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किए जा रहे हैं और नियमित मॉनिटरिंग की जा रही है, उनके समर्थक और शुभचिंतक उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।गौरतलब है कि सतपाल महाराज प्रदेश के वर्तमान सरकार में कई महत्वपूर्ण विभागों की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। ऐसे में उनके स्वास्थ्य को लेकर सरकार और संगठन दोनों स्तरों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़: जोशी

उत्तरांचल यूनिवर्सिटी में किसान मेला एवं कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी का शुभारंभ, कृषि मंत्री जोशी ने प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्रदेश के कृषि मंत्री गणेश जोशी ने उत्तरांचल यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित किसान मेला एवं कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया तथा मृदा स्वास्थ्य पत्रिका का विमोचन करते हुए प्रगतिशील किसानों को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया। इस दौरान कृषि मंत्री जोशी ने किसान मेले में लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

कृषि मंत्री जोशी ने विश्वविद्यालय को इस आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि कृषि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान इसकी मजबूती का आधार हैं। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका है कि वे अनुसंधान, नवाचार और तकनीकी ज्ञान के माध्यम से कृषि क्षेत्र को नई दिशा दें। उन्होंने कहा कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत वैज्ञानिकों ने खेतों तक पहुंचकर किसानों को आधुनिक तकनीक, उन्नत बीज और उर्वरकों की जानकारी दी गई।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए मूल्य संवर्धन व खाद्य प्रसंस्करण पर विशेष जोर

कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने के लिए मूल्य संवर्धन और खाद्य प्रसंस्करण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। पीएमएफएमई योजना के तहत छोटे प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना को बढ़ावा मिल रहा है, जबकि किसान उत्पादक संगठन के माध्यम से किसानों को बेहतर बाजार और मूल्य प्राप्त करने में सहायता मिल रही है। कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि इस प्रकार के मेले किसानों, वैज्ञानिकों, विद्यार्थियों और उद्यमियों के बीच संवाद और नवाचार का उत्कृष्ट मंच हैं, जिससे नई तकनीकों का प्रसार होता है और कृषि को नई दिशा मिलती है।

कृषि मंत्री जोशी ने कहा कि राज्य सरकार कृषि क्षेत्र को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीकों, सतत कृषि पद्धतियों और किसान हितैषी योजनाओं को बढ़ावा दे रही है। पर्वतीय क्षेत्रों में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

साथ ही मंडुवा और झंगोरा जैसे मोटे अनाज (मिलेट्स) के उत्पादन को बढ़ावा देकर किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ड्रोन आधारित फसल निगरानी, मृदा स्वास्थ्य परीक्षण और डिजिटल परामर्श सेवाओं के जरिए किसानों को वैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा पॉलीहाउस और ग्रीनहाउस जैसी संरक्षित खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे प्रतिकूल मौसम में भी किसान बेहतर उत्पादन कर सकें। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर प्रणाली अपनाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।इस अवसर पर विश्व. विद्यालय के अध्यक्ष जितेंद्र जोशी, कुलपति प्रो. धर्म बुद्धि, प्रो. राजेश बहुगुणा सहित किसान एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

क्यूआरटी टीम ने किया गैस एजेंसियों का निरीक्षण

एलपीजी गैस की मांग, आपूर्ति सहित सभी गतिविधियों देखी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून।एलपीजी गैस की कालाबाजारी रोकने तथा शत्प्रतिशत् होमडिलिविरी सुनिश्चित करवाने के जिलाधिकारी सविन बसंल के निर्देशों के अनुपालन में जिले में क्षेत्रवार क्यूआरटी टीम गठित की गई है। क्यूआरटी टीम गुरुवार को क्षेत्रवार गैस एजेंसियों के निरीक्षण करते हुए एलपीजी गैस की मांग, आपूर्ति आदि सभी गतिविधियों देखी।जिला प्रशासन ने आज 15 घरेलू सिलेंडर सहस्त्रधारा से अलग-2 होटल ढाबों से जब्त किए गए है। वहीं जिले में आज होमडिलिविरि के लिए भेजे गए 200 घरेलू सिलेंडर उपभोक्ताओं के पास खाली सिलेंडर न होने के कारण वापिस एजेंसी लाए है, उपभोक्ताओं द्वारा घबराहट की स्थिति में सिलेंडर होने के बाद भी सिलेंडर बुक करा दिए थे निर्धारित समय पूर्ण होने पर गैस एजेंसी द्वारा होम डिलिविरि किये जाने पर उपभोक्ताओं के पास खाली सिलेंडर न होने के फलस्वरूप सिलेंडर वापिस एजेंसी लाए गए हैं, जो बैकलॉग में दर्शाए गए हैं उपभोक्ताओं के गैस सिलेंडर खाली होने पर होमडिलिविरि के माध्यम से उपभोक्ताओं को पुनः गैस सिलेंडर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में अपर जिलाधिकारी वित्त एंव राजस्व के के मिश्रा कन्ट्रोलरूम से जिले में गैस वितरण, आपूर्ति की मॉनिटिरिंग जनमानस की समस्या के निस्तारण हेतु निगरानी बनाए हुए है। क्यूआरटी टीम द्वारा अबतक जिलें 415 औचक निरीक्षण किए गए है। जिला प्रशासन की क्यूआरटी के औचक निरीक्षणों एवं एलपीजी कालाबा. जारी करने वालों पर दर्ज हुए मुक. दमों एवं एजेंसियों की नाफरमानी पर की गई प्रवर्तन की कार्यवाही से गैस की कालाबाजारी करने वालों में भी भय का माहौल है। उपभोक्ताओं को होमडिलिविरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है। जिला प्रशासन द्वारा गैस की कालाबाजारी पर 05 मुकदमें दर्ज किए गए हैं तथा 03 को जेल भेजा, 150 घरेलू, 139 व्यवसायिक तथा 07 छोटे सिलेंडर जब्त किए हैं।

मिशन वात्सल्य को लेकर सांसद डॉ. नरेश बंसल ने किया सवाल

महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर ने विस्तार से दिया जवाब

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। राज्यसभा सांसद डा. नरेश बंसल ने गुरुवार को राज्यसभा में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के मिशन वात्सल्य संबंधित प्रश्न किया।

डा. बंसल ने कहा कि

क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

बच्चों की देखभाल को संस्थागत रूप देने के विकल्प के रूप में परिवार आधारित गैर संस्थागत देखभाल को प्रोत्साहित करने के लिए मिशन वात्सल्य के अंतर्गत उठाए गए उपायों का ब्यौरा क्या है।

अब तक स्थापित वात्सल्य सदन का राज्य वार/संघ राज्य क्षेत्र वार ब्यौरा क्या है और

लापता बच्चों का पता लगाने और मामलों के प्रबंधन को बेहतर बनाने के लिए ट्रैक चाइल्ड पोर्टल और मिशन वात्सल्य पोर्टल के एकीकरण तथा उनके प्रभावी उपयोग में अब तक हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

इस महत्वपूर्ण प्रश्न के उत्तर मे महिला एवं बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर ने बताया कि यह मंत्रालय, राज्य और संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों के माध्यम से एक केंद्र प्रायोजित योजना मिशन वात्सल्य कार्यान्वित कर रहा है ताकि देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों (सीएनसीपी) के साथ-साथ विधि का उल्लंघन करने वाले बच्चों (सीसीएल) के लिए विभिन्न सेवाएं प्रदान की जा सकें। इन सेवाओं में संस्थागत देखरेख और गैर संस्थागत देखरेख शामिल है।

मिशन वात्सल्य, कठिन परिस्थितियों में रहने वाले बच्चों की परिवार आधारित गैर-संस्थागत देखरेख को बढ़ावा देता है, जो अंतिम उपाय के रूप में बच्चों को संस्थागत देखरेख में रखने के सिद्धांत पर आधारित है। गैर-संस्थागत देखरेख के तहत, बच्चों को प्रायोजन, पालन पोषण देखरेख, दत्तक ग्रहण और पश्चात देखरेख के माध्यम से सहायता दी जाती है। यह योजना गैर-संस्थागत देखरेख (प्रायोजन/पालन-पोषण देखरेख/पश्चात देखरेख) के लिए पात्र बच्चों को प्रतिमाह 4000 रूपये देती है। अब तक इस मंत्रालय ने मिशन वात्सल्य के अंतर्गत राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्रों की सरकारों से प्राप्त प्रस्तावों के आधार पर देशभर में कुल 69 वात्सल्य सदनों को मंजूरी दी है। इन वात्सल्य सदनों का राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र वार ब्यौरा अनुलग्नक में दिया गया है।ग- मंत्रालय ने राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के परामर्श और ताल-मेल से एकीकृत समरूप मिशन वात्सल्य पोर्टल तैयार किया है। लापता/पाए गए बच्चों के लिए ट्रैक चाइल्ड पोर्टल, लापता/देखे गए बच्चों के लिए खोया-पाया एप्लीकेशन और दत्तक ग्रहण के लिए केयरिंग्स पोर्टल को इस समरूप मिशन वात्सल्य पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है। ट्रैक चाइल्ड पोर्टल विभिन्न हितधारकों जैसे गृह मंत्रालय, रेल मंत्रालय, राज्य सरक. ारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, बाल कल्याण समितियों, किशोर न्याय बोर्डों राष्ट्रीय कानूनी सेवा प्राधिकरण इत्यादि के सहयोग और भागीदारी से कार्यान्वित किया जाता है। इस संबंध में मानक संचालन प्रक्रिया जारी की गई है। सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों एवं अन्य हितधारकों को ट्रैक चाइल्ड के कार्यान्वयन के बारे में दिशा-निर्देश (एडवाइजरी) जारी किए गए हैं। यह गृह मंत्रालय के क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग एंड नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) के साथ भी एकीकृत है, जिसमें लापता बच्चों के बारे में दर्ज प्राथमिकी (एफआईआर) को ट्रैक चाइल्ड के आंकडों से मिलान करने में परस्पर सहूलियत रहती है और संबंधित राज्य और संघ राज्य क्षेत्र पुलिस द्वारा पता लगाए गए और गुमशुदा बच्चों की संख्या का मिलान करना सरल होता है।

शहरी विकास ,पेयजल एवं लोक निर्माण विभाग के विभिन्न प्रस्तावों को संस्तुति

व्यय वित्त समिति की बैठक आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून ।मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में व्यय वित्त समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान शहरी विकास विभाग, पेयजल विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के विभिन्न प्रस्तावों को संस्तुति प्रदान की गई।

मुख्य सचिव ने शहरी विकास विभाग की नीलकंठ महादेव (पौड़ी गढ़वाल) एवं रामनगर (नैनीताल) में मल्टीस्टोरी पार्किंग निर्माण कार्य को मंजूरी प्रदान करते हुए पार्किंग निर्माण गाइडलाइंस का अनुपालन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नीलकंठ महादेव मल्टीस्टोरी पार्किंग (कुल लागत 5183.65 लाख) एवं रामनगर, नैनीताल मल्टीस्टोरी पार्किंग (कुल लागत 3857.64 लाख) में प्रवेश एवं निकासी के लिए टर्निंग रेडियस सहित अन्य तकनीकी पहलुओं का विशेष ख्याल रखे जाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने नीलकंठ महादेव में पार्किंग भूमि का जियोटेक्निकल सर्वे भी अनिवार्य रूप से कराए जाने की बात भी कही। साथ ही बिल्डिंग के फसाड के सौंदर्यीकरण का विशेष ध्यान रखे जाने के निर्देश भी दिए।मुख्य सचिव ने पेयजल विभाग के कुल 4 प्रस्तावों (3 पेयजल परियोजनाओं - पीपलकोटी नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 2438.32 लाख, तिलवाड़ा नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 3986.24 लाख एवं ऊखीमठ नगर पंचायत पेयजल योजना कुल लागत 2578.52 लाख) एवं लालकुआं नगर पंचायत सीवरलाइन परियोजना (कुल लागत 37.95 लाख) को भी संस्तुति प्रदान की। उन्होंने ग्रेविटी आधारित पेयजल परियोजनाओं में मीटर लगाए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने सीवर लाइन परियोजना को पूर्ण किए जाने हेतु समयसीमा भी निर्धारित करते हुए लगातार मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए।समिति द्वारा लोक निर्माण विभाग की काठगोदाम बाईपास मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत 3.500 किमी0 मार्ग एवं इसमें 75 मी0 स्पान का सेतु निर्माण (कुल लागत 1177.93 लाख) को भी मंजूरी प्रदान की गई।इस अवसर पर सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार, डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय, दिलीप जावलकर एवं रणवीर सिंह चौहान सहित अन्य विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कालीमठ में डीएम विशाल मिश्रा ने किया हवन-पूजन

रुद्रप्रयाग। हिंदू नव संवत्सर एवं पावन चौत्र नवरात्रि के प्रथम दिन जनपद में आस्था, श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने विभिन्न धार्मिक स्थलों में पूजा-अर्चना कर जनपदवासियों के सुख-समृद्धि एवं कल्याण की कामना की।प्रात:काल जिलाधिकारी विशाल मिश्रा कालीमठ मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने माँ काली के दरबार में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने हवन-पूजन कर माँ भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने जनपद रुद्रप्रयाग सहित प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। साथ ही आगामी केदारनाथ यात्रा के सफल, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित संचालन के लिए भी प्रार्थना की।

पाठ्यक्रम तैयार करने में जुड़ा अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण

सभी सदस्य अपने-अपने धर्मों के पाठ्यक्रम का कर रहे अध्ययन,शिक्षण पैटर्न का गहन अध्ययन करने को विशेष समिति की गठित: सिंह

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददात

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने अल्पसंख्यक शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करते हुए मदरसा बोर्ड को समाप्त करते हुए उसकी जगह उत्तराखंड अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण का गठन कर दिया है। अब प्रदेश में संचालित सभी धार्मिक अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों को इसी प्राधिकरण से संबद्धता लेना अनिवार्य होगा।

नए प्राधिकरण में मुस्लिम, सिख, जैन, बौद्ध और पारसी समुदाय के प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, जो मिलकर अल्पसंख्यक बच्चों के लिए संतुलित और समावेशी पाठ्यक्रम तैयार करेंगे। प्राधिकरण के अध्यक्ष सुरजीत सिंह ने बताया कि विभिन्न समुदायों के शिक्षण पैटर्न का गहन अध्ययन करने के लिए एक विशेष समिति गठित की गई है। सभी सदस्य अपने-अपने समुदाय की धार्मिक शिक्षा की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे, जिसके आधार पर एक जुलाई से पहले पाठ्यक्रम को अंतिम रूप दिया जाएगा।

गौरतलब है कि धामी मंत्रिमंडल ने 17 अगस्त 2025 को अल्पसंख्यक शिक्षा विधेयक-2025 को मंजूरी दी थी। इसके बाद गैरसैंण में आयोजित विधानसभा के मॉनसून सत्र में इसे पारित किया गया और 6 अक्टूबर 2025 को राजभवन की स्वीकृति मिलने के बाद यह कानून अस्तित्व में आया।

नई व्यवस्था के तहत मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध और जैन समुदाय की ओर से संचालित सभी शिक्षण संस्थान एक समान ढांचे के अंतर्गत आएंगे। प्राधिकरण ही इन संस्थानों की मान्यता, संचालन की निगरानी और शिक्षा की गुणवत्ता सुनिश्चित करेगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि किसी भी संस्थान को मान्यता प्राप्त करने के लिए निर्धारित मानकों को पूरा करना होगा। इसमें संस्थान का विधिवत पंजीकरण, वित्तीय पारदर्शिता, शिक्षकों की योग्यता और पाठ्यक्रम की स्वीकृति जैसी शर्तें अनिवार्य होंगी। हालांकि, यह भी स्पष्ट किया गया है कि 1 जुलाई 2026 के बाद ही मदरसा बोर्ड पूरी तरह भंग होगा और इसके बाद अल्पसंख्यक शिक्षा से जुड़े सभी संस्थानों की मॉनिटरिंग एवं नियंत्रण प्राधिकरण के माध्यम से किया जाएगा।

पुरोला नदी में बिछाई 26 लाख की टाइलें, निर्माण कार्य में 'घपले' की बू

■ नदियों में ठिकाने लगाई जा रही सरकार की बहुप्रतीक्षित योजनाएं, पुरोला विधानसभा क्षेत्र में खूब फल-फूल रहा भ्रष्टाचार

चिरंजीव सेमवाल

उत्तरकाशी। जिले में योजनाओं के नाम किस प्रकार से सरकारी धन को ठिकाने लगाया जा रहा। इस इस की बानगी प्रखंड पुरोला के घुंडाड़ा गांव में देखी जा सकती है।

यहां स्पेशल कंपोनेंट प्लान की धनराशि से श्मशान घाट के सार्वजनिक रास्ते के निर्माण कार्य में नदी में लाखों रुपए बहाये जा रहें हैं। बता दें कि लघु सिंचाई विभाग द्वारा करीब 26 लाख रुपये की लागत से गांव से कमल नदी के घाट तक दीवार (रिटेनिंग वॉल) और इंटरलॉकिंग रास्ता बनाया जाना था, जिससे दर्जनों गांवों के लोगों को अंतिम संस्कार के लिए सुगम मार्ग मिल सके। लेकिन हकीकत में जो निर्माण हुआ, उसने पूरे प्रोजेक्ट पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने इसे धन का दुरुपयोग बताते हुए जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। वहीं , मामले में लघु सिंचाई विभाग के पुरोला के अवर अभियंता विपिन चौहान ने बताया कि घुंडाड़ा में एससीपी योजना अंतर्गत वर्ष 2022-23में 26 लाख रुपए लागत की योजना स्वीकृत हुई थी, जिसके अंतर्गत 500-600 मीटर रास्ते का निर्माण व इंटर लॉकिंग टाइल्स बिछाई जानी थी। योजना अंतर्गत 250 मीटर का काम पूरा कर लिया गया है और उनके चार्ज लेने से पहले योजना अंतर्गत 9 लाख रूपये का भुगतान किया जा चुका था और उनके द्वारा वर्तमान समय तक लगभग 3 लाख का भुगतान किया गया है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नदी के भीतर किए गए कार्य को रोकने के निर्देश पहले ही दे दिए गए हैं और उस हिस्से का कोई भुगतान नहीं किया जाएगा। वहीं क्षेत्र में मामला चर्चा का विषय बना हुआ है ।

केदारनाथ धाम में बर्फबारी, तैयारियों पर असर

■ 22 अप्रैल को खुलने हैं बाबा केदारनाथ के कपाट, समय पर व्यवस्थाएं नहीं होने से तीर्थयात्रियों को होंगी परेशानियां

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। केदारनाथ धाम में गुरुवार सुबह से लगातार बर्फबारी जारी है। धाम में मौसम का मिजाज काफी बिगड़ा हुआ है। बिगड़ते मौसम के कारण धाम में ठंड भी अत्यधिक बढ़ गई है, जबकि लगातार हो रही बर्फबारी के कारण पूरा धाम बर्फ की चादर में ढका हुआ है। 22 अप्रैल को बाबा केदार के कपाट खुलने हैं और बर्फबारी का असर अब यात्रा की तैयारियों पर भी साफ नजर आने लगा है।

भारी बर्फ के चलते व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में दिक्कतें सामने आ रही हैं। हाल ही में लोक निर्माण विभाग गुप्तकाशी की टीमें तैयारियों का जायजा लेने धाम पहुंची थीं, लेकिन अत्यधिक बर्फबारी के कारण उन्हें बीच रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। अगर स्थिति ऐसी ही रही तो केदारनाथ धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ सकता है।

मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल बर्फबारी थमने के आसार कम हैं। जिस तरह से मौसम का रुख बना हुआ है, उससे आने वाले दिनों में भी बर्फबारी जारी रहने की संभावना है। ऐसे में केदारनाथ यात्रा की तैयारियों पर इसका सीधा असर पड़ सकता है। वहीं प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है और स्थिति सामान्य होते ही कार्यों को तेज करने की तैयारी में है। लोनिवि गुप्तकाशी के ईई राजविंद सिंह ने बताया कि जनवरी, फरवरी माह में केदारनाथ धाम में बर्फबारी ना के बराबर हुई है, जबकि मार्च माह माह में बर्फबारी होने से दिक्कतें पैदा होने लगी है। यात्रा तैयारियों को लेकर टीम भेजी गई थी,

लेकिन केदारनाथ धाम से लेकर बेस कैंप तक बर्फ ही बर्फ होने और अत्यधिक ठंडा होने के कारण टीम को वापस आना पड़ा। उन्होंने कहा कि बर्फबारी के कारण गौरीकुंड-केदारनाथ पैदल रास्ते में रैलिंग, मार्ग को क्षति पहुंच जाती है। ऐसे में कपाट खुलने से पहले समय पर व्यवस्थाओं को दुरूस्त किया जाना जरूरी है। वहीं, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नन्दन सिंह रजवार ने बताया कि आईटीबीपी के जवान माइनस डिग्री में भी धाम की सुरक्षा में जुटे हुए हैं। आगामी दिनों में मौसम साफ होने पर यात्रा तैयारियों को लेकर टीम को भेजा जाएगा।

अफवाहों पर न जाएं, पर्याप्त मात्रा में है गैस : जिला पूर्ति अधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार । जनपद में घरेलू गैस की कमी की अफवाहों के बीच जिला पूर्ति अधिकारी अरुण कुमार वर्मा ने स्पष्ट किया है कि सभी गैस एजेंसियों पर पर्याप्त मात्रा में गैस उपलब्ध है और उपभोक्ताओं को नियमित आपूर्ति की जा रही है। उन्होंने कहा कि आमजन किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें।

जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया कि भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशों के क्रम में जनपद में गैस आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह सुचारू है। उपभोक्ताओं को उनकी आवश्यकता के अनुसार गैस सिलेंडर उपलब्ध कराए जा रहे हैं और कहीं भी कमी की स्थिति नहीं है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की कि गैस बुकिंग के लिए ऑनलाइन माध्यम जैसे कंपनी की वेबसाइट, मोबाइल ऐप, टोल फ्री नंबर या एसएमएस का उपयोग करें। बुकिंग के बाद निर्धारित समयावधि में डोर-टू-डोर डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है, इसलिए अनावश्यक रूप से एजेंसियों पर भीड़ न लगाएं।

जिला पूर्ति अधिकारी ने खाद्य निरीक्षकों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्रों में गैस आपूर्ति की नियमित निगरानी करें, किसी भी प्रकार की कालाबाजारी या अनियमितता पाए जाने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करें। साथ ही इस संबंध में जारी सूचना का व्यापक प्रचार-प्रसार भी करें, ताकि आमजन तक सही जानकारी पहुंच सके।एलपीजी आपूर्ति पर सख्त निगरानी, 78 प्रतिष्ठानों की जांच

जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया के निर्देशन में जनपद में एलपीजी गैस आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी बनाने व अनियमितताओं पर अंकुश हेतु जिला प्रशासन और पूर्ति विभाग ने व्यापक औचक निरीक्षण अभियान चलाया। इस दौरान गैस गोदामों, पेट्रोल पंपों व विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की जांच की गई।अभियान के तहत जनपद में कुल 78 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 10 गैस गोदाम व 68 व्यावसायिक प्रतिष्ठान शामिल रहे।

बदला मौसम का मिजाज, गंगोत्री यमुनोत्री में बर्फबारी, खिले किसानों के चेहरे

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: जनपद में बीते रविवार से खराब मौसम से तापमान में भारी गिरावट दर्ज हुई है। गंगोत्री हर्षिल वैली और यमुनोत्री धाम में बर्फबारी और निचले इलाकों में झमाझम बारिश से एक ओर जहां वनाग्नि से राहत मिली वहीं बागवानी काश्तक. रों के चेहरे भी खिले उठें है।

मौसम विभाग केंद्र देहरादून ने राज्य के अधिकांश जिलों के लिए अगले 48 घंटों को लेकर ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता के चलते पर्वतीय और मैदानी दोनों क्षेत्रों में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है।

वीरवार को मौसम विभाग ने प्रदेश के देहरादून, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर और पिथौरागढ़ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश और भारी बर्फबारी के साथ-साथ गर्जना, आकाशीय बिजली और 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने के अनुसार 22 मार्च तक भी स्थिति बेहतर होती नहीं दिखती।

सेब की बागवानी के लिए संजीवनी

उत्तरकाशी के ऊंचे इलाकों में हुई बर्फबारी और बारिश ने बागवानी और कृषि क्षेत्र में संजीवनी का काम किया है। लंबे सूखे के बाद हुई इस बेमौसम बारिश-बर्फबारी ने हर्षिल वैली, नौगांव के सेवरी और मोरी क्षेत्र के बाग. वानों के चेहरों पर मुस्कान लौटा दी है। उत्तरकाशी में गंगोत्री और यमुनोत्री और हर्षिल जैसे ऊंचे इलाकों में हुई बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश से सेब के बागवानों को बड़ी राहत मिली है। यह बर्फबारी सेब के लिए जरूरी शचिलिंग आवर्सश (ठंडक) को पूरा करने में मददगार साबित हो रही है, जिससे इस साल फसल खराब होने का खतरा टल गया है।

अर्ली फ्लावरिंग का खतरा टला

लगातार सूखे के कारण समय से पहले फूल आ रहे थे, जिससे उत्पादन कम होने का डर था। अब तापमान कम होने से यह प्रक्रिया सामान्य हो गई है। कृषि विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि अब भारी बारिश या ओलावृष्टि होती है, तो फूलों (ब्लूमिंग) को नुकसान हो सकता है और फसल का उत्पादन कम हो सकता है।वहीं गंगोत्री धाम के तीर्थ पुरोहित राजेश सेमवाल के अनुसार, बीते रविवार से क्षेत्र में लगातार बर्फबारी हो रही है, जिससे तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। वहीं काश्तकार भगवान सिंह और संजय पंवार का कहना है कि हाल की बर्फबारी और बारिश से फसलों को नई जान मिली है, खासकर सेब उत्पादन के लिए यह बेहद लाभकारी साबित होगी।

एक नजर .....

हिंदुस्तान ओलंपियाड का परिणाम घोषित,विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

चिन्यालीसौड़/उत्तरकाशी। हिंदुस्तान ओलंपियाड प्रतियोगिता के परीक्षा परिणाम घोषित हो गए हैं, जिसमें सरस्वती विद्या मंदिर, शक्ति पुरम कॉलोनी, चिन्यालीसौड़ के मेधावी छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। हाई स्कूल वर्ग में छात्रा तमन्ना ने जिले में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। इस उपलब्धि के लिए उन्हें 3100 रुपये के नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वहीं कृतिका डबराल एवं वैभव भंडारी ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर 2100 रुपये की धनराशि हासिल की। इसी क्रम में आयुषी उनियाल एवं तनिष्का भट्ट ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जिन्हें 1100 रुपये की धनराशि से सम्मानित किया गया। विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य नत्थी लाल बंगवाल ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त करने वाले छात्रों एवं उनके परिजनों में हर्ष का माहौल है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने भी छात्रों की इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी। भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर चौहान, राज्यमंत्री राम सुन्दर नौटियाल एवं प्रकाश चंद रमोला ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर हुआ वाद-विवाद प्रतिभागियों ने रखे सशक्त तर्क

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में आयोजित अंतर-महाविद्यालयी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के अंतर्गत कृत्रिम बुद्धिमत्ता विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 7 टीमों के 14 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग कर पक्ष एवं विपक्ष में प्रभावशाली तर्क प्रस्तुत किए। प्रतिभागियों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के सामाजिक, शैक्षणिक, तकनीकी एवं नैतिक पक्षों पर गंभीर विचार रखते हुए इसके लाभ एवं संभावित चुनौतियों को विस्तार से प्रस्तुत किया। वक्ताओं ने जहाँ एक ओर एआई के बढ़ते उपयोग को विकास का माध्यम बताया, वहीं दूसरी ओर इसके दुष्प्रभावों पर भी चिंतन व्यक्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं सामाजिक कार्यकर्ता अनिल चंदोला, पत्रकार एवं लेखक प्रेम पंचोली तथा शिक्षाविद् सरिता उनियाल उपस्थित रहीं। इस अवसर पर अनिल चंदोला ने प्रतिभागियों के तर्कों, प्रस्तुति शैली एवं विषय की समझ की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों में तार्किक चिंतन, अभिव्यक्ति कौशल एवं समसामयिक विषयों के प्रति जागरूकता विकसित करती हैं।

नवरात्रों के पहले दिन धारी देवी मंदिरों में उमड़ी भक्तों की भीड़

श्रीनगर। चैत्र नवरात्रों के प्रथम दिन बृहस्पतिवार को देवी के मंदिरों में भक्तों की लम्बी कतारे दिखने को मिले। पहले दिन देवी मंदिरों और घरों में मां शैलपुरी की पूजा की गई। नवरात्रों के पहले दिन श्रीनगर से 15 किलोमीटर दूर स्थित कल्यासौड़ के समीप सिद्धपीठ धारी देवी मंदिर सहित नगर क्षेत्र के कंसमर्दनी, बगलामुखी मंदिर सहित देवलगढ़ स्थित गौरा देवी, राजराजेश्वरी मंदिर में तड़के से ही भक्तां का पहुंचने का सिल. सिला शुरू हो गया। मंदिर में पुजारियों ने विधि विधान के साथ मां का पूजन व आरती की मंगल कामना की। सिद्धपीठ धारी देवी मंदिर के पुजारी लक्ष्मी प्रसाद पाण्डेय ने बताया कि धारी देवी मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लाइन लगना शुरू हो गयी थी। उन्होंने बताया कि नवरात्र के पहले दिन 2 हजार से अधिक भक्तों ने मां भगवती के दर्शन कर पूजा अर्चना की गई। बताया कि मंदिर में पूजा पाठ करने के लिए दिल्ली, हरियाणा सहित अन्य प्रदेशों से श्रद्धालु पहुंचे।

अवैध शराब के खिलाफ सड़कों पर उतरीं महिलाएं

शाह टाइम्स संवाददाता

फाटा/रुद्रप्रयाग। केदारघाटी क्षेत्र में बढ़ते अवैध शराब के कारोबार के विरोध में महिलाओं का आक्रोश अब खुलकर सामने आने लगा है। फाटा क्षेत्र में महिला मंगल दलों के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं ने जागरूकता रैली निकालकर जोरदार प्रदर्शन किया। अभियान को युवाओं ने भी अपना समर्थन दिया।

रैली की शुरुआत फाटा मुख्य बाजार से हुई, जो लगभग एक किलोमीटर दूर बैरंगना तक निकाली गई। इसके बाद पुन: फाटा बाजार में सभा आयोजित कर आंदोलन को स्वर दिया गया। रैली में बडासू, जामू, खड़िया, धानी सहित आसपास के कई गांवों की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। महिलाओं ने कहा कि क्षेत्र में अवैध शराब का कारोबार तेजी से फैल रहा है, जिससे गांव-गांव तक इसका असर पहुंच चुका है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व सोनप्रयाग कोतवाली में इस संबंध में ज्ञापन भी दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। सभा को संबोधित करते हुए क्षेत्र पंचायत सदस्य खड़िया योगिता देवी ने कहा कि अवैध शराब का जाल समाज की जड़ों को कमजोर कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज यह समस्या गांव-गांव तक पहुंच चुकी है और हमारी आने वाली पीढ़ी भी इसकी चपेट में आ रही है। हमें अपने सभ्य समाज को बचाने के लिए एकजुट होकर आवाज उठानी होगी।

महिलाओं ने जिला प्रशासन से मांग की कि अवैध शराब के कारोबार पर तत्काल सख्त कार्रवाई की जाए और दोषियों के खिलाफ कठोर कदम उठाए जाएं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द ही कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। आंदोलन में शामिल हुए भैरव सेना संगठन के जिलाध्यक्ष अशोक सेमवाल ने कहा कि केदारनाथ यात्रा के अहम मार्गों में शराब की दुकानें खोली गई हैं, जहां से अवैध तरीके से शराब की सप्लाई गांव-गांव की जा रही हैं। तिलवाड़ा, अगस्त्यमुनि, काकड़ागाड़ में शराब की दुकानें खोले जाने से ग्रामीण माहौल बिगड़ता जा रहा है। साथ ही केदारनाथ यात्रा पर भी बुरा असर पड़ रहा है। चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु जब जगह-जगह शराब की दुकाने देखते हैं तो उनकी आस्था को चोट पहुंचती है। तीर्थयात्री सुखद यात्रा का संदेश लेकर नहीं जा रहे हैं। उनके मन में यही रहता है कि केदारनाथ यात्रा मार्गों में शराब व मांस की दुकाने खुली हुई हैं। उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा के दौरान शराब की दुकानों को बंद किया जाना चाहिए, जिससे देश-विदेश में अच्छा संदेश जाए। इस दौरान पूर्व महिला मंगल दल अध्यक्ष जामू कमला देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य जामू आरती देवी, बड़ासू की पिंकी देवी, ग्राम प्रधान खड़िया दीपा देवी, धानी की राखी देवी, प्रधान बड़ासू विमला देवी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

टिहरी बांध प्रभावितों का धरना 20वें दिन भी रहा जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी बांध से प्रभावित और विस्थापित परिवारों का विभिन्न मांगों को लेकर चल रहा आंदोलन गुरूवार को 20वें दिन भी जारी रहा। आंदोलनका. रियों ने बांध से मिलने वाली 12 प्रतिशत रायल्टी को टिहरी जिले के विकास कार्यों में खर्च करने और प्रभावित परिवारों को मुफ्त बिजली और पानी की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग दोहराई।

धरने का नेतृत्व कर रहे सागर भंडारी ने कहा कि टिहरी बांध से उत्पन्न संसाधनों पर पहला अधिकार यहां की जनता का है। उन्होंने कहा कि जिस परियोजना के लिए स्थानीय लोगों ने अपनी पुश्तैनी जमीन और घर-बार तक त्याग दिए, उसीके लाभ से वह आज भी वंचित हैं। बांध से उत्पादित बिजली अन्य प्रदेशों को उपलब्ध कराई जा रही है, जबकि टिहरी के प्रभावित परिवारों को समुचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि रायल्टी की राशि का उपयोग प्राथमिकता के आधार पर टिहरी जिले के विकास में होना चाहिए।

आंदोलनकारियों का आरोप लगाया कि दो सप्ताह से अधिक समय बीतने के बाद आज तक शासन-प्रशासन की ओर से सुध नही ली गई। धरना स्थल पर मौजूद लोगों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया, तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। धरना स्थल पर त्रिलोक चंद रमोला, दिनेश भट्ट, वीर सिंह पंवार, भरत सिंह नेगी, मिश्रा राणा, कांता गौड़, पार्वती रावत, एकादशी देवी, भारती चमोली, शारदा देवी, दीपा देवी, सरोजनी देवी, सभासद उर्मिला राणा आदि मौजूद रहे।

पूर्व सीएम 23 मार्च को धराली आपदा पीड़ितों से करेंगे मुलाकात

उत्तरकाशी: उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता हरीश रावत उत्तरकाशी के दो दिवसीय दौरे पर आ रहे हैं। पूर्व सीएम हरीश रावत 23 मार्च को जोशियाड़ा हेलीपैड, उत्तरकाशी पहुंचेंगे। इसके पश्चात वे धराली क्षेत्र में जाकर आपदा प्रभावित परिवारों से मुलाकात करेंगे तथा राहत एवं पुनर्वास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। सायंकाल वे उत्तरकाशी में रात्रि विश्राम करेंगे। 24 मार्च को प्रात: 11 बजे लोक निर्माण विभाग अतिथि गृह, उत्तरकाशी में पत्रकार वार्ता करेंगें।उक्त जानकारी देते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप रावत ने समस्त कांग्रेसजनों, कार्यकर्ताओं एवं आम जनता से अपील की गई है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

19 अप्रैल को खुलेंगे गंगोत्री धाम के कपाट गैर सनातनियों का प्रवेश रहेगा वर्जित

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: उत्तरखंड के चारधाम के कपाट खुलने का सिलसिला अक्षय तृतीया आगामी 19 अप्रैल से आगाज होगा। वीरवार को परंपरा अनुसार तीर्थपुरोहितों ने चौत्र नवरात्र के अवसर पर यह दिन मुहूर्त निक. ला है ।

तीर्थ पुरोहितों ने बताया कि गंगा जी की विग्रह डोली 18 अप्रैल को मुखबा से गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी। 19 अप्रैल को प्रात: गंगोत्री पहुंचने पर धाम के कपाट दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा की भोग मूर्ती मंदिर के गर्व गृह में प्रवेश के करने के बाद मां गंगा जी के कपाट आगामी 6 माह के लिए देश दुनिया के श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे।

वहीं , यमुनोत्री धाम के कपाट भी 19 अप्रैल को खुलेंगे हालांकि यमुनोत्री धाम के मुहूर्त निकलने की परंपरा छठे नवरात्र दिन की होती है। वीरवार को चौत्र नवरात्र के शुभ अवसर पर गंगोत्री मंदिर समिति की ओर से गंगोत्री धाम के कपाट छह माह श्रद्धालुओं के लिए खोलने की तिथि और समय का हिन्दू पंचाग अनुसार मुहूर्त की घोषणा कर दी गई है। इस दौरान श्री गंगोत्री मंदिर समिति के अध्यक्ष धर्मानंद सेमवाल ने बताया अक्षया तृतीया पर 19 अप्रैल को शुभ लाभ बेला पर गंगोत्री धाम के कपाट दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। 18 अप्रैल को गंगा के शीतकालीन प्रवास मुखबा से गंगा जी भोगमूर्ति विग्रह डोली में सेना बैंड और ढ़ोल -बाजे के साथ दोपहर 12 बजकर 15 मिनिट पर गंगोत्री धाम के लिए रवाना होगी। उस दिन रात्रि विश्राम भैरव घाटी के भैरव मंदिर में ही करेंगी। 19 अप्रैल प्रात: सात बजे गंगोत्री धाम के लिए पैदल रवाना होगी। उसके बाद अक्षय तृतीया पर विधि विधान के साथ धाम के कपाट छह माह के लिए खोल दिए जाएंगे। कपाट खोलने की तिथि पर समिति के उपाध्यक्ष अरुण सेमवाल ने बताया कि चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष मंदिर परिसर में गैर सनातनियों के प्रवेश पर रोक लगाई जाएगी इसके साथ ही मंदिर परिसर समेत गंगा घाट पर भी गैर सनातनी लोगों का प्रवेश वर्जित किया जाएगा। ऐसी मंदिर में मोबाइल फोन आदि भी वर्जित रहेगा। इस मौके पर धर्मानन्द सेमवाल अध्यक्ष श्री गंगोत्री मंदिर समिति,सुरेश सेमवाल सचिव,पं० अरुण सेमवाल उपाध्यक्ष,चण्डी प्रसाद सेमवाल संयोजक,अभिषेक सेमवाल कोषाध्यक्ष,सुशील सेमवाल,प्रदीप सेमवाल, आदि मौजूद रहे है।

प्राथमिक विद्यालय के 5 बच्चों का नवोदय में चयन

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली।जनपद चमोली के प्राथमिक विद्यालय ने रचा इतिहास, 05 बच्चों का नवोदय विद्यालय में चयन जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की गई है। विकासखण्ड देवाल स्थित रा.आ.प्रा.वि देवाल से पहली बार एक साथ 05 विद्यार्थियों दक्ष बिष्ट, विहान खत्री, दिया, उन्नति एवं मयंक बिष्ट का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है। यह उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि पूरे जनपद के लिए गर्व का विषय है।

उक्त विद्यालय विगत दो वर्षों से डायट (जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान) चमोली का फोकस विद्यालय रहा है। डायट द्वारा विद्यालय को निरंतर विशेष अकाद. मिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। इस क्रम में डायट मेंटर डॉ कमलेश कुमार के मार्गदर्शन में डीएलएड प्रशिक्षुओं को नियमित रूप से विद्यालय भेजा गया, जिससे विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता में निरंतर सुधार हुआ।विद्यालय को मॉडल रा.आ.प्रा.वि कपकोट के तर्ज पर विकसित किया जा रहा है। इसी का परिणाम है कि गत वर्ष 02 विद्यार्थियों के चयन के बाद इस वर्ष 05 विद्यार्थियों का नवोदय विद्यालय में चयन संभव हो सका है।इस उपलब्धि पर जिलाधिकारी गौरव कुमार एवं मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विद्यालय परिवार, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को बधाई दी है। जिलाधिकारी ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया है कि डायट के सहयोग से अन्य विकासखण्डों के चिन्हित विद्यालयों में भी इसी प्रकार विशेष प्रयास किए जाएं। साथ ही उन्होंने आश्वस्त किया कि ऐसे विद्यालयों को जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक सभी अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।यह सफलता दर्शाती है कि समन्वित प्रयास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षण एवं सतत मार्गदर्शन से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यालय भी उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर सकते हैं।

30 मार्च को टिहरी डाकमंडल का आयोजन

नई टिहरी। ग्राहकों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए डाक विभाग टिहरी मंडल की ओर से 30 मार्च को अपराह्न 4:00 बजे डाक अदालत का आयोजन किया जाएगा। अदालत में रजिस्ट्री, पार्सल, वीपीपी, मनीआर्डर और बचत बैंक से संबंधित शिकायतों पर विचार किया जाएगा। प्रत्येक शिकायत के लिए अलग-अलग आवेदन देना होगा और आवेदन पत्र के ऊपर स्पष्ट रूप से डाक अदालत हेतु शिकायत लिखा होना जरूरी है। हालांकि, कुछ मामलों में शिकायतें स्वीकार नहीं की जाएंगी। इनमें वह मामले शामिल हैं जो पहले ही न्यायालय की ओर से निपटाए जा चुके ह।

धामी सरकार की पहल, सर्किट हाउस एनेक्सी का होगा कायाकल्प

■ लोक संस्कृति की झलक के साथ आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगा राज्य अतिथि गृह: आर राजेश कुमार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व मुख्य सचिव के दिशा-निर्देशों में राज्य की अतिथि सुविधाओं को आधुनिक और आकर्षक बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

इसी क्रम में गुरुवार को राज्य अतिथि गृह सर्किट हाउस एनेक्सी, देहरादून में नवीनीकरण कार्य को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। निरीक्षण की अध्यक्षता आवास व राज्य संपत्ति सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने की।

इस दौरान उन्होंने नवीनीकरण की प्रस्तावित योजना का गहन अवलो. कन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

लोक संस्कृति के साथ विकसित होगा आधुनिक गेस्ट हाउस

निरीक्षण के दौरान यह तय किया गया कि सर्किट हाउस एनेक्सी को केवल मरम्मत तक सीमित नहीं रखा जाएगा, बल्कि इसे उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान और आधुनिक सुविधाओं के समन्वय के रूप में विकसित किया जाएगा। विशेष रूप से मीटिंग हॉल के संपूर्ण नवीनीकरण के साथ उसकी दीवारों पर राज्य की लोक संस्कृति को दर्शाने वाली पेंटिंग्स लगाने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे यहां आने वाले अतिथियों को प्रदेश की समृद्ध परंपरा की झलक मिल सके। नवीनीकरण कार्य को चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। प्रथम चरण में मुख्य भवन के कक्ष संख्या 1 से 12 तक (भूतल के 1 से 6 और प्रथम तल के 7 से 12) का कायाकल्प किया जाएगा। इसके साथ ही डोरमैट्री के भूतल पर स्थित कक्ष संख्या 19 से 22 तक के चार कमरों का भी नवीनीकरण किया जाएगा।

बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश

आवास व राज्य संपत्ति सचिव डॉ आर राजेश ने कोरिडोर में बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आवागमन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

दूसरे चरण में विस्तार और नई सुविधाओं पर फोकस

द्वितीय चरण में गेस्ट हाउस परिसर में उपलब्ध स्थान का उपयोग करते हुए इसके विस्तार की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। इस मौके पर अपर सचिव लक्ष्मण सिंह, मुख्य व्यवस्थाधिकारी आलोक सिंह चौहान, वरिष्ठ व्यवस्थाधिकारी पी.एल. शाह तथा पेयजल निगम के प्रोजेक्ट मैनेजर राकेश चंद्र तिवारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अतिथि गृहों को आधुनिक बनाना सरकार की प्राथमिकता

आवास व राज्य संपत्ति सचिव डॉ आर राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार राज्य के अतिथि गृहों को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की दिशा में कार्य तेजी से किया जा रहा है। सर्किट हाउस एनेक्सी का नवीनीकरण केवल संरचनात्मक सुधार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान को भी प्रमुखता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से सभी कक्षों का कायाकल्प किया जाएगा और अतिथियों को उच्च स्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

चांद के नहीं हुए दीदार, शनिवार को मनाई जाएगी ईद

गरीबों का ख्याल रखने और उनको अपनी खुशियों में शामिल करने का आह्वान

■ ईदगाहों और मस्जिदों में किए गए नमाज के लिए विशेष इंतजाम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। देश भर में कही से भी चांद देखे जाने की खबर न मिलने के कारण देहरादून के शहर काजी मुफ्ती हशीम कासमी ने चांद दिखाई ना देने का ऐलान करते हुए कहा कि कल, यानी 21 मार्च शनिवार को देशभर में एक साथ ईद-उल-फितर का त्योहार मनाया जाएगा।

शहर काजी ने बताया कि चूँकि चाँद नजर नहीं आया है, इसलिए रमजान के 30 रोजे मुकम्मल किए जाएंगे और ईद-उल-फितर 21 मार्च 2026 (बरोज शनिवार) को अदा की जाएगी।

इस साल ईद-उल-फितर की नमाज मस्जिदों और ईदगाहों में अदा की जाएगी। जिला प्रशासन की ओर से जारी की गई गाइडलाइन्स के मुताबिक, ईद की नमाज के लिए हर जगह विशेष सावधानियां और व्यवस्थाएं की गई है, ताकि लोग शांति और सुरक्षा के साथ नमाज अदा कर सकें।

ईदगाह माजरा में दो बार नमाज कराने का निर्णय लिया गया है। देहरादून शहर और जिले के सभी गांवों में सुबह 7 बजे से लेकर 10 बजे तक ईद-उल-फितर की नमाज अदा की जाएगी।

खासकर शहर देहरादून व जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में नमाज के लिए वक्त पहले ही तय कर दिया गया है, जिससे लोग समय पर नमाज अदा कर सकें।

उलेमाओं की ओर से जारी की गई हिदायतें

जमीयत उलेमा हिन्द (ए) के प्रदेश अध्यक्ष मौलाना हुसैन अहमद कासमी, प्रदेश महासचिव मौलाना शराफत कासमी, काजी दारूल कजा मुफ्ती सलीम अहमद कासमी, जमीयत के प्रदेश उपाध्यक्ष मुफ्ति रईस अहमद कासमी, जिला अध्यक्ष मौलाना अब्दुल मन्नान कासमी, मुफ्ति वासिल, मुफ्ति अयाज अहमद, मौलाना इफ्तिखार कासमी, शहर काजी मौलाना हशीम अहमद कासमी, जिला महासचिव कारी आबिद और अन्य प्रमुख धार्मिक उलेमाओं ने ईद-उल-फितर की मुबारकबाद पेश की।

खुशियों के संगम में सबको रखे साथ

ईद-उल-फितर का पर्व मुस्लिम समुदाय के लिए एक विशेष दिन है, जब लोग एक-दूसरे के साथ मिलकर उपवास समाप्त कर खुशी और सौहार्द का इजहार करते हैं। इस पर्व को शांति, प्रेम और समृद्धि के साथ मनाने और गरीबों व निर्धनों को भी अपनी खुशियों में शामिल करने का आह्वान किया गया है।

प्रदेश में गैस की किल्लत को लेकर मुख्यमंत्री से मिले धस्माना

■ नवरात्र व ईद के मद्देनजर उपभोक्ताओं को हो रही परेशानी
■ मुख्यमंत्री ने राज्य में एलपीजी कोटा बढ़ाए जाने का दिया आश्वासन

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात कर उनको विक्रमी नवसंवत्सर 2083 व चैत्र नवरात्र की बधाई देते हुए प्रदेश की जनता की रसोई गैस की परेशानी से अवगत करवाते हुए उसे दूर करने की मांग की।

धस्माना ने कहा कि खाड़ी संकट से पैदा हुई रसोई गैस की भारी कमी का असर उत्तराखंड व राजधानी में लगातार बढ़ता जा रहा है और त्योहारी सीजन चैत्र नवरात्र व ईदुलफितर के कारण आम उपभोक्ता परेशान हैं इस परेशानी को न्यूनतम करवाने के लिए उनसे मांग करी कि वे केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री व केंद्रीय खाद्य आपूर्ति मंत्री से बातचीत कर प्रदेश को मिलने वाली एलपीजी सिलेंडरों के आवंटन कोटे को बढ़ाने की मांग कर जनता को राहत पहुंचाने का कार्य करें।

चैत्र नवरात्र शुरू हो गए हैं और रमजान शरीफ का महीना भी चल रहा है और दो दिन बाद ईदुलफितर भी है ऐसे में सनातन धर्मावलंबियों व मुस्लिम दोनों समुदायों के त्यौहारों पर व उनकी रसोई पर गैस की किल्लत त्यौहारों को फीका कर रही है और लोग रसोई गैस के लिए दर दर भटक रहे हैं। धस्माना ने मुख्यमंत्री को बताया कि अकेले राजधानी देहरादून में लगभग पौने आठ लाख रसोई गैस उपभोक्ता हैं और देहरादून के लिए आवंटित कोटा साढ़े पांच लाख सिलेंडर है जो पहले ही सवा दो लाख कम है और आजकल कमी के कारण सप्लाई प्रभावित होने के कारण और कम आ रहे हैं जिससे अफरा तफरी का माहौल बन रहा है।

सीएम धामी ने धस्माना को आश्वासन दिया कि वे आज ही इस संबंध में केंद्रीय मंत्रियों व केंद्रीय सचिव व केंद्रीय अधिकारियों से बातचीत कर एलपीजी कोटा बढ़ाने की मांग करेंगे।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की नई शाखा का उद्घाटन

देहरादून। सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की और से गुरूवार को सहस्त्रधारा शाखा के नए व अधिक सुविधाजनक परिसर का उद्घाटन किया गया, वहीं, हर्बर्टपुर शाखा के नवीनीकृत परिसर को भी ग्राहकों के लिए समर्पित किया गया। परिसर का उद्घाटन मुख्य अतिथि जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी व शीशराम तुंदवाल, अंचल प्रमुख दिल्ली ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए रामप्रमोद आनंद, क्षेत्रीय प्रमुख देहरादून सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। सहस्त्रधारा शाखा के नए परिसर में ग्राहकों के लिए अधिक जगह, बेहतर बैठने की व्यवस्था तथा सुव्यवस्थित काउंटर की सुविधा उपलब्ध काराई गई है। बैंक की शाखाओं में ग्राहकों को बचत खाता, चालू खाता, सावधि जमा, विभिन्न ऋण योजनाएं तथा डिजीटल बैंकिंग सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। बैंक का प्रयास है कि अधिक से अधिक लोगों को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ा जाए।

देहरादून शहर व ग्रामीण क्षेत्र में 21 मार्च 2026 को होने वाली ईद-उल-फितर की नमाज का समय

1ईदगाह चकराता रोड	-8:30
2.ईदगाह सुभाष नगर, माजरा में पहली -8:00, दूसरी	-8:30
3.ईदगाह मुस्लिम कालोनी	-8:15
4.जामा मस्जिद पल्टन बाजार	-9:00
5.जामा मस्जिद धामावाला बाजार	-8:00
6.जामा मस्जिद नया नगर, इनामुल्लाह बिल्डिंग	-8:30
7.जामा मस्जिद माजरा	-9:00
8. जामा मस्जिद चंदन नगर	-8:45
9.मदरसा इस्लामिया स्कूल अजबपुर कलां	-8:00
10.जामा मस्जिद अजबपुर कलां	-8:30
11. जन्नत मस्जिद धर्मपुर	-9:30
12.जामा मस्जिद अक्सा कांवली	-8:45
13.मदरसा इजहारूल उलूम मोरोंवाला	-8:00
14. मदरसा अनवरिया हयातुल उलूम बड़ा भारूवाला	-7:40
15. मदीना मस्जिद छोटा भारूवाला	-8:00
16. जामा मस्जिद मोथरोंवाला	-8:30
17. मस्जिद नसीम, मदरसे वाली आजाद कालोनी	-7:45
18. मस्जिद रहमत, रहमत कालोनी, आजाद कॉलोनी	-8:00
19.सईदिया मस्जिद नूर एन्कलेव	-8:15
20. जोहड़ी बस्ती देहरादून	-8:15
21. मदीना मस्जिद ब्रहम्नवाला	-8:15
22. बिलाल मस्जिद ब्रहम्नवाला	-7:05
23. मस्जिद अबुबकर शकुंतला	-7:45
24. जामा मस्जिद लक्खी बाग	-7:45
25. मक्का मस्जिद भण्डारी बाग	-7:30
26.बिलाल मस्जिद सिंघल मंडी	-8:00
27. मदीना मस्जिद लालपुल	-8:00
28.मदीना मस्जिद गांधी ग्राम	-8:30
29. मस्जिद फिरदोस अधोईवाला	-8:30
30. जामा मस्जिद राजीव नगर	-8:45
31. जामा मस्जिद भगत सिंह कालोनी	-7:45
32. मस्जिद फातिमा रक्षा विहार	-8:45
33. मदीना मस्जिद जैन प्लाट वाणी विहार	-8:00
34.मदरसा इमदादुल उलूम किशनपुर	-8:30
35.मस्जिद बस अड्डा राजपूर	-9:00
36.मस्जिद राजपुर नियर थाना	-8:00
37.मस्जिद दिलाराम बाजार	-8:30
38. जामा मस्जिद रहमानिया, चोर खाला, बल्लुपुर	-8:00
39.जामा मस्जिद मदरसा फ़ैजुल उलूम कांवली	-8:45
40. बिलाल मस्जिद भोगपुर	-8:30
41. जामा मस्जिद ईसी रोड	-8:00
42. मस्जिद खलील खान सीमेंट रोड	-7:30
43. जामा मस्जिद रांझावाला, रायपुर	-8:30
44. मस्जिद मयूर विहार कण्डोली	-8:00
मसूरी	
45. जामा मस्जिद किताबघर मसूरी	-9:00
46. जामा मस्जिद लण्ढ़ोर बाजार मसूरी	-9:00
47. जामा मस्जिद कुल्ड़ी बाजार मसूरी	-10:00
48. मदीना मस्जिद झील मसूरी	-9:15
कारगी	
49.मदरसा दारूल उलूम मौहम्मदिया कारगी	-7:45
50.मदीना मस्जिद कारगी	-8:30
51.बड़ी मस्जिद कारगी	-9:00
52.मक्का मस्जिद कारगी	-8:30
53.मस्जिद अली चांचक, नई बस्ती	-8:15
54.मस्जिद शाने इलाही चांचक बंजारावाला	-8:00
55.आईशा मकतब चांचक बंजारावाला	-7:30
मेहुंवाला माफी	
56. मस्जिद लाईब्रेरी वाली मेहुंवाला माफी	-7:30
57.मदरसा अनवारूल कुरआन मेहुंवाला माफी	-7:45
58.मदरसा फैज-ए-हिदायत मेहुंवाला माफी	-8:00
59.बड़ी (मक्का) मस्जिद मेहुंवाला माफी	-8:30
60.जामा मस्जिद नूर बस्ती चंदाताल, मेहुंवाला माफी	-8:00
61. अकबरी मस्जिद घिसरपडी, मेहुंवाला	-8:00
62. गोरखपुर चौक वाली मस्जिद	-8:30
विकासनगर-शिमला रोड	
63. ईद गाह विकासनगर	-8:00
64. ईद गाह सहसपुर	-8:30
65. जामा मस्जिद धर्मावाला	-8:30
66. मस्जिद बरोटीवाला, विकासनगर	-8:30
67.जामा मस्जिद आईशा कुन्जा ग्रांट	-8:00
68. जामा मस्जिद बुलाकीवाला	-9:15
69. हसनपुर-शेरपुर, मलूकचंद ईदगाह शिमला रोड	-8:30
70.ईद गाह कल्याणपुर,शिमला रोड	-8:30
71. ईदगाह बुढ्ढ़ी गावं शिमला रोड	-8:00
72. जामा मस्जिद डोईवाला	-9:00
73. ईद गाह कुड़कावाला, डोईवाला	-9:30
74. जामा मस्जिद, जॉलीग्रांट	-8:30
75. जामा मस्जिद, चूना भट्टा क्रासिंग	-9:15
76. ईद गाह, तेलीवाला, डोईवाला	-8:30
77. जामा मस्जिद, नियामुवाला	-8:00

संकलन व जारीकर्ता
जमीअत-ए-उलेमा-ए-हिन्द जिला देहरादून।
मदरसा दार ए अरकम आजाद कालोनी, देहरादून।

दिव्यांगता हैंडबुक से उत्तराखंड में समावेशी नीति-निर्माण को मिलेगा बल

देहरादून। सांसदों के लिए विशेष रूप से तैयार भारत की पहली हैंडबुक का हाल ही में केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले ने विमोचन किया। एनसीपीईडीपी की और से बजाज फिनसर्व सीएसआर के सहयोग से तैयार 'बियॉन्ड द विजिबल' कानून निर्माताओं को दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 को जमीनी स्तर पर प्रभावी बनाने के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करती है। यह प्रकाशन उत्तराखंड जैसे राज्य के लिए विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ दिव्यांगजनों की उल्लेखनीय संख्या है और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियाँ व दूरस्थ क्षेत्र अतिरिक्त चुनौतियाँ प्रस्तुत करते हैं।

गैस की किल्लत ने बदली रोजी-रोटी की तस्वीर

हर्रावाला में चूल्हे पर समोसे बनाने को मजबूर दुकानदार

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददात

हर्रावाला। कमर्शियल एलपीजी गैस की लगातार बनी किल्लत ने छोटे कारोबारियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। हालात ऐसे हो गए हैं कि हर्रावाला क्षेत्र में एक दुकानदार को दुकान के सामने ही मिट्टी का चूल्हा बनाकर समोसे तैयार करने पड़ रहे हैं।

स्थानीय दुकानदार सुरेन्द्र, जो वर्षों से समोसे और अन्य नाश्ते का कारोबार करते हैं, आज गैस की कमी के चलते पारंपरिक चूल्हे का सहारा लेने को मजबूर हैं। उनका कहना है कि कमर्शियल गैस सिलेंडर समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रहा, जिससे रोजमर्रा का कामक. ाज प्रभावित हो रहा है।

सुरेन्द्र बताते हैं कि "गैस की सप्लाई अनियमित हो गई है, जिससे दुकान चलाना मुश्किल हो गया है। ग्राहकों की मांग पूरी करने के लिए अब मिट्टी का चूल्हा बनाकर काम करना पड़ रहा है, जिससे समय भी ज्यादा लगता है और मेहनत भी बढ़ गई है।

इस समस्या का असर सिर्फ दुकानदारों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि आम जनता भी इससे प्रभावित हो रही है। समोसे और अन्य खाद्य पदार्थों के लिए ग्राहकों को इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं कुछ स्थानों पर कीमतों में भी बढ़ोतरी देखी जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही गैस की आपूर्ति सामान्य नहीं हुई, तो छोटे कारोबार पूरी तरह ठप हो सकते हैं।

चैत्र नवरात्र पर जोशी ने दुर्गा मंदिर में की पूजा-अर्चना

देहरादून(शाह टाइम्स)। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को चैत्र नवरात्रि के प्रथम दिवस पर जीएमएस रोड़ स्थित कुर्मांचल भवन में अपने पिता स्व. श्याम दत्त जोशी की स्मृति में निर्मित दुर्गा मंदिर में पहुंचकर पूजा अर्चना कर माँ दुर्गा का आर्शीवाद प्राप्त किया। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए प्रदेशवासियों सुख सुख समृद्धि की भी कामना की।

मसूरी क्षेत्र के पूर्व ग्राम प्रधानों से मिले कैबिनेट मंत्री जोशी

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुरुवार को मसूरी क्षेत्र के पूर्व ग्राम प्रधानों से भेंट कर क्षेत्रीय विकास से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान पूर्व ग्राम प्रधानों ने अपने-अपने क्षेत्रों की समस्याओं से कैबिनेट मंत्री को अवगत कराया।

जोशी ने सभी प्रतिनिधियों की बातों को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। इस अवसर पर पूर्व ग्राम प्रधान रतन जवाड़ी, सुन्दर सिंह, दिनेश कुमार, रोशन लाल डबराल, रमेश नौटियाल, पूर्व कनिष्ठ प्रमुख राजपाल मेलवाल, मनोज कुमार, नरेश नौटियाल आदि उपस्थित रहे।

ईद पर देहरादून में ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू

देहरादून। ईद-उल-फितर के पर्व को लेकर शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासिन ने 21 मार्च 2026 के लिए विशेष ट्रैफिक डायवर्जन प्लान लागू किया है। यह व्यवस्था प्रात: 6 से 10 बजे तक प्रभावी रहेगी। जारी प्लान के अनुसार, घण्टाघर से बिन्दाल की ओर जाने वाले ट्रैफिक को राजपुर रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। वहीं दर्शनलाल चौक और तहसील चौक से बिन्दाल जाने वाले वाहन दिलाराम चौक से कैण्ट मार्ग से ओर राजपुर रोड से बिन्दाल जाने वाले वाहनों को घण्टाघर से दर्शनलाल चौक की ओर भेजा जाएगा। बल्लूपुर और किशन नगर चौक से घण्टाघर की ओर आने वाले ट्रैफिक को कैण्ट की ओर डायवर्ट किया जाएगा। राजपुर क्षेत्र से बिन्दाल जाने वाले वाहन भी दिलाराम चौक से कैण्ट मार्ग के जरिए अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे। हालांकि, नमाज अदा करने के लिए जाने वाले लोगों को घण्टाघर से बिन्दाल की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी। यातायात व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए शहर में कई स्थानों पर बैरियर प्वाइंट बनाए गए हैं, जिनमें बिन्दाल, यमुना कॉलोनी, अग्रवाल बेकरी, धर्मपुर चौक, ट्रांसपोर्ट नगर तिराहा और चन्द्रबनी चौक प्रमुख हैं। पुलिस प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्जन प्लान का पालन करें और वैकल्पिक मार्गों का उपयोग कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

तस्मिया ने विद्वानों व कारियों को किया सम्मानित

डॉ. एस. फारूक ने दी ईद की शुभकामनाएँ दी

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। पवित्र रमजान के मुबा. रक अवसर पर तस्मिया ऑडिटोरियम में विद्वानों की एक बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक का उद्देश्य उन कारियों (कुरान पाठ करने वालों) का उत्साहवर्धन करना था जो तरावीह की नमाज में कुरान शरीफ का पाठ करते हैं और उसकी तिलावत सुनाते हैं।

रमजान के अंतिम शुक्रवार के अवसर पर विशेष दुआओं का भी आयोजन करने का अनुरोधा किया गया। विश्व में शांति के लिए प्रार्थनाएँ की गईं। डॉ. एस. फारूक ने एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की।

कोहिनूर आर्ट ज्वेलर्स में ज्वैलरी मेकिंग पर भारी छूट

ईद पर ग्राहकों के लिए खास ऑफर, उमड़ रही भीड़

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून। ईद के पावन अवसर पर कोहिनूर आर्ट ज्वेलर्स माजरा की और से ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर पेश किए गए हैं। शोरूम में ज्वेलरी मेकिंग चार्जेस पर भारी छूट दी जा रही है, जिससे खरीदारी करने वालों में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

ईद की खरीदारी को खास बनाने के लिए ज्वेलर्स की ओर से ग्राहकों को विभिन्न प्रकार के आकर्षक उपहार भी प्रदान किए जा रहे हैं। इस विशेष पहल के चलते माजरा स्थित शोरूम में ग्राहकों की भारी भीड़ उमड़ रही है और लोग बढ़-चढ़कर ऑफर का लाभ उठा रहे हैं।

गुणवत्ता, विश्वास और कुशल व्यवहार के लिए प्रसिद्ध कोहिनूर आर्ट ज्वेलर्स ने क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। ग्राहकों का कहना है कि यहां उचित दामों के साथ बेहतरीन डिजाइन और विश्वसनीय सेवा मिलती है, जिससे हर वर्ग के लोग यहां खरीदारी करना पसंद करते हैं।

गुणवत्ता और भरोसे का नाम

वर्षों से अपनी उत्कृष्ट गुणवत्ता, पारदर्शी लेन-देन और सौम्य व्यवहार के लिए प्रसिद्ध कोहिनूर आर्ट ज्वेलर्स ने ग्राहकों के बीच एक मजबूत विश्वास कायम किया है। यहाँ पारंपरिक, आधुनिक और शादी-समारोहों के लिए विशेष डिजाइनों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। सोना, चाँदी और डायमंड ज्वेलरी के नवीनतम कलेक्शन ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित कर रहे हैं।

शोरूम के स्वामी हाजी इकबाल शैख ने बताया कि हमारे यहां पारंपरिक से लेकर आधुनिक डिजाइनों, गढ़वाली, कुमाउनी व जोनसारी गहनों तक की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है, जो खासतौर पर ईद जैसे त्योहारों और शादी-समारोह के लिए उपयुक्त मानी जा रही है।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग

देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला पूर्ति विभाग की बड़ी कार्रवाई

घरेलू गैस सिलेंडर को व्यवसायिक उपयोग में लाने वाले व्यापारियों के 5 सिलेंडर पूर्ति विभाग की टीम ने किए जब्त

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। जनपद में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में किसी भी दशा में उपयोग न हो इसके लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने जिला पूर्ति अधिकारी को सख्त हिदायत दी है कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों में निरंतर छापेमारी की कार्यवाही करते हुए, जिन व्यवसायिक प्रतिष्ठानों द्वारा घरेलू गैस सिलेंडर का उपयोग करते हुए पाए जाते है तो उनके विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए। जिला पूर्ति अधिकारी मुकेश पाल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशन में एवं भारत सरकार द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम के अन्तर्गत प्राकृतिक गैस (आपूर्ति विनियमन) आदेश 2026 के अनुपालन में आज रेलवे स्टेशन के निकट व्यावासायिक प्रतिष्ठानों/होटलों में की गई आकस्मिक छापेमारी में कुल 5 घरेलू सिलेंडर (14.2 के.जी.) जिसमें 1 इण्डेन 4 भारत गैस के सिलेण्डर जब्त किए गए। इसके अतिरिक्त प्राकृतिक गैस, एल०पी०जी० या सी०एन०जी० के अनुश्रवण हेतु जनपद की 41 गैस एजेंसीवार 41 नोडल अधिकारी नामित किये गये हैं, जिनके द्वारा नियमित रूप से गैस एजेंसी का निरीक्षण कर अनुश्रवण किया जा रहा है

रसोई गैस की किल्लत दूर करने की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय धर्मशाला सुरक्षा समिति ने बैठक कर सरकार से रसोई गैस की किल्लत दूर करने की मांग की। लुधियाना धर्मशाला में आयोजित समिति की बैठक के दौरान ईमेल के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भी प्रेषित किया गया। बैठक को संबोधित करते समिति के अध्यक्ष महेश गौड़ ने कहा कि रसोई गैस की किल्लत की वजह से धर्मशाला, आश्रमों और गुरूद्वारों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अगले महीने से चारधाम यात्रा व गर्मियों का सीजन शुरू हो रहा है और रोजाना हजारों श्रद्धालु व पर्यटक हरिद्वार आएंगे। ऐसे में गैस की किल्लत दूर करने के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाए जाएं। बैठक में कोषाध्यक्ष शिवकुमार शर्मा, संरक्षक गोपाल प्रधान, रमेश मिडा, रविंद्र भट्ट, सरिता पुरोहित आदि मौजूद रहे।

युवती के साथ छेड़छाड़, अपहरण के प्रयास व तमंचा दिखाकर धमकाने के आरोपी को किया गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली पुलिस ने युवती के साथ छेड़छाड़, अपहरण का प्रयास व तमंचा दिखाकर धमकाने के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा व जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। फरार चल रहे आरोपी के खिलाफ अदालत से वारंट जारी किए गए थे। आरोपी पूर्व में मोटरसाइकिल चोरी के मामले में जेल जा चुका है। बीती 25 जनवरी को कोतवाली क्षेत्र निवासी व्यक्ति ने आरोपी वाजिद व उसके साथी द्वारा पुत्री के साथ छेड़छाड़ कर अपहरण का प्रयास तथा विरोध करने पर मारपीट करते हुए तमंचा दिखाकर धमकी देने का आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद आरोपी फरार हो गया था। लगातार फरार होने के चलते पुलिस ने उसके खिलाफ अदालत से एनबीडब्लयू प्राप्त किए। तलाश में जुटी पुलिस ने बुधवार की रात मुखबिर की सूचना पर सलेमपुर मार्ग से आरोपी वाजिद पुत्र मेहबूब निवासी ग्राम राजपुर रानीपुर को तमंचे सहित गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में वाजिद ने बताया कि उसने युवती से दोस्ती का प्रयास किया था। मना करने पर अपने साथी के साथ मिलकर उसे जबरन ले जाने की कोशिश की। विरोध होने पर तमंचा दिखाकर मौके से फरार हो गया। पुलिस टीम में कोतवाली प्रभारी आशुतोष राणा, सुमननगर चौकी प्रभारी एसआई अर्जुन कुमार, कांस्टेबल जयदेव व दीपक रावत शामिल रहे।

लक्सर-हरिद्वार मार्ग पर कार व बाइक की टक्कर में पांच घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के गांव पदार्था स्थित लक्सर हरिद्वार मार्ग पर एक तेज रफ्तार कार ने अनियंत्रित होकर बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद कार पलट गई और सड़क किनारे खेत मे जा गिरी। राहगीरों ने कार में फंसे तीन व्यक्तियों को बाहर निकालर नजदीक ही अस्पताल में भर्ती कराया है। गुरुवार देरशाम हरिद्वार की ओर से पदार्था जा रही एक तेज रफ्तार कार ने एक बाइक सवार को टक्कर मार दी। बाइक पर बैठे दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर लगने के बाद कार भी अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई और खेत मे जा गिरी। कार में बैठे दो व्यक्तियों व चालक को भी हालांकि चोट आई है। वही, बाइक सवार शंकर 17 वर्ष पुत्र रामपाल, गोलू पुत्र संदीप निवासी सुल्तानपुर को गंभीर चोट आई है जिन्हें राहगीरों द्वारा नजदीक ही अस्पताल में उपचार हेतु भर्ती कराया गया है। वही, कार चालक तानिस्क पुत्र अशोक वर्मा, साहिल, साकिर निवासीगण सुल्तानपुर को हल्की चोट आई है जिन्हें उपचार के बाद छुट्टी दी गई है। मामले की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुची ओर घटना की जानकारी जुटाई। फेरुपुर चौकी प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कार व बाइक की टक्कर हुई है। सभी लोग सुरक्षित है।

खैर के तीन कीमती पेड़ काटकर तस्करों ने लगाया ठिकाने

पथरी जंगल में फिर गूंजा आरी का शोर

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। क्षेत्र के जंगल से एक बार फिर तस्करों ने खैर के तीन कीमती पेड़ों को काटकर ठिकाने लगा दिया है। वनप्रभाग के अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं। मोके पर खैर के ठूठ खड़े है। बताया जा रहा है कि वन प्रभाग ने मामले में नामजद मुकदमा दर्ज किया है और तस्करों की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पथरी जंगल से कीमती पेड़ो के कटान का यह पहला मामला नही है इससे पूर्व में भी तस्कर चंदन, खैर व शीशम के पेड़ों को काटकर ठिकाने लगा चुके है। साथ ही मामले में तस्कर व वनप्रभाग के एक अधिकारी का ऑडियो भी शोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

हरिद्वार रेंज के पथरी जंगल से खैर के तीन कीमती पेड़ो को तस्करों द्वारा चोरी से काटने का मामला प्रकाश में आया है। हालांकि वन प्रभाग ने मामले को दबाये रखा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जब मामला उजागर हुआ तो वनप्रभाग ने आननफानन में कुछ लोगो को नामजद कर मुकदमा दर्ज कर लीपापोती शुरू कर दी। मामले में जब वनप्रभाग के अधिकारियों से जानकारी जुटाई गई तो उन्होंने खैर के तीन पेड़ो को काटने की पुष्टि करते हुए मामले में नामजद मुकदमा दर्ज करने की बात कही।

लेकिन सूत्रों से मिली जानकारी से पता चला कि पथरी जंगल से तस्कर वन प्रभाग की मिलिभक्त से खैर व चंदन जैसे कीमती पेड़ो को लगातार काटकर ठिकाने लगाने में मस्त है और वनप्रभाग लीपापोती में व्यस्त है। पथरी के जंगल से पेड़ चोरी होने का यह मामला चर्चाओं में चल रहा है इस सम्बंध में तस्कर व पथरी के एक अधिकारी को ऑडियो भी जमकर शोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। जिसमे अधिकारी व तस्कर टेम्पू से लकड़ी उठाने की बात करते सुनाई दे रहे है। हालांकि दैनिक शाहटाइम्स अखबार वीडियो की पुष्टि नही करता है। लेकिन जंगल से हाल ही में काटे गए खैर के तीन पेड़ो को लेकर वनप्रभाग कार्रवाई की बात कह रहा है। मामले में वनप्रभाग ने नामजद मुकदमा दर्ज कर तस्करों को पकड़ने के लिये सम्भावित ठिकानों पर दबिश दी है। मामले में अभी कोई भी तस्कर वनप्रभाग के हत्थे नही चढ़ा है। वनप्रभाग ने कटे पेड़ों की कुछ लकड़ी बरामद की है। हरिद्वार रेंज के पथरी जंगल से खैर के कीमती पेड़ों को काटने का सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। पथरी जंगल मे खैर, शीशम और सागवान के साथ अन्य प्रजाति के कीमती पेड़ खड़े हैं। तस्करों ने खैर के पेड़ों को अपना निशाना बनाया हुआ है।

पथरी उप वन क्षेत्र अधिकारी हरीश वालिया ने बताया पेड़ काटे गए है मामले में नामजद मुकदमा दर्ज कर सम्भावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। मामले में जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर खुलासा किया जाएगा।

नवरात्र आराधना करने से दूर होती हैं जीवन की सभी विघ्न बाधाएं : श्रीमहंत रविंद्रपुरी

अखाड़ा परिषद अध्यक्ष ने की मनसा देवी मंदिर में विशेष पूजा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। चैत्र नवरात्र के पहले दिन अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने मनसा देवी मंदिर में विशेष पूजा अर्चना कर लोक कल्याण की कामना की। इस अवसर पर अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि नवरात्र मां भगवती की कृपा प्राप्त करने का सबसे बेहतर अवसर हैं। नवरात्रों में पूर्ण विधि विधान से मां के सभी नौ स्वरूपों की आराधना करने से जीवन की सभी विघ्न बाधाएं दूर होती हैं। परिवार में सुख समृद्धि का वास होता हैं। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने बताया कि मां मनसा देवी भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। श्रद्धालु भक्त मनोकामना पूर्ति के लिए मंदिर परिसर में स्थित वृक्ष पर धागा बांधते हैं। मनोकामना पूर्ण होने पर श्रद्धालु धागे को खोलकर मां को अर्पण कर देते हैं। उन्होंने बताया कि मंदिर में अब पुरानी परंपरा शुरू करते हुए ढोल नगाड़े बजाकर रोजाना मां मनसा देवी की विशेष पूजा अर्चना व आरती की जाएगी। श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि श्रद्धालु नवरात्रों में पूर्ण विधि विधान से मां भगवती की पूजा आराधना करें। नवरात्र आराधना करने के साथ देवी स्वरूपा कन्याओं के संरक्षण संवर्द्धन का संकल्प भी लें। इस अवसर पर निरंजनी अखाड़े के सचिव श्रीमहंत रामरतन गिरी, मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी सीमा गिरी, अनिल शर्मा, महेश दुबे, नमन शर्मा मौजूद रहे।

शांति भंग में दो गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

पथरी। पुलिस ने बीती रात ग्राम बोडाहेड़ी मे दो व्यक्ति आपस में लड़ झगड़ कर शांति व्यवस्था भंग करने का प्रयास कर रहे थे। दोनो को शांति व्यवस्था भंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पुलिस के अनुसार शहजाद 48 वर्ष पुत्र इब्राहिम व फैजान 18 वर्ष पुत्र शहजाद निवासी गण ग्राम बोडाहेड़ी मामलू बात को लेकर आपस मे झगड़ा कर गांव की शांति व्यवस्था खराब करने में लगे थे। सूचना पर पहुची पुलिस ने दोनों को समझाने का प्रयास किया लेकिन वह नही माने जिसके बाद पुलिस दोनों को गिरफ्तार कर थाने ले आई और दोनो का शांति व्यवस्था खराब करने में चालान किया गया। एसओ पथरी मनोज नोटियाल ने बताया दोनो का शांति भंग में चालान किया गया है।

पत्रकार प्रदीप गर्ग सहित 3 सदस्य चुनाव अधिकारियों ने कार्यभार संभाला

प्रेस क्लब चुनाव की घोषणा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रेस क्लब हरिद्वार के चुनाव की घोषणा हो गई है। प्रेस क्लब हरिद्वार में मुख्य चुनाव अधिकारी प्रदीप गर्ग सहित 3 तीन सदस्यीय चुनाव आयोग ने बृहस्पतिवार को विधिवत तौर पर कार्यभार ग्रहण कर लिया। इसके साथ ही प्रदेश के सबसे व्यवस्थित पंजीकृत प्रेस क्लब में चुनावी सरगर्मी बढ़ गई है। चुनाव कार्यालय में व्यवस्था संभालने के उपरांत मुख्य चुनाव अधिकारी प्रदीप गर्ग ने बताया कि उनके साथ सहायक चुनाव अधिकारी के तौर पर मनोज कुमार सोही और लव शर्मा चुनावी व्यवस्था संभालेंगे। चुनाव के लिए तीन सदस्य निगरानी समिति का गठन भी किया गया है। इसमें गुलशन नैयर, डा.प्रदीप जोशी और परमजीत सिंह राना शामिल हैं। इसी के साथ पहले प्रेस क्लब अध्यक्ष धर्मेंद्र चौधरी और महामंत्री दीपक मिश्रा द्वारा मुख्य चुनाव अधिकारी को मतदाता सूची सौंपी गयी जिसके बाद प्रेस क्लब की मतदाता सूची का प्रकाशन भी कर दिया गया है। जो प्रेस क्लब नोटिस बोर्ड में चस्पा कर दी गई है। ज्ञात रहे की प्रेस क्लब संविधान के अंतर्गत मार्च 31 तक अनिवार्य रूप से वार्षिक चुनाव कराने का प्रावधान है। इस वर्ष प्रेस क्लब में 120 अधिकृत सदस्य चुनावी प्रक्रिया में भाग लेंगे।

रास्ते से बाइक हटाने को लेकर पड़ोसियों में कहासुनी, महिला पर चाकू से हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र में रास्ते में खड़ी बाइक हटाने को लेकर पड़ोसियों के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि एक पक्ष ने महिला पर चाकू से हमला कर दिया। हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिन्हें उपचार के दौरान छह टांके लगाने पड़े हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सुहेल पुत्र शहजाद ने बताया कि सात मार्च की शाम उसकी मां ने पड़ोसी फईम से घर के रास्ते में खड़ी बाइक हटाने को कहा था। इसी बात पर फईम ने आपा खो दिया और गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि कुछ ही देर में वह घर के अंदर से चाकू लेकर बाहर आया और अपने परिजनों के साथ मिलकर हमला कर दिया।

बताया कि फईम की मां फिरदोस, खाला आरिस्ता, मामा साजिद और फैजान उर्फ काला भी मौके पर पहुंच गए। सभी ने मिलकर उसकी मां को पकड़ लिया, जिसके बाद फईम ने चाकू से वार कर दिया। हमले में मां के हाथ और सिर पर गंभीर चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे सुहेल के भाई साहिल और सुहेब के साथ भी मारपीट की गई, जिसमें साहिल को चेहरे और आंख पर चोटें आई हैं। घटना के दौरान शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुट गए, जिसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी आशुतोष राणा ने बताया कि मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया।

राजस्व वसूली में तेजी को मुख्य अभियंता शेखर चंद त्रिपाठी ने किया निरीक्षण

जगजीतपुर उपखण्ड क्षेत्र से 38 लाख की राजस्व वसूली, 60 के काटे कनेक्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ऊर्जा निगम द्वारा चलाए जा रहे राजस्व वसूली अभियान को नई गति देते हुए मुख्य अभियंता शेखर चंद त्रिपाठी के नेतृत्व में जगजीतपुर क्षेत्र में व्यापक स्तर पर सख्त कार्रवाई की गई। मुख्य अभियंता ने स्वयं टीम के साथ स्थलीय निरीक्षण कर अभियान की कमान संभाली और अधिकारियों को दो टूक निर्देश दिए कि वसूली में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के दौरान लंबे समय से बकाया बिल के चलते काटे गए कनेक्शनों की विशेष रूप से जांच की गई। मुख्य अभियंता ने मौके पर मौजूद उपभोक्ताओं से संवाद कर उन्हें समय पर बिल जमा करने के लिए प्रेरित किया और बिजली चोरी के खिलाफ सख्त चेतावनी भी दी। गुरुवार को चलाए गए इस विशेष अभियान में विभाग को बड़ी सफलता हाथ लगी। उपखंड जगजीतपुर क्षेत्र के किशनपुर, सराय, जगजीतपुर और इक्कड़ में करीब 38 लाख रुपये की वसूली की गई, जबकि 60 से अधिक बकायेदार उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटे गए। लंबे समय से लंबित मामलों में यह कार्रवाई प्रभावी साबित हुई है। मुख्य अभियंता शेखर चंद त्रिपाठी ने अभियान की प्रगति पर संतोष जताते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि बकायेदारों के खिलाफ नियमानुसार कठोर कार्रवाई जारी रखी जाए। साथ ही बिजली चोरी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए भी सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए। इस दौरान अधीक्षण अभियंता प्रदीप चौधरी, अधिशासी अभियंता ज्वालापुर रवि कुमार, एसडीओ जगजीतपुर रुपेश कुमार और जेई वरुण पंवार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

टैक्सी चालक की धमकियों से डरा बुजुर्ग, मोबाइल पर भेजे अभद्र संदेश

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। रानीपुर क्षेत्र में एक वरिष्ठ नागरिक को टैक्सी चालक के धमकी देने और अशोभनीय संदेश भेजने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

देहरादून निवासी रोहिताश सिंह चौधरी वर्तमान में सलेमपुर महदूद में रह रहे हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह अपनी कार को चारधाम यात्रा में लगाते हैं। स्थायी चालक के बाहर जाने पर उन्होंने ट्रैवल एजेंसी के माध्यम से जनवरी में अजयपाल सिंह को अस्थायी ड्राइवर के रूप में रखा था।

आरोप है कि चालक ने करीब 15-20 दिन तक वाहन अपने पास रखा, लेकिन बहुत कम काम किया और खर्च काटकर मामूली रकम ही लौटाई। इसके बाद जब उसे हटा दिया गया तो वह वेतन को लेकर विवाद करने लगा। पीड़ित का कहना है कि चालक ने व्हाट्सएप के माध्यम से कई बार कॉल और वॉइस मैसेज कर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया और धमकियां दीं। इससे वह मानसिक रूप से परेशान हो गए और खुद की सुरक्षा को लेकर भी चिंतित हैं। कोतवाली प्रभारी आशुतोष राणा ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

जट्टवाड़ा पुल क्षेत्र में धड़ल्ले से जारी अवैध बहुमंजिला निर्माण

पूर्व में सीलिंग और ध्वस्तीकरण के आदेश के बावजूद दोबारा बिना नक्शे के शुरू हुआ निर्माण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर के जट्टवाड़ा पुल क्षेत्र में नियमों को दरकिनार कर एक बहुमंजिला अवैध इमारत का निर्माण धड़ल्ले से जारी है। हैरानी की बात यह है कि इस भवन के खिलाफ पूर्व में हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) द्वारा सीलिंग की कार्रवाई की जा चुकी है और ध्वस्तीकरण के आदेश भी जारी किए गए थे। इसके बावजूद बिना स्वीकृत नक्शे और सुरक्षा मानकों के इस इमारत का निर्माण दोबारा तेजी से किया जा रहा है।

रोड बाईडिंग में खड़ी इस बहुमंजिला इमारत का निर्माण कार्य इन दिनों पूरे जोर-शोर से चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार दिन-रात मजदूरों की आवाजाही और निर्माण सामग्री की ढुलाई जारी है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग की ओर से अब तक कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि इस अवैध निर्माण पर समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई तो भविष्य में यह बड़ा हादसा भी बन सकता है। सड़क किनारे बनाई जा रही यह बहुमंजिला इमारत यातायात व्यवस्था और आसपास रहने वाले लोगों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा बन सकती है।

बताया जा रहा है कि एचआरडीए ने पहले इस भवन को अवैध घोषित करते हुए उसे सील किया था और ध्वस्तीकरण के आदेश भी जारी किए थे। ऐसे में अब दोबारा निर्माण कार्य शुरू होना विभागीय कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर रहा है। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ सख्ती के दावे करने वाला प्राधिकरण इस मामले में पूरी तरह मौन नजर आ रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि जब प्राधिकरण स्वयं ध्वस्तीकरण के आदेश दे चुका है तो फिर बिना स्वीकृत नक्शे के निर्माण कार्य कैसे चल रहा है और इसके पीछे किसका संरक्षण है। वहीं, इस संबंध में **एचआरडीए सचिव मनीष सिंह** ने कहा कि जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की भीमगोड़ा खड़खड़ी इकाई का किया गठन

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल की भीमगोड़ा खड़खड़ी व्यापार मंडल इकाई का गठन किया गया। नवगठित इकाई में अजय अरोड़ा चेयरमैन, रवि ठाकुर अध्यक्ष एवं रमेश कुमार कोषाध्यक्ष चुने गए हैं। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार कश्यप, जिलाध्यक्ष डा. विशाल गर्ग, शहर अध्यक्ष प्रवीण शर्मा, महामंत्री विमल सक्सेना और कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता ने नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया तथा शुभकामनाएं दीं। जिलाध्यक्ष डा. विशाल गर्ग ने कहा कि मजबूत संगठन ही व्यापारियों के हितों की रक्षा कर सकता है। उन्होंने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों से व्यापारी हितों के लिए संघर्ष करने का आह्वान करते हुए कहा कि ऑनलाइन खरीददारी के चलते व्यापार प्रभावित हो रहा है। जिसे लेकर जल्द ही केंद्र व राज्य सरकार को व्यापारियों की समस्याओं से अवगत कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि व्यापारी विभिन्न टैक्स की अदायगी कर अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान करता है। इसलिए सरकार को भी व्यापारी हितों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। प्रदेश उपाध्यक्ष शिवकुमार कश्यप ने कहा कि संगठन व्यापारियों के हितों की रक्षा के लिए संकल्पित है और जनपद में निरंतर संगठन का विस्तार किया जा रहा है। नवनियुक्त अध्यक्ष रवि ठाकुर ने संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा और सभी को साथ लेकर व्यापारी हितों के लिए कार्य करेंगे। इस अवसर पर मयंक मूर्ति भट्ट, विशाल मूर्ति भट्ट, आदेश मारवाड़ी, आशीष, ललित, सर्वेश्वर मूर्ति भट्ट, रवि खट्टर, राजेंद्र पांडे, ललित अग्रवाल, नरेंद्र, निशा गुप्ता, दया ठाकुर, मांगेराम, सुनील गुप्ता, मोहित अग्रवाल, मोनू कुमार, मुकेश कुमार ठाकुर, सतीश कश्यप, सुनील वर्मा, नितिन शर्मा, सागर मदान, अनिल भारद्वाज, योगेश भसीन, हरि राणा, मनोज कुमार, आशीष गिरि, रमेश कुमार, अनिल वर्मा, निर्मल चौहान, हरीश, सुमित सैनी, जितेंद्र कुमार, टिवंकल एवं मुकेश तोमर सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।
सैफ सलमानी
ब्यूरो चीफ
शाह टाइम्स हरिद्वार
कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार
मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

गैस सिलेंडर कालाबाजारी करने पर एजेंसी स्वामी को अब सीधे जेल

गैस एजेंसी की हर हलचल पर अब प्रशासन की नजर; एलपीजी सिलेंडर होमडिलिविरी सुनिश्चित कराने को जिले की प्रत्येक गैस एजेंसी पर अधिकारी तैनात; जब्त एलपीजी सिलेंडर का एजेंसीवार विवरण तलब; एजेंसी स्वामी की पहचान कर सीधे जेल भेजने के निर्देश, 25 हजार मैन्युअल गैस वितरण जो आनलाइन साफ्टवेयर में बैकलॉग दिख रहा है की एन्ट्री शाम तक साफ्टवेयर पर करें अपडेट या एक्शन को रहे तैयार: डीएम, 25 व 45 दिन की एडवांस बुकिंग की पृथक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के डीएसओ को निर्देश, जिला प्रशासन की क्यूआरटी के प्रवर्तन एक्शन से गैस की कालाबाजारी करने वालों में भय का माहौल ,जिले में गैस कालाबाजारी पर जिला प्रशासन का एक्शन 05 मुकदमें दर्ज; 03 को जेल, 150 घरेलू, 139 व्यवसायिक व 07 छोटे सिलेंडर जब्त, जिला प्रशासन की होमडिलिविरी व्यवस्था से गैस एजेंसियों पर जुटने वाली भीड़ से निजात के साथ ही कानून व्यवस्था नियंत्रण में ,जिले की 70 गैस एजेंसियों हेतु नामित क्यूआरटी टीम एजेंसियों की निरीक्षण एवं एलपीजी आपूर्ति, वितरण, स्टॉक प्रतिदिन निर्धारित प्रारूप पर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। जिलें में एलपीजी गैस की आपूर्ति, वितरण, बैकलॉग के सम्बन्ध में जिलाधिकारी सविन बसंल की अध्यक्षता में ऋषिपर्णा सभागार कलेक्ट्रेट में जिला प्रशासन की क्यूआरटी एवं सम्बन्धित जिला स्तरीय अधिकारी, गैस एजेंसियों के स्वामी एवं तेल कम्पनियों के पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिला प्रशासन ने गैस एजेसियों पर होमलिडिविरी व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के लिए एजेंसियों पर अधिकारी तैनात कर दिए गए है, जो एजेंसी पर होने वाली प्रत्येक गति. विधि पर नजर रखेंगे वस्तुस्थिति से अवगत कराएगें।

जिलाधिकारी ने बढते बैकलॉग का कारण जाना तो तेल कम्पनियों के अधिकारियों ने बताया कि 03 दिन जब बुंकिग सोफ्टवेयर में काईसिस आ गई थी तो मैन्युअल रजिस्टर में अंकन कर उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति की गई, जिसकी लगभग 25 से अधिक की एन्ट्री साफ्टवेयर पर अद्यतन होनी बाकी है तथा 11 मार्च से गैस बुकिंग व डिलिविरी के समय शहरी क्षेत्र में 25 दिन तथा ग्रामीण क्षेत्रों 45 दिन कर दिया गया है उससे पूर्व की जो एडवांस बुकिंग हो रखी हैं वह बैकलॉग में दर्शाई गयी है, जिससे बैकलॉग बढा हुआ दिख रहा हैं। जिस पर जिलाधिकारी ने जिला पूर्ति अधिकारी को निर्देश दिए कि तेल कम्पनियों से सम्पर्क करते हुए आज शाम तक मैन्युअल एन्ट्री को साफ्टवेयर पर एजेंसी के माध्यम से एन्ट्री कराएं तथा जिन उपभोक्ताओं की एडवांस बुकिंग 25 एवं 45 दिन का बैकलॉग दिख रहा है उनकी संख्या अलग-2 दर्शाते हुए शाम तक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। निर्देशों का अनुपालन न करने पर सम्बधित गैस एजेसीं तेल कम्पनियों पर कार्यवाही के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी ने पुलिस अधीक्षक नगर को निर्देश दिए कि छापेमारी में जो अवैध रूप सिलेंडर पकड़े जा रहे हैं उनको ट्रेस किया जाए कि वह किस गैस एजेंसी के है, सम्बन्धित गैस एजेंसी की पहचान करते हुए एजेंसी स्वामी को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कर जेल भेजे। जिलाधिकारी ने जिले की गैस एजेंस. ीवार नामित क्यूआरटी में शामिल 30 अधिकारियों को निर्देश दिए कि गैस एजेंसी पर स्टॉक, बैकलॉग, वितरण आदि रजिस्टर का अवलोकन कर प्रतिदिन की सम्पूर्ण आख्या प्रेषित करें।

साथ ही निर्देशित किया यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि किसी भी गैस एजेंसी व गोदाम से सिलेंडर न दिया जाए तथा उपभोक्ताओं को सिलेंडर होमडिलिवरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर ही दिया जाए तथा एजेंसियों पर उपभोक्ता जागरूकता फ्लैक्सी, बुकिंग नम्बर, उपभोक्ताओं के लिए बड़े-बडे अक्षरों में जानकारी चस्पा रहे।जिला प्रशासन की होमडिलिविरी व्यवस्था से एजेंसियों पर जुटने वाली भीड़ से हो रही अव्यवस्था से निजात मिला है वहीं कानून व्यवस्था भी नियंत्रण में है। जिला प्रशासन की क्यूआरटी के औचक निरीक्षणों एवं एलपीजी कालाबाजारी करने वालों पर दर्ज हुए मुकदमों एवं एजेंसियों की नाफरमानी पर की गई प्रवर्तन की कार्यवाही से गैस की कालाबाजारी करने वालों में भी भय का माहौल है। उपभोक्ताओं को होमडिलिविरी के माध्यम से ओटीपी आधार पर गैस उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला प्रशासन द्वारा गैस की कालाबाजारी पर 05 मुकदमें दर्ज किए गए हैं तथा 03 को जेल भेजा, 150 घरेलू, 139 व्यवसायिक तथा 07 छोटे सिलेंडर जब्त किए हैं।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के.के मिश्रा, पुलिस अधीक्षक नगर प्रमोद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रत्युष सिंह, नगर आयुक्त नगर निगम ऋषिकेश गोपालराम बिनवाल, उप जिलाधिकारी हरिगिरि, उप जिलाधिकारी अपर्णा ढौंडियाल, उप जिलाधिकारी अपूर्वा सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी के.के अग्रवाल, निदेशक ग्राम्य विकास अभिकरण विक्रम सिंह, जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार एवं क्यूआरटी के सभी अधिकारी सहित तेल कम्पनियों एवं गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे तथा उप जिलाधिकारी ऋषिकेश योगेश मेहर, उप जिलाधिकारी विक. ासनगर विनोद कुमार सहित क्यूआरटी में शामिल अन्य अधिकारी एवं तेल कम्पनियों के प्रतिनिधि ऑनलाईन माध्यम से जुडे़ रहे।

जौनसार बावर में बदला मौसम, हल्की बारिश से बढ़ी ठंड, किसान चिंतित

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। जौनसार बावर क्षेत्र में बीते कई दिनों से शुष्क बने मौसम के बाद गुरुवार को मौसम ने अचानक करवट ली। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और बीच-बीच में तेज हवाएं चलती रहीं, जिससे क्षेत्र में एक बार फिर कड़ाके की ठंड का एहसास होने लगा।

दोपहर के समय हुई हल्की बारिश ने ठंडक को और बढ़ा दिया। मौसम में आए इस बदलाव का असर आम जनजीवन पर भी देखने को मिला। तापमान में गिरावट के चलते लोगों ने एक बार फिर गर्म कपड़ों का सहारा लेना शुरू कर दिया है। हालांकि, इस हल्की बारिश से किसानों को अपेक्षित राहत नहीं मिल सकी। क्षेत्र में अच्छी और झमाझम बारिश की उम्मीद थी, लेकिन कम वर्षा होने के कारण फसलों पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता नहीं दिख रहा है। इससे किसानों के चेहरे पर मायूसी साफ झलक रही है।

स्थानीय किसान दलीप सिंह रावत,शूरवीर सिंह,राजेंद्र सिंह चौहान,देवेंद्र सिंह,रवींद्र सिंह सहित अन्य किसानों का कहना है की क्षेत्र में ठंड दोबारा लौट आई है। इसके बावजूद अब तक पर्याप्त वर्षा नहीं होने से फसलों को जरूरी नमी नहीं मिल पा रही है।

किसानों के अनुसार, गुरुवार को उन्हें अच्छी बारिश की उम्मीद थी, लेकिन हल्की फुहारों से उनकी उम्मीदें अधूरी रह गईं। उनका कहना है कि यदि जल्द ही अच्छी वर्षा नहीं होती है, तो इसका सीधा असर कृषि उत्पादन पर पड़ सकता है। कुल मिलाकर, मौसम के इस बदले मिजाज ने एक ओर जहां ठंड बढ़ा दी है, वहीं किसानों की चिंताओं को भी गहरा कर दिया है। अब सभी की नजरें आने वाले दिनों में अच्छी बारिश की उम्मीद पर टिकी हुई हैं।

एनएसएस साप्ताहिक कार्यक्रम का शुभारंभ, प्रथम दिवस पर प्रेरक संबोधन

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। पंडित शिवराम राजकीय महाविद्यालय, त्यूनी में "राष्ट्रीय सेवा योजना" (एनएसएस) के साप्ताहिक कार्यक्रम का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिवस पर अतिथि के रूप में पहुंचे रंगकर्मी डॉ नंदलाल भारती ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए महाविद्यालय परिवार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्राचार्य, समस्त आचार्यगण, विद्यार्थी, शोधार्थी एवं समस्त स्टाफ के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय परिवार द्वारा समर्पित भाव से किए गए आयोजन की सराहना करते हुए अपने प्रेरक संबोधन में बावर क्षेत्र की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक समृद्धि पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र प्राचीन धार्मिक स्थलों और महान प्रतिभाओं की धरोहर रहा है, जो इसे गौरवान्वित बनाती है। उन्होंने शैडकुड़िया महाराज मंदिर (रायगी), सिद्धपीठ महासू महाराज मंदिर हनोल, हटेश्वरी माता मंदिर (हाटकोटी) सहित क्षेत्र के अन्य प्रमुख धार्मिक स्थलों को आस्था एवं प्रेरणा का केंद्र बताया।डॉ नंदलाल भारती ने क्षेत्र से जुड़े अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा प्राप्त कर युवाओं को अपने गांव, समाज और देश का नाम रोशन करना चाहिए।

साथ ही स्थानीय संस्कृति, बोली-भाषा और परंपराओं को संरक्षित रखते हुए आगे बढ़ाना आवश्यक है। उन्होंने युवाओं से नशामुक्ति, स्वच्छता और शांति का वातावरण बनाने की अपील करते हुए स्वरोजगार, लघु उद्योग, बागवानी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में अवसर तलाशने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिकता के साथ-साथ अपनी लोक संस्कृति और विरासत को सहेजना ही वास्तविक प्रगति है। अंत में उन्होंने सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए महाविद्यालय परिवार को सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

पुरोला विधानसभा विकास के खोखले दावे, लिवाड़ी गांव का पुल खोल रहा पोल

चार वर्षों से अधर में लटका पुल , जान जोखिम में डालकर चलने को मजबुर ग्रामीण कार्यदाई संस्था ब्रिडकूल के लिए पुरोला विधानसभा स्वर्ग

शाह टाइम्स संवाददाता

पुरोला: जनपद के पुरोला विधानसभा क्षेत्र में विकास के बड़े-बड़े दावे बौने साबित हो रहे हैं। मोरी विकासखंड के लिवाड़ी गांव को जोड़ने वाला पुल पिछले चार वर्षों से अधर में लटका हुआ है, जिससे ग्रामीणों को अपनी जान जोखिम में डालकर आवाजाही करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।ग्रामीणों का कहना है कि इस पुल का निर्माण कार्य करीब चार वर्ष पूर्व कार्यदायी संस्था ब्रिडकूल द्वारा शुरू किया गया था। शुरुआत में उम्मीद जगी थी कि अब गांव की तस्वीर बदलेगी और सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी, लेकिन समय बीतता गया और निर्माण कार्य कागजों से आगे नहीं बढ़ पाया। आज हालात यह हैं कि पुल अधूरा पड़ा है और ग्रामीण उफनती धाराओं व खतरनाक रास्तों के सहारे रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने को मजबूर हैं। लिवाड़ी गांव निवासी जनक सिंह रावत ने बताया कि इस गंभीर समस्या को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत कराया गया है। यहां तक कि जिलाधिकारी उत्तरकाशी को भी शिकायत भेजी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। उनका कहना है कि हर चुनाव में नेता विकास के सपने दिखाते हैं, लेकिन हकीकत में गांव आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहा है।सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब एक छोटा सा पुल चार वर्षों में पूरा नहीं हो पा रहा, तो सरकार और जनप्रतिनिधि किस मुंह से विकास के दावे करते हैं? क्या ग्रामीणों की जान की कोई कीमत नहीं है? बारिश के मौसम में हालात और भी भयावह हो जाते हैं, जब यह रास्ता जानलेवा साबित हो सकता है। स्थानीय लोगों में भारी रोष है और वे अब इस मुद्दे को बड़े स्तर पर उठाने की तैयारी कर रहे हैं। उनका साफ कहना है कि यदि जल्द ही पुल निर्माण कार्य पूरा नहीं किया गया, तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाने को मजबूर होंगे। यह मामला न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है।

बल्कि उन नेताओं के दावों पर भी बड़ा सवाल खड़ा करता है, जो मंचों से विकास की बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई से आंखें मूंदे बैठे हैं।

बता दें कि स्थानीय नेता और ग्रामीण खुले आम बोल रहे हैं कि कार्यदाई संस्था ब्रिडकूल के अधिकारियों के लिए पुरोला विधानसभा स्वर्ग है । अधिकारी यहां खुले आम नियमों की उड़ा रहे हैं। अभी दो दिन पूर्व भी मोरी में बजरी के स्थान पर मिट्टी का प्रयोग किया गया था । सरकार ने समाचारों का संज्ञान लिया और ब्रिडकूल के प्रोजेक्ट मैनेजर को निलंबित किया था।

एक नजर ....

श्रृंगार व पूजा-अर्चना के साथ मां डाट काली मंदिर में नवरात्र का शुभारंभ

देहरादून। चौत्र नवरात्रि विक्रम संवत् 2083 की प्रतिपदा पर गुरूवार को माँ डाट काली मनोकामना सिद्धपीठ पर भक्तों का ताँता लगा रहा। प्रात: 7 बजे से माता रानी का भव्य श्रृंगार प्रारंभ हुआ, पूरे मंदिर प्रांगण को भव्य फूलो से सजाया गया। उसके बाद महंत रमन प्रसाद गोस्वामी के ज्येष्ठ पुत्र शुभम गोस्वामी , कनिष्ठ पुत्र संयम गोस्वामी ने मंदिर प्रांगण में सभी भक्तों के लिए माँ डाट वाली से पूजा अर्चना के द्वारा भक्तों की मंगलकामना की प्रार्थना की। पूजा अर्चना पंडित अनूप ममगाई, पंडित शैलेंद्र थपलियाल, पंडित प्रवीण जुयाल ने कराई। माँ डाट काली के सेवादार गौरव कुमार ने बताया की माता रानी के नवरात्रो के नौ दिन माता रानी की विशेष पूजन किया जाएगा एंव प्रतिदिन माता की चौकी एंव प्रसाद वितरित किया जाएगा। नवमी को हवन पूजन के बाद नवरात्रो का परायण होगा। इस अवसर पर सेवा दल के दिनेश अग्रवाल(टीटू भाई), नरसिंह दास, गौरव कुमार, हरीश मारवाह, श्रवण वर्मा, वासु परविंदा, गौतम प्रजापति, विक्की खत्री, नीरज गोस्वामी, लक्ष्य बजाज व श्लोक गोस्वामी आदि उपस्थित रहे।

शिविर में आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण नशामुक्ति रैली आयोजित

चकराता। श्री गुलाब सिंह राजकीय महाविद्यालय, चकराता की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) टीम द्वारा स्वयंसेवियों को आपदा प्रबंधन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया।

टीम लीडर सब-इंस्पेक्टर राजकुमार के नेतृत्व में आपदा के समय त्वरित कार्रवाई, प्राथमिक उपचार, खोज एवं बचाव तथा राहत कार्यों की जानकारी दी गई। उन्होंने स्वयंसेवियों से आपदा के प्रति जागरूक रहने और दूसरों को भी जागरूक करने का आह्वान किया। इस दौरान पुरोड़ी (न्यू चकराता) क्षेत्र में नशामुक्ति जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें स्वयंसेवियों ने ग्रामीणों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया।कार्यक्रम एनएसएस अधिकारी डॉ. पवन कुदवान के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस अवसर पर डॉ. सुदिप्ता कण्डारी, मनोज जोशी, अर्जुन रावत, विनोद जोशी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

जनता का भरोसा: मजबूती से हो रहा यूकेडी के पक्ष में

विकासनगर। डाकपत्थर रोड, विकासनगर स्थित उत्तराखंड क्रांति दल के कैंप कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ नेता शैलेन्द्र गुलेरी ने की, जबकि संचालन केंद्रीय संगठन मंत्री मनोज कंडवाल द्वारा किया गया।बैठक के दौरान संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सौरभ उनियाल को ब्लॉक अध्यक्ष तथा श्री अरविन्द तोमर को नगर कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गई। इस अवसर पर सभी उपस्थित पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में शैलेन्द्र गुलेरी ने कहा कि वर्तमान परिदृश्य में उत्तराखंड क्रांति दल के प्रति जनसमर्थन निरंतर बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि दल प्रदेश की अस्मिता, स्वाभिमान और जनहित से जुड़े मूल मुद्दों को लेकर सदैव प्रतिबद्ध रहा है और आज पुन: जनता का भरोसा मजबूती से दल के पक्ष में स्थापित हो रहा है।

पछवादून में आरएसएस ने किया हिन्दू नववर्ष प्रतिपदा उत्सव का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विकासनगर की पांच इकाइयों (विकासनगर, कालसी, धर्मावाला, हरबर्टपुर) के द्वारा हिन्दू नववर्ष प्रतिपदा उत्सव के भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया।इस अवसर पर संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार को 'आद्य सरसंघचालक प्रणाम' अर्पित किया। उसके पश्चात नगर में स्वयंसेवकों द्वारा पथ संचलन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सह प्रान्त शारीरिक प्रमुख आशीष ओबरॉय ने कहा-चौत्र शुक्ल प्रतिपदा से नए संवत्सर की शुरुआत होती है, जिसे हिंदू नववर्ष कहा जाता है. यह दिन अत्यंत पवित्र माना जाता है और इस दिन से ही चौत्र नवरात्रि का भी आरंभ होता है। हिंदू धर्म में इस समय को अत्यंत शुभ और सृजनशीलता से परिपूर्ण माना जाता है, पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, भगवान ब्रह्मा ने सृष्टि की रचना चौत्र शुक्ल प्रतिपदा के दिन ही की थी। भगवान राम का राज्याभिषेक भी चौत्र शुक्ल प्रतिपदा को हुआ था। ओबरॉय ने कहा महाभारत के अनुसार, इसी दिन युधिष्ठिर का राजतिलक भी हुआ था। माता दुर्गा ने राक्षसों का संहार करने के लिए इसी दिन नौ दिनों तक युद्ध किया था, जिससे नवरात्रि की शुरुआत हुई।

चौत्र नवरात्रि के दौरान देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है, जिससे भक्तों को आत्मबल, शक्ति और शुद्धता प्राप्त होती है. यह समय आध्यात्मिक साधना और आत्मनिरीक्षण के लिए भी सर्वोत्तम माना जाता है। इसलिए यह दिन हिन्दू समाज के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ केशव बलिराम हेडगेवार का जन्म भी इसी शुभ तिथि को हुआ था। इस अवसर पर कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. विजय पुरोहित, डॉ. विजय जैन जिला संघचालक, देवराज नगर संघ चालक, पुष्पराज सह विभाग प्रचारक, सौरभ सहविभाग कार्यवाह, रविन्द्र, जिला विद्यार्थी प्रचारक अंकुश, संदीप महावर, गोपाल, विक्रम, हंसराज, आशीष, मनोज, अक्षय, संजू राणा, सुनील, डॉ. वैभव प्रताप, दिनेश, विष्णु नौटियाल, शिव प्रसाद पुरोहित, अटल तथा अन्य स्वयंसेवक मौजूद रहे।

पैनखंडा में बसंत नवरात्र का आगाज भजन-कीर्तन से गूंजा मां गढ़ी भवानी का दरबार

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली: जोशीमठ विकासखंड के पैनखंडा स्थित सिद्धपीठ मां गढ़ी भवानी मंदिर में बसंत नवरात्रि के पहले दिन भक्तिभाव का अद्‌भुत माहौल देखने को मिला। क्षेत्र के विभिन्न गांवों से पहुंची महिलाओं ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पीपलकोटी की धनेश्वरी कीर्तन मंडली की महिलाओंख्रसंगीता देवी, सुनीता देवी, भावना, रूचि और राधा देवी सहित अन्य श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में भजन-कीर्तन प्रस्तुत कर माहौल को पूरी तरह भक्तिमय बना दिया। भजनों की मधुर धुनों पर उपस्थित श्रद्धालु भी भाव-विभोर होकर मां की भक्ति में लीन नजर आए।

मंदिर को आकर्षक रूप से फूलों और झालरों से सजाया गया था, जिससे पूरे परिसर में उत्सव जैसा वातावरण बना रहा। दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही और सभी ने मां भगवती के दर्शन कर सुख-समृद्धि की कामना की।

बसंत नवरात्रि के शुभारंभ के साथ ही क्षेत्र में धार्मिक आस्था और उत्साह का संचार देखने को मिल रहा है। आने वाले दिनों में भी मंदिर में विभिन्न धार्मिक आयोजन जारी रहेंगे।

पूर्व काबीना मंत्री ने नशे से होने वाले नुकसान की दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। स्मैक और ड्रग्स के खिलाफ महाआंदोलन में पूर्व कैबिनेट मंत्री नव प्रभात के नेतृत्व में विकासनगर मुख्य बाजार में स्मैक और ड्रग्स के खिलाफ जन जागरण अभियान चलाकर लोगों को जागरूक किया गया और लोगों से अपील की गई कि जहां-जहां यह बिक रहा है उनके खिलाफ आवाज उठाएं।उन्होंने नशे से होने वाले नुकसान के बारे में बताया। नव प्रभात ने कहा कि हमारे क्षेत्र में नशे ने जड़े जमा ली हैं जिसके लिए आम आदमी को जागरूक होना जरूरी है साथ उन्होंने कहा कि नशा बेचने वाला व्यक्ति कभी समाज के बारे में नहीं सोचता। कहा हमारे युवा पीढ़ी को सोचना चाहिए कि नशे के सौदागर हमारे युवा शक्ति को बर्बाद कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ उनकी मुहिम लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा शासन प्रशासन शीघ्र ध्यान दें। कहा अब यह मुहिम जब तक चलेगी जब तक नशे को उखाड़ नहीं फेंकेगे।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष संजय किशोर, कांग्रेस के प्रदेश सचिव विकास शर्मा, प्रेम प्रकाश अग्रवाल पीसीसी सदस्य संजय जैन, ब्लॉक अध्यक्ष अभिनव ठाकुर, हरबर्टपुर अध्यक्ष आशीष पुंडीर, पूर्व सभासद शम्मी प्रकाश, बलजीत सिंह, जावेद खान, मुनीर अहमद, नगर पालिका के उपाध्यक्ष अनुपम कपिल, जिला पंचायत सदस्य अजमेर राठौर, जितेंद्र रावत, फुरकान अहमद, नीरज रोहिल्ला, अभिषेक चौहान, सदाकत अली जेदी, साजिद अहमद, राजीव शर्मा, सभासद भारत कालरा, तनवीर आलम, मनजीत चावला बबला आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

चैत्र नवरात्र पर मन्दिरों में उमड़ी श्रद्धलुओं की भीड़

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। चौत्र नवरात्रि के प्रथम दिन जिले भर में भक्ति और आस्था का माहौल देखने को मिला। सुबह तड़के से ही श्रद्धालुओं ने मंदिरों का रुख किया और पूजा-अर्चना कर मां दुर्गा का आशीर्वाद लिया। विशेष रूप से जिले के प्रमुख सिद्धपीठों और मंदिरों में दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी रही।

गुरूवार को खराब मौसम और ठंड के बावजूद ऊंचाई पर स्थित सिद्धपीठ मां सुरकंडा देवी, मां कुंजापुरी देवी और मां चंद्रबदनी देवी मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। दूरदराज के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में भक्त यहां पहुंचे। कई श्रद्धालु तड़के ही पैदल यात्रा कर सिद्धपीठों तक पहुंचे और पूरे विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। नवरात्रि के शुभारंभ पर ग्रामीण अपने घरों से जौ (हरियाली) लेकर मंदिर पहुंचे, जिसे पारंपरिक रूप से बोया जाता है। इस दौरान श्रद्धालुओं ने परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए मन्नतें मांगीं। मंदिर परिसरों में सुबह से ही धार्मिक माहौल और चहल-पहल बनी रही। विभिन्न मंदिरों में सुबह से ही यज्ञ-हवन और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। वहीं, देवप्रयाग संगम पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिली, जहां लोगों ने गंगा में पवित्र स्नान कर नवरात्रि की शुरुआत की। स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने पूजा-पाठ कर पुण्य लाभ अर्जित किया। श्रद्धालुओं की खासी भीड़ रही। कई स्थानों पर नवरात्रि के अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान, जागरण कार्यक्रम भी शुरू हो गए है।

भाईचारा बढ़ाने के लिए रोजा इफ्तार का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आपसी सौहार्द्र और भाईचारें के लिए उत्तराखंड इंसानियत मंच की ओर से आयोजित रोज इफ्तार पार्टी में समाज के विभिन्न वर्गों से जुड़े लोगों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर राज्य में बढ़ती साम्प्रदायिक घटनाओं पर चिन्ता जताई गई और उम्मीद जताई गई कि राज्य सरकार ऐसे तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।परेड ग्राउंड के पास समा. जवादी पार्टी के कार्यालय में आयोजित रोज इफ्तार की दावत से पहले साम्प्रदायिक सौहार्द्र को लेकर एक गोष्ठी भी आयोजित की गई। इस गोष्ठी में महिला मंच की कमला पंत ने कहा कि हमें लगातार ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन करना चाहिए, जिससे समाज में संदेश जाए कि उत्तराखंड वास्तव में वैसा नहीं है, जैसा उसे दिखाया जा रहा है। प्रसिद्ध पर्यावरणविद् डॉ. रवि चोपड़ा ने कहा कि मुस्लिम, सिख और ईसाई समुदाय के लोगों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में उत्तराखंड इंसानियत मंच से जुड़ना चाहिए, ताकि मिलजुल कर साम्प्रदायिक के खिलाफ लड़ाई लड़ी जा सके।राज्य आंदोलनकारी और यूकेडी नेता लताफत हुसैन ने कहा कि उत्तराखंड में कभी ऐसा माहौल पहले कभी रहा रहा।

उन्होंने कहा कि यह समाज के लिए खतरनाक है। एडवोकेट रजिया बेग ने कहा ने कहा कि जो कुछ फिलहाल उत्तराखंड में हो रहा है, वह बेहद खतरनाक है। राज्य सरकार को इस तरफ ध्यान देना होगा। हरिओम पाली ने कहा कि हमें एक-दूसरे के धर्म और परम्पराओं के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी लेनी चाहिए, ताकि यदि कोई दूसरे धर्म के बारे में गलत बयान दे रहा हो तो उसे सुधारा जा सके। समाजवादी पार्टी के डॉ. एसएन सचान ने भी सभी धर्मों का आदर करने पर जोर दिया।

रोजा इफ्तार पार्टी में धार्मिक संगठनों से जुड़े लोगों के साथ ही वकील, पत्रकार, राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। इनमें मुख्य रूप से तौकीर हुसैन, शहजाद पहाड़ी, मो. असद, शहरयार खान, मंजूर बेग, एसएमए काजमी, फैजल, एजाज अहमद, शाइना, आशिमा, शमीना मलिक, हिना आजमी, शाह नजर, रूहिना इशावर, दानिश, पार्षद इलियाज अहमद, काफीम अली, इंद्रेश मैखुरी, सतीश धौलाखंडी आदि मौजूद थे। उत्तराखंड इंसानियत मंच की ओर से प्रो. राघवेन्द्र, विमला कोली, नन्द नन्दन पांडेय, त्रिलोचन भट्ट, वीके डोभाल, निर्मला बिष्ट, जो चोपड़ा आदि इस मौके पर मौजूद थे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे हाईस्कूल के सर्टिफिकेट में मेरा नाम प्रकाश चन्द्र पुत्र श्री नन्दराम अंकित है जबकि मेरे आधार कार्ड, पेन कार्ड में मेरा नाम प्रकाश चन्द्र पुरो. हित S/O श्री नन्दराम पुरोहित दर्ज है, मेरा सरनेम पुरोहित है, अब सभी दस्तावेजों में मेरा नाम में प्रकाश चन्द्र पुरोहित S/O श्री नन्द राम पुरोहित से जाना एवं पहचाना जाए।

प्रकाश चंद्र पुरोहित पुत्र श्री नंदराम पुरोहित निवासी तुनवाला पोस्ट ऑफिस रांझावाला देहरादून उत्तराखंड

रक्षा मंत्री के लिए सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त

राजनाथ सिंह कल हल्द्वानी में, रूट डायवर्जन के साथ पुलिस-प्रशासन ने कसी कमर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 21 मार्च को प्रस्तावित दौरे को लेकर पुलिस प्रशासन ने शहर में व्यापक यातायात एवं डायवर्सन प्लान लागू किया है। यह व्यवस्था सुबह 10 बजे से कार्यक्रम समाप्ति तक प्रभावी रहेगी, जबकि सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक शहर में भारी वाहनों के प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। जारी प्लान के अनुसार सुबह 7 बजे से रात 9 बजे तक पूरे हल्द्वानी शहर में सभी प्रकार के भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। खनन गेट भी बंद रहेंगे और आवश्यक सेवाओं से जुड़े वाहन भी बाईपास मार्गों का प्रयोग करेंगे। रोडवेज और निजी बसों के लिए अलग व्यवस्था की गई है। पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाली बसों को नारीमन तिराहा से डायवर्ट कर गोलापार-तीनपानी होते हुए रोडवेज स्टेशन लाया जाएगा। वहीं सिडकुल और अन्य निजी बसों को निर्धारित स्थानों तक ही अनुमति दी जाएगी, जहां से उन्हें वापस किया जाएगा। छोटे वाहनों के लिए भी व्यापक

डायवर्जन प्लान लागू रहेगा। बरेली, रामपुर और कालाढूंगी रोड से आने वाले वाहनों को तीनपानी, गौलापार और अन्य वैकल्पिक मार्गों से डायवर्ट किया जाएगा। नैनीताल रोड से आने वाले वाहनों को भी नारीमन तिराहा से होकर भेजा जाएगा। वीवीआईपी कार्यक्रम के दौरान नैनीताल बैंक तिराहा से सौरभ होटल तिराहा तक का क्षेत्र पूर्ण रूप से 'जीरो जोन' रहेगा, जहां किसी भी वाहन का प्रवेश नहीं होगा। इसके अलावा शहर के कई प्रमुख कट और तिराहों से भी वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। रैली में शामिल होने वाली बसों के लिए अलग-अलग रूट और पार्किंग स्थल निर्धारित किए गए हैं। बरेली रोड, रामपुर रोड, काशीपुर और पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाली बसों को निर्धारित स्थानों पर यात्रियों को उतारकर तय पार्किंग स्थलों में खड़ा किया जाएगा। पार्किंग फुल होने की स्थिति में वैकल्पिक स्थल भी चिन्हित किए गए हैं।

हैलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक निरीक्षण

हल्द्वानी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दिनांक 21 मार्च को जनपद नैनीताल के हल्द्वानी में आयोजित कार्यक्रम की विभिन्न तैयारियां को लेकर मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार पाण्डे ने हल्द्वानी स्थित सहकारी बैंक सभागार में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराए जाने के लिए की जा रही विभिन्न तैयारियों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं का भी निरीक्षण किया। अधिकारियों के साथ बैठक लेते हुए मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार के 4 साल पूर्ण होने के अवसर पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है इसे सफलतापूर्वक संपन्न करना हम सभी की जिम्मेदारी है जिन अधिकारियों को जो भी जिम्मेदारी दी गई है वह समय से बिना किसी त्रुटि के सफलतापूर्वक संपन्न कराएं। इस दौरान सीडीओ ने कार्यक्रम स्थल एमबी इन्टर कालेज मैदान में मंच निर्माण सहित अन्य सभी तैयारियों का भी निरीक्षण कर मौके पर उपस्थित लोनिवि के अधिकारियों को मंच, पंडाल निर्माण सहित सभी तैयारिया समय से पूर्ण करने के निर्देश दिये। इस दौरान जिला विकास अधिकारी गोपाल गिरी,एपीडी चंद्रा र्त्याल सहित अन्य विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री धामी आज शहर में

जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल ने अवगत कराया गया है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कल यानि आज शुक्रवार को एक दिवसीय नैनीताल भ्रमण पर आ रहे हैं। उन्होंने बताया मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कल यानि आज शुक्रवार को देवीधुरा चंपावत से प्रस्थान कर अपराह्न सवा 3 बजे गौलापार हेलीपैड हल्द्वानी पहुंचेंगे और वहां से प्रस्थान कर काठगोदाम सर्किट हाउस में साढ़े 3 बजे से रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा बैठक कर स्थलीय निरीक्षण करेंगे।

भवाली-भीमताल रूट पर भी सख्ती, कंटीजेंसी प्लान लागू

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के दौरे को देखते हुए भवाली, भीमताल और कैंची धाम क्षेत्र के लिए भी विशेष कंटीजेंसी ट्रैफिक प्लान लागू किया गया है। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान हल्द्वानी से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले सभी छोटे और बड़े वाहनों को भीमताल मोड़ से ज्योलीकोट-भवाली बाईपास के रास्ते भेजा जाएगा। पर्वतीय क्षेत्रों से हल्द्वानी आने वाले वाहनों को भी इसी वैकल्पिक मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। पिथौरागढ़ और चम्पावत की ओर से आने वाले वाहनों को वीवीआईपी मूवमेंट से 15 मिनट पहले खुटानी बैंड के पास रोक दिया जाएगा। घोड़ाखाल से हल्द्वानी की ओर वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान भवाली-भीमताल मार्ग को जीरो जोन घोषित किया जाएगा और इस दौरान सभी प्रकार के वाहनों का आवागमन पूर्ण रूप से प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस के अनुसार वीवीआईपी के गंतव्य तक पहुंचने के बाद ही यातायात को सामान्य किया जाएगा। वहीं अधिकारियों और आमजन के वाहनों के लिए घोड़ाखाल क्षेत्र में अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

सुरक्षा घेरा होगा त्रि-स्तरीय

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के 21 मार्च को प्रस्तावित दौरे को लेकर पुलिस और प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। एसएसपी डा. मंजूनाथ टीसी ने कैंप कार्यालय में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने वीवीआईपी दौरे के दौरान 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने का स्पष्ट निर्देश दिया और कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसएसपी ने बताया कि कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड पर त्रि-स्तरीय सुरक्षा घेरा बनाया जाएगा, जिसमें एक्सेस कंट्रोल के साथ सघन चेकिंग की जाएगी। बम निरोधक दस्ता और डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर से भी जांच की जाएगी। वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान संबंधित क्षेत्रों को 'जीरो जोन' घोषित किया जाएगा। इसके अलावा, एसएसपी ने एलआईयू और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल को भी अलर्ट रहने के निर्देश दिए हैं। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए क्विक रिस्पांस टीम तैनात रहेगी। उन्होंने

स्वयं कार्यक्रम स्थल, रूट और पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में एसपी क्राइम डा. जगदीश चंद्र, एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल, एसपी संचार रेवाधर मठपाल, सीओ सिटी अमित कुमार, सीओ रामनगर सुमित पांडे, सीओ नैनीताल रविकांत सेमवाल, प्रतिसार निरीक्षक हरकेश सिंह, निरीक्षक एलआइयू ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा, कोतवाल हल्द्वानी विजय सिंह मेहता, टीआई शिवराज सिंह, थानाध्यक्ष काठगोदाम विमल कुमार मिश्रा, थानाध्यक्ष मुखानी सुशील जोशी सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे राजनाथ सिंह

हल्द्वानी। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के 21 मार्च को एक दिवसीय हल्द्वानी दौरे को लेकर गुरूवार को जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने जानकारी देते हुए बताया कि रक्षामंत्री राजनाथ सिंह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शनिवार की सुबह सवा 11 बजे त्रिशूल एयर फोर्स स्टेशन बरेली से प्रस्थान कर घोड़ाखाल हेलीपैड नैनीताल पहुंचेंगे। यहां वे सैनिक स्कूल घोड़ाखाल में हीरक जयंती समारोह में भाग लेंगे। इसके बाद रक्षामंत्री दोपहर 1 बजकर 10 मिनट पर घोड़ाखाल से रवाना होकर डेढ़ बजे हल्द्वानी स्थित आर्मी हेलीपैड पहुंचेंगे। वहां से वे एमबी इंटर कॉलेज मैदान में उत्तराखंड सरकार के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर आयोजित जनसभा में शामिल होंगे। कार्यक्रम के समापन के बाद रक्षामंत्री राजनाथ सिंह हल्द्वानी से 3 बजकर 25 मिनट पर वापस त्रिशूल एयर फोर्स स्टेशन के लिए प्रस्थान करेंगे।

रोज़ा इफ्तार में झलकी गंगा-जमुनी तहज़ीब

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। एवान-ए-जहूर मैरिज हॉल चोरगलिया रोड में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व दर्जा राज्यमंत्री सुहैल अहमद सिद्दीकी द्वारा आयोजित रोज़ा इफ्तार कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द, भाईचारे एवं एकता का सशक्त संदेश दिया गया। कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य एवं हल्द्वानी विधायक सुमित हृदयेश विशेष रूप से उपस्थित रहे। दोनों नेताओं ने रोज़ेदार साथियों के साथ इफ्तार कर आपसी सद्भाव, एकता एवं भाईचारे का संदेश साझा किया।

इस अवसर पर यशपाल आर्य ने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और आपसी भाईचारे को सशक्त बनाते हैं। वर्तमान समय में एकता और सद्भाव की भावना को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है। वहीं विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि रमज़ान का पावन महीना हमें संयम, सेवा और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। रोज़ा इफ्तार जैसे आयोजन समाज में प्रेम, सौहार्द और पारस्परिक सम्मान को सुदृढ़ करते हैं। हल्द्वानी की गंगा-जमुनी तहज़ीब हमारी पहचान है, जिसे हमें मिलकर बनाए रखना है। कार्यक्रम में नैनीताल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राहुल छिमवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष सतीश नैनवाल, पूर्व महानगर अध्यक्ष हरीश मेहता, कौशलेंद्र भट्ट, इकबाल भारती, जया कर्नाटक, राधा आर्य सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन, जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

ईद की तैयारियां, बाजारों में उमड़ी भीड़

हल्द्वानी। मुकद्दस रमज़ान महीना समाप्त होने को है, और इसके साथ ही ईद की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। खासकर हल्द्वानी के मुस्लिम बहुल इलाके बनभूलपुरा में इस समय उल्लास और खुशी का माहौल है। कल शनिवार को ईद मनाए जाने की संभावना के मद्देनज़र मुस्लिम इलाकों में बाजारों में रौनक बढ़ गई है। कल (आज) अलविदा की नमाज़ अदा की जाएगी, और इस दिन की अहमियत को लेकर लोग अपनी खरीदारी और अन्य तैयारियों में व्यस्त हैं। विशेष रूप से महिलाएं ईद के खास दिन के लिए सामान खरीदने के लिए देर रात तक दुकानों पर उमड़ रही हैं। रोज़ा इफ्तारी के बाद, लोग बाजारों की ओर रुख कर रहे हैं। आज़ाद नगर के लाइन नंबर एक और आठ नंबर में कपड़े, जूते-चप्पल, और श्रंगार के सामान की खरीदारी में काफी भीड़ देखी जा रही है।

अदालती सूचनां

न्यायालय श्रीमान जिला जज महोदय पौडी, गढ़वाल।

उत्तराधिकार वाद सं० 31 सन् 2026

प्रार्थी - प्रदीप सिंह गुसांई उम्र 62 वर्ष पुत्र दिलवर सिंह निवासी वार्ड नम्बर 9, श्रीनगर रोड, पौड़ी तहसील पौड़ी, जनपद पौड़ी गढ़वाल उत्तराखण्ड -246001 मूल निवासी ग्राम चोपड़ा, पो०ओ० पिसोली, तहसील पौड़ी, जिला पौड़ी गढ़वाल।

बनाम

प्रतिवादीगण -

1.अरविन्द पुत्र दिलवर सिंह निवासी मकान न0 40ए ब्लॉक डी. गली नम्बर 7 शिव कॉलोनी, पल्ला नम्बर 1, अमर नगर, पो०ओ० फरीदा, हरियाणा- 121003 2.उर्मिला सजवाण पत्नी भगत सिंह सजवाण निवासी कारगी ग्रन्ट, बंजरेवाला माफी, बंजारवाला देहरादून, उत्तराखण्ड-248001 3.सुनीता रावत पत्नी जगदीश सिंह रावत निवासी बी डी 7 ई, द्वितीय तल, बीट ब्लॉक, डी डी ए फ्लैट, मुनिरका, पो०ओ० जे०एन०यू० जिला साउथ वेस्ट देहली, देहली 110067 4 कुसुम पत्नी महेन्द्र सिंह, निवासी 966, गली नम्बर 7, पल्ला नम्बर 1, शिव कॉलोनी, अमर नगर, फरीदाबाद, हरियाणा - 121003 5. रजनी तड़ियाल द्वारा योगेन्द्र सिंह, फ्लैट नम्बर 106, जीएमएस रोड, जे बी मारबल, संगम विहार, जिला देहरादून, उत्तराखण्ड 248001 6. ग्राम प्रधान ग्राम सभा कफल्ना, पट्टी इडवालस्यूँ, जिला पौड़ी गढ़वाल। 7. अधिशासी अधिकारी नगर निगम श्रीनगर गढ़वाल। 8. हर आम व खास

आम व खास को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी द्वारा एक उत्तराधिकार वाद अन्तर्गत धारा 360 समान नागरिक संहिता उत्तराखण्ड 2025 का मेरे न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें जवाब / आपत्ति के लिये दिनांक : 10/04/2026 की तिथि नियत है।

अत: आम व खास को सूचित किया जाता है कि किसी भी आम व खास को मामले में कोई आपत्ति हो, तो ठीक 10 बजे प्रात: मेरे न्यायालय में हाजिर आकर अपनी जवाब / आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा वाद में एकतरफा सुनवाई अमल में लायी जायेगी। आज दिनांक 10.03.2026 को न्यायालय की मुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से जारी।

हस्ताक्षर
न्यायालय श्रीमान जिला जज महोदय, पौड़ी गढ़वाल

हल्द्वानी बार एसोसिएशन के चुनाव का ऐलान

आज नामांकन के साथ शुरू हो जाएगी प्रक्रिया, मतदान और मतगणना 28 मार्च को

हल्द्वानी। हल्द्वानी बार एसोसिएशन के चुनाव की तिथियों की घोषणा कर दी गई है। चुनाव प्रक्रिया का पहला चरण 20 मार्च से शुरू होगा, और मतदान 28 मार्च को होगा। उक्त जानकारी देते हुए मुख्य चुनाव अधिकारी आनंद बल्लभ पांडे ने बताया कि 20 और 21 मार्च को सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक नामांकन फॉर्म वितरण और पंजीकरण की प्रक्रिया होगी। 22 मार्च को सुबह 11 बजे से 3 बजे के बीच नामांकन की जांच और नामांकन वापसी की प्रक्रिया होगी। इसके बाद 28 मार्च को मतदान होगा, जो सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक चलेगा। मतगणना का कार्य साढ़े 3 बजे से जजी कोर्ट स्थित बार भवन के पहले तल पर किया जाएगा। मुख्य चुनाव अधिकारी आनंद बल्लभ पांडे ने बताया जो हल्द्वानी बार एसोसिएशन का 20 वर्ष से सदस्य होगा, वही अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ सकता है। इसी तरह उपाध्यक्ष (सामान्य) 15 वर्ष, सचिव 12 वर्ष, उपाध्यक्ष (आरक्षित महिला) 10 वर्ष, संयुक्त सचिव 7 वर्ष, संयुक्त सचिव (प्रेस) 5 वर्ष, कोषाध्यक्ष 7 वर्ष, लेखाधिकारी 5 वर्ष, पुस्तकालय अध्यक्ष 5 वर्ष, सदस्य (सामान्य) 4 पद 3 वर्ष और सदस्य (आरक्षित महिला) 3 वर्ष से हल्द्वानी बार एसोसिएशन का सदस्य होना चाहिए।

चुनाव कार्यक्रम पर आपत्ति, तारीखों में संशोधन की मांग

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। हल्द्वानी बार एसोसिएशन के आम चुनाव कार्यक्रम की तिथियों के संबंध में अधिवक्ता कुंदन सिंह बिष्ट ने चुनाव अधिकारी द्वारा घोषित तिथियों पर आपत्ति दर्ज कराई है। गुरूवार को मुख्य चुनाव अधिकारी को प्रेषित आपत्ति पत्र में कुंदन सिंह बिष्ट ने चुनाव कार्यक्रम की तिथियों में बदलाव की मांग की गई है, ताकि सभी अधिवक्ताओं को मतदान और नामांकन प्रक्रिया में भाग लेने का समान अवसर मिल सके। आपत्ति में कहा गया है कि चुनाव की नामांकन तिथि 20 मार्च की गई है जबकि इस दिन अलविदा का रोज़ा है और नामांकन प्रक्रिया में मुस्लिम अधिवक्ता भाग नहीं ले पाएंगे। ऐसे में चुनावी प्रक्रिया में असमानता उत्पन्न हो सकती है। इसी तरह 21 मार्च को ईद है। मुस्लिम अधिवक्ता अपना त्योहार मनाएंगे या फिर चुनाव में भाग लेंगे। आपत्ति पत्र में कहा है कि मतदान तिथि 28 मार्च नियत की गई जबकि चैत्र नवरात्र चल रहे है। पत्र में कहा 26 मार्च को अष्टमी और 27 मार्च को नवमी का दिन है इस दिन हिन्दू समाज द्वारा व्रत, पूजापाठ और कन्या पूजन में व्यस्त रहते हैं। इसके अलावा 28 मार्च को मतदान की तिथि घोषित की गई जबकि 28 मार्च को दशमी पर्व है इस दिन विभिन्न स्थानों पर जागरण और भण्डारा कार्यक्रम भी होते हैं, जिससे कई हिन्दू अधिवक्ता अपने पैत्रक आवास पर पूजा-पाठ के लिए जा सकते हैं और मतदान में भाग लेने से वंचित रह सकते हैं। अधिवक्ता कुंदन सिंह बिष्ट ने चुनाव कार्यक्रम में संशोधन की मांग की है ताकि सभी अधिवक्ताओं को मतदान और नामांकन की प्रक्रिया में समान रूप से भाग लेने का अवसर मिल सके।

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान जिला जज महोदय, जनपद उत्तरकाशी

प्र0दी0वा0सं0-06 सन्-2026

याचि:-मा० आदर्श आदि

बनाम

विपक्षी:-खुशाल लाल आदि

नोटिस बनाम:-समस्त रिश्तेदारान मा० आदर्श, कु० आरूषी व कु० संध्या पुत्री व पुत्रगण स्व० संतोष निवासी ग्राम जोगत तल्ला पटटी दिचली तहसील चिन्यालीसौड जिला उत्तरकाशी।

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि याचि द्वारा अपने पौत्र पौत्रीयां मा० आदर्श कु० आरूषी व कु० संध्या की संरक्षता प्राप्त करने हेतु विधिक संरक्षक नियुक्ति हेतु इस न्यायालय में वाद दायर किया गया है, जिसमें वास्ते जबावदावा दिनांक-06.04.2026 तथा तनकी हेतु 06.04.2026 की तिथि नियत की गयी है।

अत: समस्त **रिश्तेदारान मा0 आदर्श, कु0 आरूषी व कु0 संध्या पुत्री व पुत्रगण स्व0 संतोष निवासी ग्राम जोगत तल्ला पटटी दिचली तहसील चिन्यालीसौड जिला उत्तरकाशी।** को इस सम्मन प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि आपकी उपरोक्त वाद के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो आप उक्त वर्णित दिवसों पर ठीक 10:00 बजे दिन इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या द्वारा अधिवक्ता के उपस्थित होकर अपना पक्ष रखकर पैरवी करे, आपके ऐसा न करने पर उक्त वाद एक पक्षीय रूप से सुना जाकर तद्नुसार निर्णीत कर दिया जायेगा।

आज दिनांक-17.3.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी।

मुन्सरिम
कुटुम्ब न्यायालय
उत्तरकाशी

अदालती सूचना

न्यायालय श्रीमान जिला जज महोदय, जनपद उत्तरकाशी

प्र0दी0वा0सं0-01 सन्-2026

याचि:- राकेश सिंह

बनाम

विपक्षी:-अनिल सिंह आदि

नोटिस बनाम:- समस्त रिश्तेदारान मा० अतिक्ष सिंह उम्र 06 वर्ष पुत्र स्व० मुकेश सिंह पंवार निवासी ग्राम धराली तहसील भटवाडी जिला उत्तरकाशी।

एतद्वारा सूचित किया जाता है कि याचि द्वारा अपने भतीजे मास्टर अतिक्ष सिंह की संरक्षता प्राप्त करने हेतु विधिक संरक्षक नियुक्ति हेतु इस न्यायालय में वाद दायर किया गया है, जिसमें वास्ते जबावदावा दिनांक-01.04.2026 तथा तनकी हेतु 01.04.2026 की तिथि नियत की गयी है।

अत: **समस्त रिश्तेदारान मा0 अतिक्ष सिंह उम्र 06 वर्ष पुत्र स्व0 मुकेश सिंह पंवार निवासी ग्राम घराली तहसील भटवाडी जिला उत्तरकाशी** को इस सम्मन प्रकाशन के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि आपकी उपरोक्त वाद के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो आप उक्त वर्णित दिवसों पर ठीक 10:00 बजे दिन इस न्यायालय के समक्ष स्वयं या द्वारा अधिवक्ता के उपस्थित होकर अपना पक्ष रखकर पैरवी करे, आपके ऐसा न करने पर उक्त वाद एक पक्षीय रूप से सुना जाकर तद्नुसार निर्णीत कर दिया जायेगा।

आजदिनांक-17/3/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी।

मुन्सरिम
कुटुम्ब न्यायालय
उत्तरकाशी

सांसद अजय भट्ट ने केंद्रीय गृहमंत्री से पूछा साइबर अपराधों पर सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री और नैनीताल-उधम सिंह नगर के सांसद अजय भट्ट ने केंद्रीय गृहमंत्री से पूछे गए अतारांकिक प्रश्न में साइबर अपराधों के बढ़ते मामलों और उससे निपटने के उपायों पर सवाल उठाया। उन्होंने यह पूछा कि पिछले 3 वर्षों में साइबर अपराधों में कितनी वृद्धि हुई है और केंद्र सरकार ऑनलाइन लेन-देन को त्रुटि मुक्त बनाने के लिए क्या कदम उठा रही है। इसके अलावा, उन्होंने आम जनता में साइबर जागरूकता फैलाने के लिए उठाए गए कदमों की जानकारी भी मांगी। सांसद के सवाल के जवाब में गृह मंत्रालय के राज्य मंत्री बंडी संजय कुमार ने बताया कि साइबर अपराधों से निपटने के लिए सरकार ने कई अहम कदम उठाए हैं। इनमें भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (आईसी) की स्थापना, राष्ट्रीय साइबर अपराध

रिपोर्टिंग पोर्टल, और वित्तीय धोखाधड़ी रोकने के लिए नागरिक वित्तीय साइबर धोखाधड़ी रिपोर्टिंग और प्रबंधन प्रणाली (सीएफसीएफआरएमएस) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, सरकार ने साइबर अपराध के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए कॉलर ट्यून अभियान, प्रधानमंत्री की 'मन की बात' में डिजिटल सुरक्षा पर चर्चा, और अन्य कई मीडिया माध्यमों से प्रचार किए हैं। इन पहलों का उद्देश्य नागरिकों को साइबर अपराध के प्रति जागरूक करना और उन्हें सुरक्षित ऑनलाइन लेन-देन के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना है। साथ ही, 31 जनवरी 2026 तक 24.65 लाख से अधिक साइबर शिकायतों में 8,690 करोड़ रुपये से अधिक की राशि को बचाया गया है। सरकार ने इस दिशा में व्यापक प्रयास किए हैं ताकि साइबर अपराधों पर काबू पाया जा सके।

डंपर चालक के खिलाफ मुकदमा

हल्द्वानी। बीते मंगलवार की रात टीपीनगर क्षेत्र में हुए सड़क हादसे मामले में पुलिस ने मृतक के भाई की तहरीर के आधार पर मुक. दमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

सूचना

मेरी पत्नी, स्वर्गीय रानी का निधन 2/10/2025 को हो गया है। उनके निधन के बाद, रमेश प्रसाद (पति), मयंक प्रसाद (पुत्र), मानसी (पुत्री) एवं मनीषा (पुत्री) को उनकी संपत्ति विरासत में पाने का अधिकार होगा। इनके अलावा किसी अन्य व्यक्ति का उनकी संपत्ति पर कोई अधिकार नहीं होगा।

रमेश प्रसाद (स्वर्गीय रानी के पति)
निवासी - 129 कृष्णा एन्क्लेव, कैलाशपुर, पित्थुवाला, देहरादून (उत्तराखंड)

खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन

हल्द्वानी। आईटीएफ जे-60 जूनियर्स टेनिस टूर्नामेंट के पांचवें दिन शांति टेनिस एकेडमी देहरादून में खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। बालक वर्ग में यस्विन दहिया ने आदित्य मौर को 6-0, 6-2 से हराकर अंतिम चार में प्रवेश किया। ओम वर्मा ने सिवतेज सिरफुले को कड़े मुकाबले में 6-2, 7-6 (2) से हराया। देव विपुल पटेल ने आरव चावला को 6-3, 6-2 से पराजित कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। बालिका वर्ग में स्वनिका राय (यूएसए) ने दिया चौधरी को 4-6, 6-3, 6-2 से हराया। जया कपूर ने दीपशिखा विनियागामूर्थी को 3-6, 6-3, 6-2 से हराकर उलटफेर किया। क्रथिका पदमाकुमार ने समारिका कोहली को 6-2, 6-4 से हराया। इहा जोशी ने दिशा कुमार को 7-6(2), 6-2 से पराजित किया। इसी कोर्ट पर खेले गए एक अन्य मुकाबले में हर्षित कतकम ने 6-4, 3-6, 6-3 से जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। डबल्स मुकाबलों में बालक वर्ग में हांगकांग के एलेक्स लैप हंक हुइ व आदित्य मौर की जोड़ी ने वीरेन्द्र मदाम व पंसुल ओबोवेजा को 6-4, 6-2 से हराया। बालिका वर्ग में आहान व करथिका पदमाकुमार की जोड़ी ने अनन्या चौधरी (कनाडा) व जान्वही तमीनीदी (भारत) को 7-6(6), 7-5 से पराजित किया।

केनरा बैंक Canara Bank A Government of India Undertaking

आस्ति वसूली प्रबंधन ।। शाखा, दिल्ली ए-27, पहली मंजिल, हौजखास, नई दिल्ली 110016.

कब्जा सूचना [धारा 13(4)]
(अचल संपत्ति के लिए)

जबकि अधोहस्ताक्षरी, 'वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002' (अधिनियम 54, 2002) (जिसे इसके बाद 'अधिनियम' कहा जाएगा) के तहत केनरा बैंक के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, और 'प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002' के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, दिनांक 25.11.2025 को एक मांग नोटिस जारी किया गया था। इस नोटिस के माध्यम से **उधारकर्ता/गारंटर-श्री पवन सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह, श्री दुष्यंत कुमार पुत्र श्री पवन सिंह, श्री जीत सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह और श्री प्रदीप चौधरी पुत्र श्री जय सिंह-से यह मांग की गई थी कि वे नोटिस में उल्लिखित राशि, जो कि रू. 28,47,475.71 (अठ्ठाईस लाख सैंतालीस हजार चार सौ पचहत्तर रुपये और इकहत्तर पैसे मात्र)** है, को उक्त नोटिस प्राप्त होने की तारीख से 60 दिनों के भीतर चुका दें।

उधारकर्ता द्वारा राशि का भुगतान न कर पाने के कारण, उधारकर्ता तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के साथ नियम 8 एवं 9 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अधोहस्ताक्षरी ने **19 मार्च 2026** को नीचे वर्णित संपत्ति का कब्जा ले लिया है।

उधारकर्ता को विशेष रूप से और आम जनता को इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि वे संपत्ति से संबंधित कोई भी लेन-देन न करें और संपत्ति से संबंधित किसी भी प्रकार का लेन-देन केनरा बैंक द्वारा **रुपये 28,47,475.71 (अठ्ठाईस लाख सैंतालीस हजार चार सौ पचहत्तर रुपये और इकहत्तर पैसे मात्र) की राशि और उस पर ब्याज के अधीन होगा।**

उधारकर्ता का ध्यान अधिनियम की धारा 13 (8) के उस प्रावधान की ओर आकर्षित किया जाता है, जो गिरवी रखी गई संपत्तियों को छुड़ाने के लिए उपलब्ध समय से संबंधित है।

सुरक्षा परिसंपत्तियों का विवरण

क्र. सं.	अचल	उपाधि धारक का नाम
1.	संपूर्ण आवासीय मकान का भाग एवं अंश, जिसकी माप इस प्रकार है: **पूर्व:** 41.46 फीट, **पश्चिम:** 41.46 फीट, **उत्तर:** 43 फीट तथा **दक्षिण:** 43 फीट, कुल भूमि क्षेत्रफल 1800 वर्ग फीट अथवा 167.286 वर्ग मीटर, जो खसरा संख्या 82एम का भाग है, स्थित ग्राम रहीमपुर, परगना भगवानपुर, तहसील रुड़की, जनपद हरिद्वार में, विक्रय विलेख संख्या 5254 दिनांक 16.05.2005 के अनुसार, जो उप-पंजीयक रुड़की के कार्यालय में पंजीकृत है, जिसकी सीमाएं निम्नानुसार हैं- **पूर्व:** 12 फीट चौड़ा रास्ता, **पश्चिम:** श्री महक सिंह का भूखंड **उत्तर:** 12 फीट चौड़ा रास्ता, **दक्षिण:** श्री सुलेख चंद की भूमि सेरसाई सुरक्षा हित आईडी: 400008875185	श्री पवन सिंह पुत्र श्री हरपाल सिंह

दिनांक: 19.03.2026 स्थान: रूड़की
अधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

वसूली अधिकारी का कार्यालय -।।
ऋण वसूली न्यायाधिकरण, देहरादून
पारस टावर, दूसरी मंजिल, माजरा निरंजनपुर, अहरणपुर रोड, देहरादून

डिमांड नोटिस

ऋण वसूली और दिवालियापन अधिनियम, 1993 की धारा 25 से 28 और आयकर अधिनियम, 1961 की द्वितीय अनुसूची के नियम 2 के तहत नोटिस।

RC/209/2023 **09.03.2026**

केनरा बैंक
बनाम
कुंवर पाल सिंह एंड कंपनी एवं अन्य

सेवा में,
(सीडी1) कुँवर पाल सिंह एण्ड कम्पनी गांव सधौला पोस्ट मकदूमपुर परगना मंगलौर तहसील रुड़की हरिद्वार उत्तराखंड 247656।
(सीडी2) कुँवर पाल सिंह पुत्र स्व. रामजी लाल निवासी गांव सधौला पोस्ट मकदूमपुर परगना मंगलौर तहसील रुड़की हरिद्वार उत्तराखंड 247656।

यह सूचित किया जाता है कि **पीठासीन अधिकारी**, ऋण वसूली न्यायाधिकरण देहरादून द्वारा **OA/560/2021** में पारित आदेशों के अनुसरण में जारी किए गए वसूली प्रमाण पत्र के अनुसार, **रू. 46,11,834.70 (छियालीस लाख ग्यारह हजार आठ सौ चौंतीस रूपये और सत्तर पैसे मात्र)** की राशि, बकाया और भविष्य के ब्याज सहित **09/12/2021** से वसूली तक **@10%** साधारण सालाना ब्याज और **रूपयें 94,000.00 /- (चौरानवे हजार रुपये मात्र)** की लागत आपके विरुद्ध देय हो गई है संयुक्त रूप से और अलग-अलग/पूरी तरह से सीमित हो गई है

2. इस नोटिस के माध्यम से आपको नोटिस प्राप्ति के 15 दिनों के भीतर उपरोक्त राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया है। ऐसा न करने पर बैंकों एवं वित्तीय संस्थाओं को शोध्य ऋण वसूली अधिनियम, 1993 और उसके अधीन नियमों के प्रावधानों के अनुसार वसूली की जाएगी।

3. आपको सुनवाई की अगली तारीख को या उससे पहले एक हलफनामे पर अपनी संपत्ति का विवरण घोषित करने का आदेश दिया जाता है।

4. आपको आदेश दिया जाता है कि दिनांक **11.05.2026 को प्रातः 10:30 बजे** अधोहस्ताक्षरी के समक्ष आगे की कार्यवाही हेतु उपस्थित हों।

5. उपरोक्त राशि के अतिरिक्त, आप भुगतान करने के लिए भी उत्तरदायी होंगे:
(क) इस तरह के ब्याज के रूप में प्रमाण पत्र / निष्पादन कार्यवाही की इस सूचना के तुरंत बाद शुरू होने वाली अवधि के लिए देय है।
(ख) इस नोटिस और वारंट और अन्य प्रक्रियाओं और देय राशि की वसूली के लिए की गई अन्य सभी प्रक्रियाओं की तामील के संबंध में किए गए सभी लागत, शुल्क और व्यय।

मेरे हस्ताक्षर और इस न्यायाधिकरण की मोहर के तहत दिनांक 09.03.2026 को दिया गया।

हस्ता/-
वसूली अधिकारी-।।
ऋण वसूली अधिकरण देहरादून

टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
TATA
पंजीकृत कार्यालय: 11वीं मंजिल, टॉवर ए, पेनिनसुला बिजनेस पार्क, गणपतराव कदम मार्ग, लोअर परेल, मुंबई.400013
CIN नंबर. L65990MH1991PLC060670

कब्ज़े की सूचना (अचल संपत्तियों के लिए)
(प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8(1) के साथ पठित परिशिष्ट IV के अनुसार)

जबकि, नीचे हस्ताक्षरकर्ता, **टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड** के प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते, **वित्तीय आस्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत** तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 की धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए [illegible] मांग नोटिस जारी किया गया था [illegible] उधारकर्ता द्वारा राशि का भुगतान न करने के कारण [illegible] अधिनियम की धारा 13(4) के साथ पठित नियम 8 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे वर्णित संपत्ति का **कब्जा ले लिया है।** [illegible]

ऋण खाता संख्या	ऋणी(ओं)/कानूनी उत्तराधिकारी(ओं)/ कानूनी प्रतिनिधि(यों) का नाम	मांग नोटिस की राशि और तिथि	कब्जे की तिथि
TCHHL0 7180001 00092791 & TCHIN07 1800010 0094396	श्रीमती नेहा भट्ट (ऋणी) तथा श्री ललित मोहन भट्ट (सह-ऋणी)	ऋण खाता संख्या TCHHL0718000100092791 के अंतर्गत रु. 25,05,785/- तथा ऋण खाता संख्या TCHIN0718000100094396 के अंतर्गत रु. 65,233/- अर्थात कुल रु. 25,71,018/- (रुपये पच्चीस लाख इकहत्तर हजार अठारह मात्र) दिनांक 14-जुलाई-2023 तक देय	18.03.2026

सुरक्षित परिसंपत्तियों / अचल संपत्तियों का विवरण: संपत्ति संख्या-1: खुला प्लॉट संपत्ति संख्या 94 का भाग, क्षेत्रफल 27.88 वर्ग मीटर (10'x 30'), खाता संख्या 00034, खेत संख्या 168 [illegible] रुद्रपुर, उधम सिंह नगर (उत्तराखंड) [illegible]

दिनांक- 20-03-2026
स्थान:- रुद्रपुर, उधम सिंह नगर (उत्तराखंड)
हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी,
कृते टाटा कैपिटल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

संक्षिप्त खेल समाचार

पंत 'उत्साहित' तेंदुलकर जूनियर के बैट के वजन से इम्प्रेस हुए

लखनऊ, वार्ता। अर्जुन तेंदुलकर अपनी शादी के बाद आईपीएल के लिए अभ्यास करने मैदान में उतर आए हैं। अर्जुन अपनी नई आईपीएल टीम, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के साथ मैदान में उतरे हैं, और उन्होंने अपने नए कप्तान)षभ पंत को दो मामलों में पहले ही इम्प्रेस कर दिया है। पहला, अपने बैट के वजन के लिए – जितना उनके पिता सचिन इस्तेमाल करते थे, उतना भारी नहीं, लेकिन फिर भी भारी है – और दूसरा, मार्च की शुरुआत में अपनी बहुत चर्चित शादी के तुरंत बाद ट्रेनिग शुरू करने के लिए। अब तेंदुलकर जूनियर और पंत दोनों अपने नए खिलाड़ी से कुछ बड़ा प्रदर्शन देखना चाहेंगे, जिसने मुंबई इंडियंस के साथ दो आईपीएल सीजन में सिर्फ पांच मैच खेले हैं और कुछ खास नहीं किया है।

अल्काराज ने कंगारु का टैटू बनवाया

मियामी, वार्ता। हर बड़े चैंपियन के अपने रिचुअल होते हैं, लेकिन कार्लोस अल्काराज ने शायद एक बार फिर लेवल बढ़ा दिया है। ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद अपनी बात पर कायम रहते हुए, स्पेन के इस खिलाड़ी ने मेलबर्न में अपनी जीत को सिर्फ यादों में ही नहीं रहने दिया। इसके बजाय, 22 साल के इस खिलाड़ी ने इसे आर्ट में बदल दिया, अपने निचले बाएं पैर पर एक नया टैटू बनवाया: एक कंगारू नॉर्मन ब्रूक्स चैलेंज कप पकड़े हुए, f0जसके फ्रेम में ऑस्ट्रेलिया की एक साफ आउटलाइन है। यह एक ऐसा डिजाइन है जिसका अल्काराज ने पहली बार फरवरी में नोवाक जो. कोविच के खिलाफ मेलबर्न में अपनी आखिरी जीत के बाद इशारा किया था, जब वह करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले इतिहास के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बने थे।

डीसी ने आईपीएल-2026 के लिए नई जर्सी लॉन्च की

नई दिल्ली, वार्ता। आईपीएल 2026 बस आने ही वाला है, जेएसडब्ल्यू और जीएमआर की को-ओन्ड दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार को नए सीजन के लिए अपनी ऑफिशियल जर्सी लॉन्च की।

इसका डिजाइन उस खतरनाक टाइगर स्पिरिट से इंस्पायर्ड है जो टीम और उस शहर दोनों को दिखाता है जिसे वह रिप्रेजेंट करती है। कैंपेन फिल्म में पुरुष

● **जर्सी का डिजाइन उस खतरनाक टाइगर स्पिरिट से इंस्पायर्ड है जो टीम और उस शहर दोनों को दिखाता है जिसे वह पिप्रेजेंट करती है**

और महिला दोनों टीमों के कैप्टन, अक्षर पटेल और जेमिमा रोड्रिग्स, अपनी तरह के पहले जर्सी लॉन्च में एक साथ हैं, जिसमें दोनों टीमें एक साथ दिख रही हैं। यह एक शेयर्ड आइडेंटिटी को दिखाता है और दिल्ली कैपिटल्स की दोनों टीमों के बीच बढ़ते तालमेल को सेलिब्रेट करता है।

नई जर्सी के लॉन्च पर बात करते हुए, दिल्ली कैपिटल्स के सीईओ, सुनील गुप्ता ने कहा, ष्यह जर्सी हमारे शहर, पहचान और मैदान पर हमारे निडर माइंडसेट का जश्न मनाती है। आईपीएल जर्सी लॉन्च कैंपेन में पहली बार, हमें अपनी महिला टीम की कप्तान, जेमिमा रोड्रिग्स को भी शामिल करते हुए गर्व हो रहा है, क्योंकि यह टीमों में एक जैसा दिल्ली कैपिटल्स कल्चर बनाने के हमारे कमिटमेंट को दिखाता है। नीले और लाल रंग में हमारे टाइगर्स तैयार हैं, और हम आगे एक रोमांचक सीजन की उम्मीद कर रहे हैं।

ब्रंट पारिवारिक कारणों से लौटीं घर

● **इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान नैट साइवर ब्रंट के प्रिटोरिया में टीम में वापस शामिल होने की उम्मीद नहीं**

लंदन, वार्ता। इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट के प्रिटोरिया में टीम में वापस शामिल होने की उम्मीद नहीं है, जहां वह आने वाले इंटरनेशनल सीजन की तैयारी कर रहे 30 खिलाड़ियों में से एक थीं। बाकी ग्रुप इस महीने के आखिर तक दक्षिण अफ्रीका में रहेगा, और जून और जुलाई में होने वाले घरेलू टी20 वर्ल्ड कप से पहले खिलाड़ियों के सिलेक्शन के लिए दबाव बनाने के लिए पांच इंट्रा-स्क्वाड मैचों की सीरीज खेलेगा।

यह ट्रिप असल में यूएई के लिए प्लान की गई थी, लेकिन इलाके में चल रहे झगड़े की वजह से इसे आगे बढ़ा दिया गया। साइवर-ब्रंट पहले ट्रायल मैच में शानदार फॉर्म में थीं, उन्होंने 24 गेंदों में 41 रन बनाकर टीम ब्रिटिन को टीम के दूसरे आधे हिस्से के खिलाफ नौ विकेट से जीत दिलाई, जिसे पूरे टूर के दौरान टीम हेहो फ्लिट के नाम से जाना जाता था। माया बाउचियर ने 40 गेंदों में 47 रन बनाए, जब साथी ओपनर सोफिया डंकले 12 रन पर डैनी गिब्सन द्वारा रन आउट हो गईं, जो पिछले हफ्ते की हंड्रेड नीलामी में सबसे बड़े विजेताओं में से एक थीं, जहां उन्हें सनराइजर्स लीड्स ने 190,000 पाउंड में खरीदा था।

टीम ब्रिटिन 20 ओवर में 110 रन के टारगेट का पीछा कर रही थी, जब इस्सी वोंग ने 18 रन देकर तीन विकेट लिए। लेफ्ट-आर्म स्पिनर लिसी स्मिथ और सीमर लॉरेन बेल ने दो-दो विकेट लिए। टीम ब्रिटिन ने आठ ओवर बाकी रहते अपना टारगेट हासिल कर लिया। इंग्लैंड की महिला टीम मई में दो व्हाइट-बॉल सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की मेजबानी करेगी, जिसके बाद वर्ल्ड कप से पहले भारत के खिलाफ तीन टी-20 मैच होंगे।

विनय ने अर्जुनवीर के खिलाफ प्लेऑफ में जीता खिताब

गुरुग्राम, वार्ता। दिल्ली के विनय कुमार यादव ने गुरुग्राम के गोल्डन ग्रीन्स गोल्फ एंड कंट्री क्लब में खेले गए 25 लाख रुपये के डीपी वर्ल्ड पीजीटीआई नेक्सजेन 2026 में चंडीगढ़ के 15 साल के अर्जुनवीर शिशिर के खिलाफ प्लेऑफ में जीत हासिल कर अपना पहला खिताब जीता। तीस साल के विनय कुमार यादव (72-70-71), जो रात भर चौथे नंबर पर थे और लीड से तीन शॉट पीछे थे, ने तीसरे राउंड में एक-अंडर 71 का कार्ड बनाया और रेगुलर 54 होल के आखिर में टीनएजर अर्जुनवीर शिशिर (71-70-72) के साथ कुल तीन-अंडर 213 के स्कोर के साथ लीडरबोर्ड में टॉप पर रहे। पंद्रह साल के रूकी अर्जुनवीर, जो फील्ड में सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे।

आईटीटीएफ ने 2027 में युगल विश्व कप शुरू करने की घोषणा की

● **यह कदम ओलंपिक की तैयारियों को मजबूत करने और युगल स्पर्धाओं को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया**

बीजिंग, वार्ता। अंतर्राष्ट्रीय टेबल टेनिस महासंघ (आईटीटीएफ) ने 2027 में आईटीटीएफ युगल विश्व कप शुरू करने की गुरुवार को घोषणा की। इस टूर्नामेंट में पुरुषों, महिलाओं और मिश्रित युगल स्पर्धाओं का एक साथ आयोजन किया जाएगा।

आईटीटीएफ का पुरुषों और महिलाओं का विश्व कप एकल स्पर्धा के साथ ही अब आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप भी होगा। आईटीटीएफ की इस घोषणा के साथ ही यह माना जा रहा है कि लॉस एंजेलिस 2028 ओलंपिक टेबल टेनिस के युगल मुकाबले खेले जाएंगे। उनका यह कदम ओलंपिक की तैयारियों को मजबूत करने और युगल स्पर्धाओं को बढ़ावा देने के लिए उठाया गया है। लॉस एंजे. लिस में, पुरुषों और महिलाओं की युगल स्पर्धा एथेंस 2004 के बाद पहली बार ओलंपिक कार्यक्रम में वापसी करेंगी।

आईटीटीएफ की अध्यक्ष पेट्रा सोरलिग ने कहा कि युगल स्पर्धाएं ओलंपिक खेलों में वापसी कर रहे हैं और आईटीटीएफ युगल विश्व कप के जरिए हम इस मौके का सामना करने के लिए तैयार हैं। हम दुनिया के बेहतरीन युगल खिलाड़ियों को वह विश्वकप मंच दे रहे हैं जिसके वे हकदार हैं और लॉस एंजेलिस तक पहुंचने का रास्ता बना रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पुरुषों और महिलाओं का विश्वकप 2024 में वापस आया।

आयुष, तन्वी व खरब ऑरलियन्स मास्टर्स के अगले दौर में

● **आयुष शेट्टी ने किरण जॉर्ज को, अनमोल खरब ने तुर्की की अरिन को हराया**

फ्रांस, वार्ता। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों आयुष शेट्टी, तन्वी शर्मा और अनमोल खरब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर ऑरलियन्स मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के अगले दौर में जगह बना ली है।

पैलेस डेस स्पोर्ट्स में बुधवार को खेले गए एकल मुकाबले में भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने हम वतन किरण जॉर्ज को हराया। वहीं महिला एकल के मुकाबले में अनमोल खरब ने तुर्की की ओलंपियन नेस्लिहान अरिन को हरा कर तथा तन्वी शर्मा ने दूसरी वरीयता प्राप्त सुपानिंदा कातेथोंग को बाहर कर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई। यूएस ओपन 2025 चैंपियन आयुष शेट्टी पुरुष एकल के दूसरे दौर में पहुंच गए। उन्होंने पहले दौर के एक 'ऑल-इंडियन' मुकाबले में किरण जॉर्ज को 17-21, 21-10, 21-17 से हराकर वापसी की। ब्रेक तक 11-10 की मामूली बढ़त बनाने के बाद, किरण जॉर्ज ने लगातार पांच अंक हासिल किए और इतनी बड़ी बढ़त बना ली कि पहला गेम आसानी से जीत लिया। हालांकि, आठवीं वरीयता प्राप्त आयुष शेट्टी ने दूसरे गेम में अपना खेल का स्तर ऊंचा उठाया और शुरू से अंत तक अपना दबदबा बनाए रखते हुए मैच को निर्णायक तीसरे गेम तक पहुंचा दिया। आयुष शेट्टी ने अपनी लय को निर्णायक तीसरे गेम में भी जारी रखा और ब्रेक तक 11-7 की बढ़त बना ली। किरण जॉर्ज ने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर का अंतर कम करके 16-15 तक पहुंचा दिया, लेकिन शेट्टी ने मैच के आखिरी पलों में अपना संयम बनाए रखा, किरण के बढ़ते दबाव को रोका और दूसरे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। वहीं पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत सीधे गेम में हारने के बाद ऑरलियन्स मास्टर्स 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट से जल्दी बाहर हो गए। पुरुष एकल बैडमिंटन रैंकिग में 30वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत को बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 टूर्नामेंट के शुरुआती दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसन ने 21-12, 21-10 से हरा दिया। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने शुरुआत तो तेज की और 5-2 की बढ़त बना ली, लेकिन फिर मैग्नस जोहानसन ने मैच पर नियंत्रण पा लिया(उन्होंने इंटरवल तक 11-6 की बढ़त बना ली और पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। किदांबी श्रीकांत ने दूसरे गेम में वापसी की कोशिश की और एक समय स्कोर का अंतर कम करके 12-10 तक ले आए। हालांकि, मैग्नस जोहानसन ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए लगातार नौ अंक हासिल किए और मात्र 26 मिनट में ही मुक. ाबला जीत लिया। महिला एकल में, अनमोल खरब ने तुर्की की ओलंपियन नेस्लिहान अरिन को 21-12, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में शानदार एंट्री की। माल. विका बंसोड़ ने भी चीनी ताइपे की सुंग शुओ-युन के खिलाफ अपना महिला एकल मैच 21-18, 21-14 के स्कोर से जीता।

ग्वाटेमाला फ्रेंडली मैच के लिए अर्जेंटीना की टीम की कप्तानी करेंगे लियोनेल मेसी

● **मैनेजर लियोनल स्कोलोनी ने अपनी टीम में दो नए प्लयरों को शामिल किया**

ब्यूनस आयर्स, वार्ता। अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन ने बुधवार को बताया कि इस महीने के आखिर में ग्वाटेमाला के खिलाफ होने वाले वर्ल्ड कप वार्म-अप फ्रेंडली मैच में लियोनेल मेसी अर्जेंटीना की टीम की कप्तानी करेंगे। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने अपनी 28 लोगों की टीम में दो नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया: एस्टुडिएंट्स के सेंटर-बैक टॉमस पालासियोस और रेसिग क्लब के लेफ्ट-बैक गेब्रियल रोजास। लेकिन घायल तिकड़ी लुटारो मार्टिनेज, लिसेंड्रो मार्टिनेज और जियोवानी लो सेल्सो के लिए कोई जगह नहीं थी।

इंटर मिलान के स्ट्राइकर मार्टिनेज और मैनचेस्टर यूनाइटेड के डिफेंडर मार्टिनेज पिडली की चोट से उबर रहे हैं, जबकि रियल बेटिस के मिडफील्डर लो सेल्सो को क्वाड्रिसेप्स में खिचाव है। अर्जेंटीना का सामना 31 मार्च को ब्यूनस आयर्स के ला बॉम्बोनेरा में ग्वाटेमाला से होगा। मिडिल ईस्ट में झगड़े की वजह से स्पेन के खिलाफ ष्फाइनलिसिमाष कैंसिल होने के बाद मंगलवार को मैच कन्फर्म हुआ। यूनाइटेड स्टेट्स, मैक्सिको और कनाडा में होने वाले वर्ल्ड कप से पहले यह अर्जेंटीना का एकमात्र तय मैच है। मौजूदा चैंपियन 16 जून को अल्जीरिया के खिलाफ अपने कैंपेन की शुरुआत करेगा, जिसके बाद ग्रुप स्टेज में ऑस्ट्रिया और जॉर्डन का भी सामना करेगा।

जॉन मूनी दिल्ली कैपिटल्स के क्षेत्ररक्षक कोच बने

● **जॉन मूनी ने एंटोस रॉक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह ली है**

नई दिल्ली, वार्ता। आयरलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जॉन मूनी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले दिल्ली कैपिटल्स का क्षेत्ररक्षक कोच नियुक्त किया गया है। मूनी ने एंटोन रॉक्स और ज्ञानेश्वर राव की जगह ली है, जिन्होंने पिछले सत्र में यह भूमिका निभाई थी।

44 वर्षीय मूनी पहले वेस्टइंडीज और अफगानिस्तान के साथ काम कर चुके हैं, हाल ही में उन्होंने एशिया कप के दौरान अफगानिस्तान टीम के साथ काम किया था।

वह मुख्य कोच हेमांग बदानी के अगुवाई वाले कोचिंग स्टाफ में शामिल हुए हैं, जिसमें मुनाफ पटेल गेंदबाजी कोच, इयान बेल सहायक कोच और वेणुगोपाल राव डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट हैं। मूनी ने आयरलैंड के लिए 64 एकदिवसीय और 27 टी- 20 मैच खेले हैं। उन्हें 2011 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ मिली ऐतिहा. सिक जीत में विजई रन बनाने के लिए आज भी याद किया जाता है। दिल्ली कैपिटल्स पिछले सीजन में पांचवें स्थान पर रही थी और अब तक कोई भी आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है।

हम इस पूल में हर विरोधी टीम का सम्मान करते हैं : क्रेग फुल्टन

● **हॉकी विश्व कप में भारत को पूल डी में इंग्लैंड पाक व वेल्स के साथ रखा है**

नई दिल्ली, वार्ता। एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 के आधिकारिक पूल ड्रॉ और कार्यक्रम की घोषणा के बाद, भारतीय पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने गुरुवार को कहा कि हम इस पूल में हर विरोधी टीम का सम्मान करते है, लेकिन हमें उनके खिलाफ स्वयं पर भरोसा है।

भारत को पूल डी में शीर्ष वरीयता प्राप्त इंग्लैंड, चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान और मजबूत टीम वेल्स के साथ रखा गया है। ग्रुप-चरण के सभी मैच नीदरलैंड के एमस्टेलवीन स्थित वैगनर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। टीम के साथ शिविर में ड्रॉ को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए फुल्टन ने कहा, ष्हम उत्साहित हैं। यह एक मजबूत ग्रुप है, लेकिन विश्वकप में आप ठीक यही तो चाहते हैं कि आपकी परीक्षा सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ हो। टीम के शिविर में माहौल बहुत सकारात्मक है। खिलाड़ी प्रेरित और जीत के लिए भूखे हैं और अब जब हमें अपने विरोधियों के बारे में पता चल गया है, तो हमारी तैयारियों में हमें वास्तविक स्पष्टता और एकाग्रता मिलेगी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड एक सुव्यवस्थित, शारीरिक रूप से मजबूत टीम है, जो हमारे पूल में शीर्ष वरीयता प्राप्त भी है। पाकिस्तान अपनी कलात्मकता, अप्रत्याशितता और समृद्ध हॉकी परंपरा के साथ आता है। यह ऐसी टीम नहीं है जिसे कभी हल्के में लिया जाए। वेल्स अंतर्राष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रहा है और वह ऊर्जा और दृढ़ संकल्प से भरा होगा। हम इस पूल में हर विरोधी का सम्मान करते हैं, लेकिन हम उन सभी के खिलाफ खुद पर भरोसा रखते हैं। भारतीय टीम 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह एक विशेष मुकाबला है जो भारत के स्वतंत्रता दिवस के दिन पड़ रहा है। इसलिए कोचिग स्टाफ ने पहले ही एक विस्तृत रूपरेखा तैयार करना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि हम अपनी संरचना, अपने दबाव और अपनी फिनिशिंग पर कड़ी मेहनत करेंगे। ए वे बारीक पहलू हैं जो इस स्तर पर मैचों का फैसला करते हैं।

इंडिया अंडर-20 विमेंस एशियन चैलेंज के लिए तैयार:शुभांगी

नई दिल्ली, वार्ता। थाईलैंड में जापान के खिलाफ अपने पहले मैच से सिर्फ दो हफ्ते पहले, इंडियन अंडर20 विमेंस नेशनल टीम लंबे समय से इंतजार की जा रही वापसी के करीब है। अपनी पिछली मौजूदगी के दो दशक बाद, इंडिया एएफसी अंडर-20 विमेंस एशियन कप में वापस आ गया है, और 2 अप्रैल को उन्हें इस मुश्किल से बाहर निकालने के लिए कैप्टन शुभांगी सिंह लीड करेंगी। शुभांगी के लिए, क्वालिफिकेशन की अहमियत पहले ही समझ में आ चुकी है। म्यांमार में जश्न, जहां इंडिया ने अपना 20 साल का इंतजार खत्म किया, अब एक तेज, ज्यादा तुरंत फोकस की जगह ले चुका है। उन्होंने कहा, ष्हम वहां क्वालिफाई करने के माइंडसेट के साथ गए थे, और हमने कर दिखाया।ष ष्जब आपको पहले से ही लगता है कि कुछ होने वाला है, तो यह हैरानी की बात नहीं है। यह विश्वास अब एक टीम को उस चीज के लिए तैयार कर रहा है जिसे वह मानती हैं।

अपने 100वें T-20 मैच में निडरता के साथ सर्वश्रेष्ठ दोहराना चाहती हूं : गार्डनर

● **एश्ले गार्डनर 2017 में एक विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आई थी**

सेंट विसेंट, वार्ता। ऑस्ट्रेलिया की मध्य क्रम की बल्लेबाज एश्ले गार्डनर ने गुरुवार को कहा कि वह अपने 100वें अंतर्राष्ट्रीय टी-20 मैच में पहले की तरह निडरता के साथ बल्ले से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दोहराने चाहती है। आज यहां गार्डनर वेस्टइंडीज के खिलाफ मैदान में उतरने के साथ ही सातवीं ऐसी महिला खिलाड़ी बन जाएंगी जो ऑस्ट्रेलिया के लिए 100वां अंतर्राष्ट्रीय टी-20 मैच खेलेंगी।

टी-20 विश्व कप से पहले यह सीरीज काफी अहम मानी जा रही है। वह 2017 में एक विस्फोटक बल्लेबाज के तौर पर अंतर्राष्ट्रीय मंच पर आई थी। डब्ल्यूबीबीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद, 19 साल की उम्र में ही उसे अपने देश के लिए खेलने के लिए चुन गया था। गार्डनर ने कहा कि इस प्रारुप में, मध्यक्रम में मेरी भूमिका कभी-कभी बेहद चुनौतीपूर्ण होती है, हो सकता है कि आप तब बल्लेबाजी करने आएं जब टीम मजबूत स्थिति में हो, या फिर तब जब हम अच्छी स्थिति में न हों।

इसमें सबसे जरूरी है कि आप स्थिति को बहुत तेजी से समझें और अपने खेल की गति को भी बहुत जल्दी से बदलें। शायद यह एक ऐसी चीज है जिसे मैं इस प्रारुप में लंबे समय से बहुत अच्छे से नहीं कर पा रही थी। इसमें बस यही कोशिश करनी होती है कि मैं बहुत तेजी से लय में आ जाऊं, परिस्थितियों को समझूं और यह सुनिश्चित करूं कि मैं वही कर रही हूं जिसकी टीम को उस स्थिति में मुझसे जरूरत है। साथ ही, मैं अपनी ताकत से पीछे न हटूं और जो भी फैसले लूं, उन्हें पूरी हिम्मत के साथ लूं। मैं एक ऐसी इंसान थी जिसे कोई डर नहीं था और मुझे लगता है कि जैसे-जैसे मैं बड़ी और अधिक समझदार होती गई, मेरे अंदर डर भी बढ़ता गया। इस मायने में कि मैं जिदगी और आम तौर पर क्रिकेट को कैसे देखती हूं। मैं उस (निडरता) का थोड़ा सा इस्तेमाल करने की कोशिश करती हूं। उन्होंने कहा, ष्तो जब मैं दबाव में होती हूं, तो मैं सच में उस निडरता को जगाने और सही दिशा देने की कोशिश करती हूं, जो कभी-कभी करना बहुत मुश्किल होता है, क्योंकि अगर आपमें अधिक आत्मविश्वास नहीं है, तो यह आखिरी चीज होती है जो आप करना चाहेंगे। लेकिन मेरे लिए, यही वह समय होता है जब मैं अपना सबसे अच्छा क्रिकेट खेल रही होती हूं।

'मैं अभिषेक को सहवाग से जोड़ता हूं' : कुंबले

● **कहा : मुझे लगता है कि अभिषेक शर्मा में एक महान खिलाड़ी बनने की सारी काबिलियत है**

नई दिल्ली, वार्ता। अभिषेक शर्मा, वह निडर खिलाड़ी जिसने पिछले दो सीजन में टाटा आईपीएल में धूम मचा दी थी, 2026 में अच्छे फॉर्म की उम्मीद कर रहा होगा।

जियोस्टार के 'आईपीएल टुडे लाइव ' पर बात करते हुए, जियोस्टार के एक्सपर्ट एबी डिविलियर्स और अनिल कुंबले ने अभिषेक की ऑफ-स्पिन के खिलाफ दिक्कतों, उनके इनकंसिस्टेंटनेस, उम्मीदों के दबाव और वह इन चुनौतियों का सामना करके अपने बेस्ट फॉर्म में कैसे लौट सकते हैं, इस पर अपने विचार शेयर किए।

अनिल कुंबले ने कहा कि मुझे लगता है कि अभिषेक शर्मा में एक महान खिलाड़ी बनने की सारी काबिलियत है। अगर आप उनके छोटे इंटरनेशनल करियर को देखें, तो वह पहले से ही नंबर वन टी20 इंटरनेशनल खिलाड़ी हैं। वह गेंदबाजों पर हावी रहते हैं और उन्हें दबाव में डालते हैं, लेकिन इस तरह की डराने वाली बैटिग स्टाइल के साथ, कंसिस्टेंसी बनाए रखना मुश्किल है, खासकर टीम के नजरिए से। अभिषेक के साथ इंडिया ने इसे अच्छे से मैनेज किया, क्योंकि नहीं तो यह थोड़ा मुश्किल हो सकता था। दूसरे बैट्समैन भी थे जिन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया, और उनके बेहतर प्रदर्शन के लिए आपको ऐसी टीम की जरूरत होती है। इसीलिए उन्हें एसआरएच के लिए खेलने में मजा आया, जहां उन्हें खुलकर बैटिग करने की आजादी है। एक चीज जो उन्होंने अब एडजस्ट कर ली होगी, वह है ऑफ-स्पिनरों के खिलाफ उनकी दिक्कत, जिसे उन्होंने फाइनल में मैनेज किया और फिफ्टी बनाई।

अगर आप एक महान खिलाड़ी और कंसिस्टेंट खिलाड़ी बनना चाहते हैं, तो सिर्फ यह जरूरी नहीं है कि आप क्या कर सकते हैं, बल्कि यह भी जरूरी है कि आपको क्या नहीं करना चाहिए, और इसे अपने दिमाग में कंट्रोल करना ही सबसे जरूरी होगा। अभिषेक शर्मा के क्रीज पर ज्यादा देर तक टिके रहने पर कुं. बले ने कहा कि मैं उन्हें वीरेंद्र सहवाग जैसे किसी से जोड़ता हूं, क्योंकि वह हर बॉल को हिट करने की कोशिश करते थे। जब वह टेस्ट क्रिकेट से वनडे क्रिकेट और फिर टी20 क्रिकेट में आए, तो उन्हें एहसास हुआ कि उन्हें अपनी पारी को थोड़ा अलग तरीके से आगे बढ़ाना होगा। लेकिन वीरेंद्र सहवाग अभी भी 140-150 के स्ट्राइक-रेट से खेलते थे।

इसलिए, अभिषेक शर्मा को इस बारे में सोचना शुरू करना होगा, यह कहते हुए कि, 'मैं 200 के स्ट्राइक-रेट से रन बना रहा हूं, मुझसे उम्मीदें हैं, क्या मुझे अब 300 के स्ट्राइक-रेट से खेलना चाहिए? यानी 85-90। टी20 फॉर्मेट में आपको इसी तरह की मैच्योरिटी चाहिए। शायद इस सीजन में आप अभिषेक शर्मा में इसी तरह की मैच्योरिटी देखेंगे, जिसकी एसआरएच उम्मीद कर रही होगी। डिविलियर्स ने कहा कि वह अब 20 का नहीं, बल्कि 25 साल का है। इसलिए, यह पक्का वह फेज है जहां उसे ज्यादा जम्मिेदारी लेनी शुरू करनी होगी।

ईद-उल-फितर को लेकर गंगनहर, झबरेड़ा, भगवानपुर व बुग्गावाला थानें में शांति समिति की बैठक

आपस में मिलजुलकर भाईचारे से मनाएं त्यौहार : एसएसपी

शाह टाइम्स संवाददाता

रूडकी। झबरेडा/भगवानपुर/बुग्गावाला। ईद-उल-फितर के त्यौहार को लेकर एसएसपी नवनीत सिंह ने सभी जनपद के थानेदारों को निर्देश दिये हैं कि वह अपने अपने क्षेत्रों में ईद उल फितर को शांतिपूर्ण तरीके संपन्न कराने को लेकर क्षेत्र के सर्व समाज के जिम्मेदारों के साथ वार्ता कर के त्यौहार को आपस में भाईचारे के साथ मनायें। साथ ही एसएसपी नवनीत सिंह ने तमाम जनपदवासियों से आहवान किया है कि त्यौहार आपस में मिलजुलकर मनायें एक दूसरे की खुशियों में शामिल हों वहीं अपने अधिनस्थों को हिदायत दी है कि वह नमाज के वक्त ईदगाहों पर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम रखें।

जानकारी के अनुसार आगामी ईद-उल-फितर पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने हेतु कोतवाली रुड़की एवं कोतवाली गंगनहर क्षेत्र के पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, संभ्रात व्यक्तियो एवं क्षेत्र में पड़ने वाली मस्जिद के ईदगाह के इमाम मौलवियों के साथ ईद-उल-फितर त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने जाने हेतु गोष्ठी ।आयोजित की गयी। आज दिनांक 19.3.2026 को कोतवाली गंग नहर में आने वाले त्योहार ईद उल फितर के विषय में श्रीमान

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय, पुलिस उपाधीक्षक रुड़की महोदय एवं प्रभारी निरीक्षक कोतवाली गंग नहर के द्वारा कोतवाली रुड़की एवं कोतवाली गंग नहर में पड़ने वाली मस्जिदों एवं ईदगाह के मौलवियों एवं क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों को बुलाकर मीटिंग ली गई सभी को श्रीमान पुलिस अधीक्षक ग्रामीण महोदय द्वारा शांतिपूर्वक सौहार्दपूर्ण तरीके से ईद मनाने के लिए कहां गया ईदगाह में सभी नमाजियों के लिए ईदगाह के अंदर ही व्यवस्था बनाए जाने हेतु बताया गया ईद के त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए बताया गया थाना झबरेड़ा में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नवनीत सिंह के आदेशानुसार थानाध्यक्ष झबरेड़ा द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत आगामी ईद-उल-फितर पर्व को सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से शांति समिति की गोष्ठी आयोजित की गई। इस गोष्ठी में क्षेत्र के संभ्रांत नागरिकों, सीएलजी मेंबरों, ग्राम प्रधानों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने प्रतिभाग किया। बैठक के दौरान सभी से क्षेत्र में शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने तथा आपसी भाईचारे एवं सांप्रदायिक सौहार्द को सुदृढ़ बनाए रखने की अपील की गई। साथ ही उपस्थित सभी व्यक्तियों को सोशल मीडिया पर फैलने वाली अफवाहों से सतर्क रहने एवं किसी भी भ्रामक सूचना को बिना पुष्टि के साझा न करने के लिए जागरूक किया गया। हरिद्वार पुलिस द्वारा सभी से सहयोग की अपील करते हुए त्योहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने

का आग्रह किया गया।

वहीं भगवानपुर में कोतवाली पुलिस ने ईद के त्यौहार को से कुशल संपन्न करने के लिए थाने में सीएलजी मेंबरों के साथ गोष्ठी का आयोजन कर मिलजुल त्योहार मनाने की अपील की गई। बृहस्पतिवार को कोतवाली भगवानपुर परिसर में आगामी ईद-उल-फितर के त्यौहार को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में सी०एल०जी मेंबर व जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। क्षेत्राधिकारी मंगलौर द्वारा सभी सी०एल०जी० मेंबर व जनप्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए ईद के त्योहार को सकुशल सम्पन्न कराने हेतु आपसी सौहार्द बनाये रखने

❖अधीनस्थों को निर्देश: ईदगाहों पर नमाज के वक्त सुरक्षा व्यवस्था का रखा जाए ख्याल : कप्तान

व पुलिस/प्रशासन के साथ सहयोग करने अपील की गई। गोष्ठी में मौजूद व्यक्ति द्वारा भी ईद-उल-फितर को सकुशल संपन्न कराएं जाने एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करने का आश्वासन भी दिया गया।

वहीं दूसरी ओर बुग्गावाला थाना क्षेत्र में ईद उल फितर के त्यौहार को लेकर क्षेत्र के जिम्मेदार लोगों के साथ वार्ता कर त्यौहार को शांतिपूर्ण सद्भाव के साथ आपस में मिलजुल कर बनाने के लिए वार्ता की गई। प्रभारी निरीक्षक बुग्गावाला द्वारा थाना हाजा पर आगामी ईद-उल-फितर पर्व को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के परिपेक्ष्य में थाना हाजा के सीएलजी मेम्बर, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधान, व क्षेत्र के संम्भ्रात व्यक्तियो के साथ थाना प्रांगण में गोष्ठी आयोजित की गई। प्रभारी निरीक्षक, द्वारा सभी सी0एल0जी0 मैम्बर्स, क्षेत्र पंचायत सदस्य, ग्राम प्रधानो,व सम्भ्रांत व्यक्तियों ईद-उल-फितर पर्व के अवसर पर कार्यक्रम को शान्ति पूर्वक ढंग से सम्पन्न कराये जाने की अपील की गयी । तथा उक्त पर्व के दौरान प्रशासन द्वारा दिए गए आदेशो/निर्देशों का शत-प्रतिशत पालन करने हेतु निर्देशित किया गया जिसमे सभी के द्वारा सहमति जाहिर की गयी।

स्कूल में पेपर देकर निकले छात्रों पर झोंके फायर, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। होली एंजिल पब्लिक स्कूल के पास उस वक्त हड़कंप मच गया जब पेपर देकर निकल रहे दो युवकों पर जानलेवा हमला कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उनको गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पारस पुत्र कमल नारायण सिंह और तरुण जैसे ही स्कूल से बाहर पेपर देकर निकले, पहले से घात लगाए बैठे आधा दर्जन युवकों ने उन पर फायरिंग शुरू कर दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी, जिससे दोनों की जान बाल-बाल बच गई।गोली का निशाना चूकने के बाद हमलावरों ने दोनों युवकों को घेर लिया और बेरहमी से पिटाई की, जिसमें दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए हैं इस घटना से आने जाने वाले राहगीरों व स्कूल के बच्चों में अपरा तफरी मच गई। घटना के बाद कमल नारायण सिंह पुत्र विजेंद्र सिंह वार्ड नंबर 5 लकसरी नगर पालिका परिषद लक्सर कोतवाली ने पुलिस में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उनको गिरफ्तार करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। आरोपियों की धर-पकड़ के लिए पुलिस ने विशेष टीमों का गठन किया है।

भगवानपुर पुलिस ने नवरात्र व रमजान के अवसर पर

गुम हुए मोबाइल फोन स्वामियों को वापस लौटाकर दिया तोहफा

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। कोतवाली पुलिस ने नवरात्र का ईद के मौका पर उनके खोए हुए मोबाइल लौट कर उन्हें बड़ा तोहफा दिया है। भगवानपुर क्षेत्र अधिकारी की उपस्थिति में लोग अपने खोए हुए मोबाइल पाकर खुश हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोतवाली पुलिस ने नवरात्र का ईद के मौका पर उनके खोए हुए मोबाइल लौट कर उन्हें बड़ा तोहफा दिया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार के निर्देशानुसार ब्म्प्त पोर्टल पर प्राप्त गुमशुदा मोबाइल फोन की शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए शत-प्रतिशत रिकवरी सुनिश्चित करने हेतु अभियान चलाया जा रहा

है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली भगवानपुर के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए सीआईईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर 25 मोबाइल फोन, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 06 लाख है, विभिन्न राज्यों से बरामद किए गए। आज दिनांक

❖सीआईईआर पोर्टल के माध्यम से विभिन्न राज्यों से बरामद किए करीब 06 लाख रूपये के 25 मोबाइल फोन

19.03.2026 को नवरात्रि एवं रमजान के पावन अवसर पर कोतवाली भगवानपुर परिसर में क्षेत्राधिकारी मंगलौर की उपस्थिति में गुम हुए मोबाइल फोन उनके स्वामियों को लौटाए गए। अपने खोए हुए मोबाइल फोन वापस पाकर फोन स्वामियों के चेहरों पर खुशी साफ झलक उठी और त्योहार के इस अवसर पर उनकी खुशियां दोगुनी हो गईं।

नकदी व ताश के पत्ते सहित चार जुआरी दबोचे

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। गंगानगर कोतवाली पुलिस ने 5000 की नगदी व ताश के पत्ते सहित चार जुआरियों को जुआ खेलते हुए दबोच कर गिरफ्तार कर लिया।

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार के निर्देशानुसार जनपद में अवैध गतिविधियों जैसे स्मैक, चरस, गांजा, सट्टा एवं जुआ खेलने/खिलाने वालों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रभारी निरीक्षक मणि भूषण श्रीवास्तव द्वारा थाना क्षेत्रांतर्गत अलग-अलग टीमों का गठन कर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा मच्छी चौक के पास आजम पहलवान की मुर्गे की दुकान के समीप छापेमारी की गई, जहां कुछ व्यक्ति प्लास्टिक बिछाकर ताश के पत्तों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे थे। पुलिस ने मौके से 04 आरोपियों को हिरासत में लिया उनके कब्जे से ताश के पत्ते व 5000 नगद बरामद किए। उक्त संबंध में आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा अपराध संख्या 0103/2026 जुआ अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई की जा रही है। नाम पता आरोपित-नौशाद पुत्र शफीक, उम्र 35 वर्ष, जाबर पुत्र हासिम, उम्र 30 वर्ष, इस्तकार पुत्र मुख्तीयार, उम्र 29 वर्ष, नदीम पुत्र खलील अहमद, सभी निवासी मच्छी मौहल्ला माही ग्रान, कोतवाली रुड़की, हरिद्वार के है।

गैस की किल्लत, एजेंसी के बाहर उपभोक्ताओं की लंबी लाइन

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। कस्बा स्थित गैस एजेंसी के बाहर गैस सिलेंडर लेने वाले उपभोक्ताओं की सोमवार को सुबह से ही लंबी लाइन लग गई। लाइन में महिलाएं भी काफी संख्या में उपस्थित थी।बाद मे आधे से अधिक लोगों को बिना गैस सिलेंडर मिले ही दोपहर को अपने घर मायूस होकर वापस खाली हाथ जाना पड़ा। कस्बा झबरेड़ा व ग्रामीण क्षेत्र में एक ही गैस एजेंसी कस्बे में है। इसी एक एजेंसी पर पूरा कस्बा सहित ग्राम कोटवाल आलमपुर ग्राम भक्तों वाली ग्राम सुल्तानपुर ग्राम कुशालीपुर ग्राम शेरपुर खेल

मऊ ग्राम सदोली ग्राम खरकड़ी ग्राम साबतवाली आदि कई गांव के लगभग 50000 की जनसंख्या इसी गैस एजेंसी पर निर्भर है। सरकार द्वारा गैस सिलेंडर लेने के लिए 25 दिन का समय मिलने का नियम लागू कर दिया गया है। 25 दिन में गैस सिलेंडर मिलने का नियम लागू होते ही उपभोक्ताओं में हड़कंप मच गया। गैस सिलेंडर लेने वालों में गैस सिलेंडर लेने के लिए होड सी मच गई। सोमवार सुबह से ही गैस एजेंसी के बाहर लोगों की भारी भीड़ लग गई। भीड़ को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए मौके पर पुलिस की तैनाती करनी पड़ी। नगर पंचायत अध्यक्ष किरण चौधरी व कांग्रेस ओबीसी प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर गौरव चौधरी द्वारा गैस एजेंसी पर आकर गैस एजेंसी संचालक व नोडल अधिकारी हर्षवर्धन रावत से बात की गई। गैस लेने के लिए लाइन में खड़े लोगों से नोडल अधिकारी हर्षवर्धन रावत ने कहा कि गैस की कलाबाजादी किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं की जाएगी। नोडल अधिकारी हर्षवर्धन का कहना है कि गैस सिलेंडर की कोई भी कमी नहीं है। सभी को बारी से गैस सिलेंडर मिल रहा है। आसपास के ग्रामीण क्षेत्र से आए बाबूराम नवीन कुमार रोहित कुमार नरेश राजू सिंह राजवीर सिंह चौधरी बिरम सिंह आदि का कहना है कि वह गैस सिलेंडर लेने के लिए एजेंसी के बाहर सुबह आए थे। दोपहर तक लाइन में लगने पर भी केवाईसी करने की बात कह कर उन्हें खाली हाथ वापस घर जाना पड़ रहा है।

शहर व देहात में चैत्रीय नवरात्र का शुभारंभ

झबरेड़ा। कस्बा व ग्रामीण क्षेत्र में चौत्रीय नवरात्र के शुभारंभ मैं मां भगवती के भक्तों द्वारा मंदिर में पूजा अर्चना करने के बाद अपने-अपने घरों में घट स्थापना करते हुए प्रथम शैलपुत्री माता की पूजा अर्चना की गई। गुरुवार से चैत्रीय नवरात्र का शुभारंभ होते ही कस्बा व क्षेत्र में स्थापित मंदिरों की साफ-सफाई कर मुख्य रूप से सजाया गया था। गुरुवार तड़के से ही कस्बे में स्थित प्राचीन नंदा वाला बाग में स्थित भगवान शिव व माता भगवती मंदिर में भक्तों द्वारा पूजा अर्चना करने के बाद अपने घरों में भी नवरात्र के प्रथम दिन मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना करते हुए सुख शांति की कामना की गई।

गोकशी मामले में वांछित को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। गंग नहर पुलिस ने गोकशी के मामले में वांछित चल रहे है आरोपी को दबोच कर जेल भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जनपद हरिद्वार के निर्देशानुसार गौकशी एवं अवैध पशु तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में कोतवाली गंगनहर पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई की गई। प्रभारी निरीक्षक मनी भूषण श्रीवास्तव द्वारा टीम गठित कर कार्रवाई प्रारंभ की गई। मुखबिर की सूचना पर माधोपुर (सालियर क्षेत्र) स्थित एक घर में छापेमारी कर दो आरोपियों को लगभग 110 किलोग्राम गोमांस एवं गोकशी के उपकरणों सहित हिरासत में लिया गया, जबकि एक आरोपी मौके से फरार हो गया था। इस संबंध में मुकदमा अपराध संख्या 94/2026 धारा 3/5/11 गौवंश अधिनियम पंजीकृत किया गया। लगातार दबिश एवं तलाश के बाद मुखबिर की सूचना पर फरार वांछित आरोपी गयूर पुत्र हसन निवासी माधोपुर, रुड़की को नहर पटरी कब्रिस्तान के पास से हिरासत में लिया गया। आरोपी के विरुद्ध अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस टीम में उ0नि0 राजीव उनियाल, हे0का0 ज्ञानचंद, हे0का0 संदीप यादव आदि शामिल रहे।

दहेज के लिए मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न में 8 के खिलाफ मुकदमा

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दहेज के लिए विवाहिता का मानसिक व शारीरिक उत्पीड़न करने व जबरन उसका गर्भपात कराने के दबाव के आरोप में 8 के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के अनुसार दहेज उत्पीड़न का एक गंभीर मामला सामने आया है। थाना क्षेत्र की एक गर्भवती महिला ने अपने पति समेत ससुराल पक्ष के लोगों पर दहेज की मांग को लेकर मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना देने और जबरन गर्भपात कराने का दबाव बनाने का आरोप लगाते हुए आठ पर मुकदजा दर्ज किया है।

नाबालिग से दुष्कर्म मामले में शामिल 4 पकड़े

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। कोतवाली पुलिस ने नाबालिक से दुष्कर्म के मामले में टार्बेट कार्रवाई करते हुए शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। कोतवाली भगवानपुर में वादी द्वारा तहरीर देकर अवगत कराया गया कि उनकी नाबालिग पुत्री, जो एक निजी संस्थान में अध्ययनरत है, के साथ आरोपियो द्वारा नशीला पदार्थ पिलाकर सामूहिक दुष्कर्म किया गया। तहरीर के आधार पर तत्काल सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार द्वारा आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु निर्देश दिए गए। प्रभारी निरीक्षक के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा डिजिटल साक्ष्य एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। दिनांक 18.03.2026 को मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम द्वारा भगवानपुर हाईवे स्थित राणा कैफे के पास से 04 आरोपियों को हिरासत में लिया गया। आरोपियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। नाम पता आरोपित-दानिश पुत्र फरमान, निवासी छिदबना, थाना रामपुर मनिहारन, सहारनपुर (उ.प्र.), आजम पुत्र तहसीन, निवासी मोहल्ला टोली, कोतवाली मंगलौर, हरिद्वार, शोयब पुत्र मुर्तजा, निवासी ग्राम शाहपुर, भगवानपुर, हरिद्वार, उमर उर्फ अमन पुत्र मुर्तजा, निवासी ग्राम शाहपुर, भगवानपुर, हरिद्वार पुलिस टीम-राजीव रौंथाण, प्रभारी निरीक्षक, व0उ0नि0 अंकुर शर्मा, उ0नि0 मुकेश नोटियाल, हे0का0 ललित यादव, का0 उबैद, का0 मदन शामिल रहे।

बैंक ऑफ बड़ौदा के सिविल लाइन में नए परिसर का उद्घाटन

साफ-सुथरा परिसर ग्राहकों को आकर्षित करता है : प्रतीक

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की स्थित बैंक आफ बड़ौदा सिविल लाईन के नये परिसर का प्रतीक अगनिहोत्रि महाप्रबंधक व अंचल प्रबंधक बरेली अंचल ने उदघांटन किया साथ अरविन्द जोशी क्षेत्रीय प्रबंधक देहरादून भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का संचालन व सभी का स्वागतश्री प्रवीणसिंह मुख्य प्रबंधक रुड़की शाखा ने किया।

इस अवसर पर महाप्रबंधक प्रतीकअग्निहोत्री ने सभी ग्राहको व स्टाफ को संबोधित करते हुए उन्होंने स्टाफ सदस्यो को सुझाव दिया कि बेहतर ग्राहक सेवा साफ सुथरा परिसर हमें अपने ग्राहको को आकिषित करने में सहयोगी होता है तथा उन्होंने ग्राहको हेतु विभिन्न योजनाओ के बारे में भी बताया जिसमें महिला सशक्तिकरण हेतु योजनाओ की जानकारी दी तथा व्यापारी बंधुओ के लिये व्यवसायी ऋण कार ऋण उनके बच्चो हेतु शिक्षा ऋण तथा उद्योग लगाने हेतु विभिन योजनाओ की जानकारी दी। कार्यक्रम में पुनीत चुग, उपक्षेत्रीय प्रबंधक राकेश

कुमार, मुख्य प्रबंधक मयक कुमार, प्रबंधक नीरज अरोड़ा, श्री अखिलेश रावत, ऋचा गुप्ता, नेहा त्यागी, चन्द्रकान्ता, रविकान्त शर्मा सुमित कुमार एवं अनिल कमार इत्यादि अनेक ग्राहक भी उपस्थित थे।

ज्ञानदीप स्कूल को मिली इंटरमीडिएट की मान्यता

विद्यालय छात्रों को दे रहा शिक्षा का बेहतर वातावरण : पंत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शिवपुरम पनियाला रोड स्थित ज्ञानदीप पब्लिक स्कूल को आधिकारिक तौर पर इंटरमीडिएट स्तर की मान्यता प्राप्त हो गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार इस अवसर पर डॉ. बी.सी. चौबे (सहायक निदेशक-विधि, उच्च शिक्षा निदेशालय, उत्तराखंड सरकार), प्रो. गोविंद पाठक (सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा निदेशालय, हल्द्वानी, उत्तराखंड) और प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार डोबरियाल (सहायक निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तराखंड) ने विद्यालय में आकर

विद्यालय प्रबंधक वासुदेव पंत एवं प्रधानाचार्या श्रीमती रेखा पंत से भेंट की तथा उन्हें स्वयं विद्यालय इंटरमीडिएट मान्यता पत्र सौंपा और इस उपलब्धि पर समस्त विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक वासुदेव पंत ने कहा कि विद्यालय निरंतर छात्रों को उज्ज्वल भविष्य प्रदान करने की ओर अग्रसर है तथा भविष्य में छात्रों को नये अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर डॉक्टर प्रमोद डोबरियाल ने कहा कि विद्यालय में छात्रों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं तथा उन्होंने सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का मार्गदर्शन किया।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 20 मार्च 2026

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

ऊर्जा में आत्मनिर्भरता कब

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का असर अब भारत की ऊर्जा व्यवस्था पर भी साफ दिखाई देने लगा है। खासतौर पर एलपीजी की आपूर्ति को लेकर देश में चिंता बढ़ गई है। उत्पादन बढ़ाने और कई सख्त कदम उठाने के बावजूद गैस की कमी और कालाबाजारी की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हो पाई है। इस स्थिति का सीधा असर छोटे कारोबारों और उनसे जुड़े लाखों लोगों के रोजगार पर पड़ रहा है। ऐसे हालात में सरकार पाइप्ड नैचुरल गैस यानी पीएनजी को लंबे समय के समाधान के रूप में आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि आयात पर अत्यधिक निर्भरता देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बनती जा रही है। जैसे-जैसे पश्चिम एशिया का संघर्ष लंबा खिंच रहा है, वैसे-वैसे भारत में एलपीजी को लेकर संकट भी गहराता जा रहा है। सरकार खुद स्वीकार कर रही है कि मौजूदा स्थिति चिंता पैदा करने वाली है। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद देश की रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता के साथ काम कर रही हैं और घरेलू उत्पादन में लगभग 40 प्रतिशत तक वृद्धि भी की गई है। इसके बावजूद मांग और आपूर्ति के बीच का अंतर पूरी तरह खत्म नहीं हो पाया है और कई जगहों पर गैस की कमी महसूस की जा रही है। सरकार ने एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए आवश्यक सेवा रखरखाव अधिनियम यानी ईएसएमए लागू किया हुआ है, ताकि गैस की आपूर्ति बाधित न हो। इसके बावजूद देश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार छापेमारी और कार्रवाई हो रही है, जो इस बात का संकेत है कि अवैध तरीके से गैस की बिक्री और जमाखोरी अब भी जारी है। कमर्शियल एलपीजी की कमी का सबसे ज्यादा असर होटल, रेस्तरां, ढाबों और छोटी-छोटी खाने-पीने की दुकानों पर पड़ा है। कई जगहों पर ए व्यवसाय बंद होने की कगार पर हैं या अस्थाई रूप से बंद हो चुके हैं। इसका परिणाम यह है कि इनसे जुड़े लाखों लोगों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। सरकार फिलहाल इस बात को प्राथमिकता दे रही है कि देश के घरों में रसोई गैस की आपूर्ति किसी भी हाल में बनी रहे और आम लोगों को परेशानी न हो। इसके साथ ही सरकार लोगों और राज्यों को पाइप्ड नैचुरल गैस यानी पीएनजी अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रही है। दरअसल खाड़ी क्षेत्र में पैदा हुए संकट ने भारत को यह सो. चने का मौका दिया है कि उसे अपनी ऊर्जा जरूरतों और आयात पर निर्भरता को किस तरह संतुलित करना चाहिए। एलपीजी से पीएनजी की ओर बढ़ना केवल वर्तमान संकट से निपटने का उपाय नहीं है, बल्कि भविष्य में भी यह देश के हित में साबित हो सकता है। भारत में इस समय करीब 33 करोड़ एलपीजी कनेक्शन हैं और इनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए लगभग 60 प्रतिशत गैस आयात करनी पड़ती है। समस्या यह है कि इस आयात का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा उस समुद्री मार्ग से आता है, जो इस समय अस्थिरता की वजह से प्रभावित है। दूसरी ओर अगर प्राकृतिक गैस की बात करें तो देश अपनी जरूरत का लगभग आधा हिस्सा खुद ही उत्पादन कर लेता है। जो गैस आयात की जाती है, उसके स्रोत और रास्ते भी अपेक्षाकृत विविध हैं, इसलिए किसी एक मार्ग में बाधा आने से पूरी आपूर्ति पर उतना बड़ा असर नहीं पड़ता। यही कारण है कि पीएनजी को भविष्य के लिए ज्यादा सुरक्षित विकल्प माना जा रहा है। पश्चिम एशिया के मौजूदा हालात को देखते हुए यह कहना मुश्किल है कि आने वाले समय में वहां कितनी स्थिरता बनी रहेगी। ऐसे में भारत अपनी घरेलू जरूरतों को किसी अस्थिर क्षेत्र के अनिश्चित भविष्य पर निर्भर नहीं छोड़ सकता।

राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात

भाजपा चाहती है कि देश हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहे, ताकि लोग विभिन्न मुद्दों पर सवाल न पूछ सकें, राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर के लोगों ने हिंसा की भारी कीमत चुकाई है, एक तरफ एक जवान लड़के, तरुण, की जान चली गई, दूसरी तरफ एक पूरा परिवार उत्पीड़न का सामना कर रहा है, उन्हें और खून-खराबा नहीं चाहिए, भारतीय जनता पार्टी उसका इकोसिस्टम नफरत के माहौल को बढ़ावा देकर हिंसा से राजनीतिक फायदा उठाना चाहता है, वे चाहते हैं कि देश हिन्दू-मुसलमान में उलझा रहे , ताकि लोग ये न पूछ सकें कि आखिर प्रधानमंत्री देश की रक्षा, ऊर्जा सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और सामरिक संप्रभुता को अमेरिका के हवाले करने पर क्यों मजबूर हैं, इसीलिए दिनदहाड़े देश की राजधानी में फिर से दंगों जैसे हालात खड़े किए जा रहे हैं। **-राहुल गांधी, नेता विपक्ष, लोकसभा**

दुनिया के लिए मौन चेतावनी है गौरैया पर मंडराता संकट

योगेश कुमार गोयल

गौरैया केवल एक पक्षी नहीं है बल्कि हमारे बचपन की यादों, पारंपरिक संस्कृति और पर्यावरणीय संतुलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका जैव विविधता में महत्वपूर्ण योगदान है। गौरैया छोटे कीटों और अनाज के दानों पर निर्भर रहती है, जिससे कृषि भूमि पर कीटों की संख्या को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। गौरैया मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में सहायता करती है। इसके अलावा, यह खाद्य श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

पक्षी पृथ्वी के पारिस्थितिक तंत्र का एक अनिवार्य हिस्सा हैं, उनकी उपस्थिति हमारे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। गौरैया, जो कभी हर आंगन, छतों तथा बगीचों में चहकती थी और हमारी दिनचर्या का अभिन्न हिस्सा हुआ करती थी, आज दुर्लभ होती जा रही है। यह प्यारा सा पक्षी, जो हमारे घरों और आसपास के पेड़-पौधों पर बसेरा करता था, अब विलुप्ति के कगार पर है और इसकी चहचहाहट सुनने को कान तरस जाते हैं। एक समय था, जब सुबह आंख खुलते ही गौरैया की चहचहाहट से दिलोदिमाग को सुकून मिलता था लेकिन अब यह चहचहाहट कहीं गायब सी हो गई है। गौरैया का भारतीय लोककथाओं और कविताओं में विशेष स्थान रहा है और यह हमारी भावनाओं और जीवन के दैनिक अनुभवों का हिस्सा रही है। करीब दो दशक पहले तक यह चिड़िया हर कहीं झुंड में उड़ती देखी जाती थी लेकिन अब यह संकटग्रस्त और दुर्लभ पक्षी की श्रेणी में आ गई है।

भारत के अलावा यूरोप के कई हिस्सों में भी गौरैया की संख्या काफी कम हो गई है। नीदरलैंड में तो गौरैया को 'दुर्लभ प्रजाति' की श्रेणी में रखा गया है, जर्मनी, ब्रिटेन, इटली, फ्रांस, चेक गणराज्य जैसे देशों में भी इनकी संख्या तेजी से घट रही है। कई पश्चिमी देशों में इनकी आबादी घटकर खतरनाक स्तर तक पहुंच गई है। लोगों को गौरैया के तेजी से घटते अस्तित्व के बारे में जागरूक करने और उसके संरक्षण के लिए विभिन्न उपायों को अपनाने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से ही हर साल 20 मार्च को 'विश्व गौरैया दिवस' मनाया जाता है। यह दिवस 2010 में 'नेचर फॉरएवर सोसायटी' द्वारा शुरू किया गया था, जिसकी स्थापना प्रसिद्ध भारतीय पर्यावरणविद् मोहम्मद दिलावर ने की थी। यह दिन न केवल गौरैया पक्षी के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य करता है बल्कि हमें यह भी याद दिलाता है कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारियां कितनी महत्वपूर्ण हैं।

गौरैया केवल एक पक्षी नहीं है बल्कि हमारे बचपन की यादों, पारंपरिक संस्कृति और पर्यावरणीय संतुलन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसका जैव विविधता में महत्वपूर्ण योगदान है। गौरैया छोटे कीटों और अनाज के दानों पर निर्भर रहती है, जिससे कृषि भूमि पर कीटों की संख्या को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। गौरैया मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में सहायता करती है। इसके अलावा, यह खाद्य श्रृंखला का महत्वपूर्ण हिस्सा है और अन्य प्राणियों के लिए भोजन के स्रोत के रूप में भी कार्य करती है। गौरैया जैसे छोटे से पक्षी का इस तरह गायब होते जाना पर्यावरण में आ रहे गंभीर परिवर्तनों का संकेत है। शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण गौरैया के प्राकृतिक आवास नष्ट हो रहे हैं। पेड़ों की कटाई और पारंपरिक घरों की जगह कंक्रीट के भवनों ने इनके घोंसले बनाने की जगह को सीमित कर दिया है। वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के कारण गौरैया की संख्या में भारी गिरावट आई है। मोबाइल टावरों से निकलने वाली रेडिएशन भी इनके अस्तित्व के लिए खतरा बन रही है। कृषि में कीटनाशकों और रासायनिक खादों के अत्यधिक प्रयोग के कारण गौरैया के लिए भोजन की उपलब्धता कम होती जा रही है।

पिछले दो-ढाई दशकों में हमारी जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है। अपने निहित स्वार्थों के चलते हमने जंगल उजाड़ दिए, प्रकृति का संतुलन चक्र बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे जीव-जंतुओं और पक्षियों की अनेक प्रजातियों को मारकर, उनका शिकार करके या उनके आशियाने उजाड़कर उनके अस्तित्व पर संकट पैदा कर दिया है। इसी का असर गौरैया पर भी बड़े पैमाने पर पड़ा है। भोजन तथा पानी की कमी, पक्के मकान बनने से घोंसलों के लिए उचित स्थानों की कमी, तेजी से कटते पेड़-पौधे, हमारी बदलती जीवनशैली, मोबाइल रेडिएशन का दुष्प्रभाव, तापमान में लगातार होती बढ़ोतरी आदि कई ऐसे प्रमुख कारण हैं, जो गौरैया की विलुप्ति का कारण बन रहे हैं। खेतों में कीटनाशकों के बढ़ते प्रयोग से भी इनके अस्तित्व पर काफी बुरा असर पड़ रहा है। गौरैया की आबादी घटने का एक बड़ा कारण यह भी है कि कई बार उनके घोंसले सुरक्षित स्थानों पर नहीं होने के कारण कौए तथा दूसरे हमलावर पक्षी उनके अंडों तथा बच्चों को खा जाते हैं। आज की पीढ़ी प्रकृति और पक्षियों से दूर होती जा रही है। गौरैया संरक्षण के लिए जागरूकता की कमी भी इसके अस्तित्व के लिए एक चुनौती है। गौरैया के संरक्षण के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़-पौधे लगाने चाहिएं। पारंपरिक घरों की संरचना को ध्यान में रखते हुए घोंसला बनाने के लिए स्थान प्रदान करने की भी आवश्यकता है। कृषि में जैविक तरीकों को अपनाकर कीटनाशकों के उपयोग को कम किया जा सकता है, जिससे गौरैया के लिए भोजन की उपलब्धता बढ़ेगी। गौरैया को घोंसला बनाने में मदद करने के लिए लकड़ी या मिट्टी के छोटे घर बनाए जा सकते हैं। घर के आंगन या छतों पर अनाज और पानी रखने से गौरैया को भोजन प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है। इसके अलावा मोबाइल टावरों से निकलने वाली हानिकारक रेडिएशन को नियंत्रित करने के लिए सरकार को सख्त नियम लागू करने चाहिएं। गौरैया संरक्षण के लिए स्कूलों, कॉलेजों और सामाजिक संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने की भी जरूरत है। हालांकि भारत सरकार और वन्यजीव संरक्षण संगठनों द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य गौरैया की संख्या बढ़ाना और इसके संरक्षण के लिए ठोस कदम उठाना है। नेचर फॉरएवर सोसायटी, बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी तथा अन्य संगठनों ने गौरैया संरक्षण के लिए कई कार्यक्रम चलाए हैं। स्थानीय समुदायों और कुछ स्वयंसेवी संगठनों द्वारा घरों और सार्वजनिक स्थानों पर गौरैया के लिए घोंसले बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन इन प्रयासों में तेजी लाने और इनका दायरा बढ़ाए जाने की बड़ी जरूरत है क्योंकि यदि हम अभी प्रयास नहीं करेंगे तो भविष्य में यह पक्षी केवल किताबों और कहानियों में ही बच पाएगा। इसलिए हमें मिलकर गंभीरतापूर्वक प्रयास करने होंगे ताकि गौरैया की चहचहाहट फिर से हमारे आंगन और बगीचों में गूंज सके।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अपने ही बुने जाल में फंसा अमेरिका

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव एक नए वैश्विक संघर्ष का संकेत दे रहा है, जिसमें खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर गतिरोध और इजराइल के साथ परोक्ष युद्ध शामिल है। आने वाले समय में मध्य पूर्व में अस्थिरता, नए प्रतिबंध और क्षेत्र में बड़े सैन्य टकराव का जोखिम बढ़ने की आशंका है। ईरान समर्थित समूहों द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर हमले जारी रहने से अमेरिका की ओर से और अधिक कठोर सैन्य प्रतिक्रिया की संभावना है। परमाणु कार्यक्रम को लेकर डील न होने पर अमेरिका द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने या सैन्य हमला करने का दबाव है।

रोहिताश सिंह वर्मा

तानाशाही और परमाणु हथियार बनाने का आरोप और इजरायल को ईरान के खिलाफ भड़काकर अमेरिका अब होने ही बुने जाल में फंस गया हैं, अब अमेरिका की हालत सांप के छछूंदर पकड़कर न निगलने वाली हों गई हैं, ए भी कह सकते हैं कि अमेरिका रणनीतिक जाल में फंसा महसूस कर रहा है, जहां से बाहर निकलना मुश्किल हो रहा है। इजराइल के साथ मिलकर शुरू की गई सैन्य कार्रवाई के बाद से लगातार हमले बढ़ रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका की स्थिति एक ऐसी हड्डी जैसी हो गई है जिसे न उगला जा सकता है और न निगला। विशेषज्ञ राष्ट्रपति ट्रंप के इस कदम को एक ऐसे जाल के रूप में देख रहे हैं, जहां ईरान के साथ बातचीत के सारे रास्ते बंद हो चुके हैं।बारूदी सुरंगों के बीच फंसे अमेरिका के पास हथियारों की कमी और युद्ध की अनिश्चितता एक बड़ी चुनौती बन गई है। यह युद्ध सिर्फ ईरान तक सीमित न रहकर पूरे पश्चिम एशिया में फैल रहा है, जिससे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज द्धैजतंपज वा भ्वतउन्त्रऋ पर हमलों के कारण वैश्विक तेल की कीमतों में भारी उछाल आ गया है, युवा सैनिकों को युद्ध में भेजने के मुद्दे पर अमेरिका में ही असहमति के स्वर उठ रहे हैं और पूर्व अधिकारियों के इस्तीफे भी सामने आ रहे हैं। रूसी हथियारों के दम पर ईरान आसानी से पीछे हटने वाला नहीं है, जिससे यह संघर्ष एक लंबी और विनाशकारी जंग में तब्दील हो रहा है। मार्च 2026 के मध्य तक चल रहे अमेरिका-ईरान संघर्ष में अब तक लगभग 1,500-2,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इसमें 1,300 से अधिक ईरानी, अमेरिकी सैनिक और इजरायल व खाड़ी देशों के अन्य नागरिक शामिल हैं। यह संघर्ष अभी भी जारी है, जिसमें हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव (2026) एक नए वैश्विक संघर्ष का संकेत दे रहा है, जिसमें खाड़ी देशों में अमेरिकी ठिकानों पर हमले, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर गतिरोध और इजराइल के साथ परोक्ष युद्ध शामिल है। आने वाले समय में मध्य पूर्व में अस्थिरता, नए प्रतिबंध और क्षेत्र में बड़े सैन्य टकराव का जोखिम बढ़ने की आशंका है। ईरान समर्थित समूहों द्वारा अमेरिकी ठिकानों पर हमले जारी रहने से अमेरिका की ओर से और अधिक कठोर सैन्य प्रतिक्रिया की संभावना है। परमाणु कार्यक्रम को लेकर डील न होने पर अमेरिका द्वारा ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाने या सैन्य हमला करने का दबाव है। इस लड़ाई में अरब देश, जैसे कतर और बहरीन, अमेरिकी और इजरायली खेमे में और मजबूती से जुड़ सकते हैं, जिससे क्षेत्र में ईरानी प्रभाव को कम करने का प्रयास होगा। ईरान और अमेरिका के बीच ड्रोन हमलों के अलावा, बुनियादी ढांचे (जैसे जल संयंत्रों) को निशाना बनाकर जल युद्ध का खतरा भी बढ़ रहा है। इस युद्ध से ऐसा लग रहा हैं कि अमेरिका और ईरान के संबंध आने वाले समय में तनावपूर्ण बने रहेंगे और इसके सीधे असर मध्य पूर्व की सुरक्षा और तेल आपूर्ति पर पड़ने की सम्भावना हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

अमेरिका-ईरान युद्ध और भारत को लेकर पूर्व सैनिकों की चिंता

आज की दुनिया की सबसे बड़ी चिंता है . तेल का दाम। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस और हर चीज महंगी हो रही है। क्यों? क्योंकि अमे. रिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया। मार्च 2026 की शुरुआत में ही सुप्रीम लीडर अली खामेनी समेत ईरान के कई बड़े नेता मारे गए। ईरान ने जवाब दिया, मिसाइलें और ड्रोन दागे। अब युद्ध दो सप्ताह से ज्यादा चल रहा है। तेल 110 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। होर्मुज की खाड़ी, जहां से दुनिया का 20 प्रतिशत तेल गुजरता है, को बंद किए जाने का खतरा भी मंडरा रहा है।

दुनियाभर के युद्ध व कूटनीति विशेषज्ञ इस पूरे मामले को लेकर काफी गंभीर हैं। भारत के बात करें तो रिटायर्ड मेजर जनरल जीडी बख्शी स्पष्ट शब्दों में इस युद्ध का विश्लेषण कर रहे हैं। सोशल मीडिया और टीवी पर उन्होंने बार-बार कहा, यह हमला गलत था। अमेरिका-इस्राईल ने ईरान को बहुत कम आंका। जनरल बख्शी ने अपने एक पोस्ट में लिखा, सब सोच रहे थे कि ए केकवॉक होगा। लेकिन मैंने शुरू से चेता. वनी दी थी कि ईरान को कम मत समझो। यह असम. मित युद्ध लड़ेगा। एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने सरल भाषा में समझाया कि क्या गलती हुई। ईरान के पास सस्ते ड्रोन (20,000 डॉलर का एक) हैं, जबकि अमेरिका-इजराइल के महंगे इंटरसेप्टर मिसाइल (20 लाख डॉलर का एक) खत्म हो रहे हैं। ईरान ने हाइपरसोनिक मिसाइलें दागीं, जो रडार से बच सकती हैं। इन मिसाइलों ने कतर के रडार, थाड बैटरी, अमे. रिकी बेस और इजराइल के कई शहरों पर हमले किए। 15 दिन में 650 मिसाइलें और 2600 ड्रोन तबाह हुए, 21 अमेरिकी सैनिक मारे गए। इस सबका अंदाजन खर्च करीब 21 अरब डॉलर से ज्यादा हुआ। जनरल बख्शी के अनुसार, ट्रंप ने सोचा था कि खामेनी मरते ही युद्ध खत्म हो जाएगा। लेकिन ईरान का हौसला बहुत ऊंचा है। 8 साल के ईरान-इराक युद्ध में 10 लाख मौतें हुईं, फिर भी ईरान नहीं झुका। अब ए अस्तित्व की लड़ाई है। वे आगे कहते है, होर्मुज खाड़ी बंद करने से पूरी दुनिया में मंदी आ जाएगी। तेल 150 डॉलर से भी ऊपर जा सकता है। अमेरिका के लिए बॉडी बैग्स सैनिकों की मौत मिडटर्म चुनाव में आफत बन सकती है। ट्रंप फंस गए हैं। यह युद्ध शुरू करना आसान था, लेकिन खत्म करना मुश्किल। ए 21वीं सदी का सबसे बड़ा संघर्ष है। एकध्रुवीय दुनिया खत्म हो रही है। बहुध्रुवीय दुनिया मजबूत हो रही है। साधारण भारतीय के लिए यह युद्ध दूर की बात नहीं। हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल आयातक हैं। 80 प्रतिशत तेल बाहर से आता है। यदि होर्मुज बंद हुआ तो पेट्रोल 150-200 रूपए लीटर हो जाएगा। रसोई गैस भी महंगी हो जाएगी। वहीं खाड़ी देशों में काम करने वाले 9 लाख भारतीयों की नौकरी भी खतरे में आ जाएगी। ईरान के साथ भारत का चाबहार बंदरगाह प्रोजेक्ट ठप पद सकता है। अफगानिस्तान और मध्य एशिया का मार्गभी बंद हो सकता है। महंगाई आम आदमी की जेब काटेगी। गौरतलब है कि भारत ने हमेशा युद्ध की स्थिति में संत. ुलन बनाए रखा है। इस युद्ध की बात करे तो, ईरान से हमें सस्ता तेल, इजराइल से हथियार और टेक्नोलॉजी

और अमेरिका से व्यापार मिलता रहा है। लेकिन इस बार मोदी सरकार ने अमेरिका-इजराइल के साथ खुलकर खड़ा होने का फैसला किया। प्रधानमंत्री मोदी फरवरी में इजराइल गए। वहां उन्होंने प्रधानमंत्री बेंजा. मिन नेतन्याहूके साथ ह्स्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप की घोषणा की। युद्ध शुरू होते ही भारत ने ईरान के हमलों की निंदा की। खाड़ी देशों के राजाओं को फोन कर समर्थन जताया। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के खिलाफ प्रस्ताव कासमर्थन किया। खामेनी की मौत पर ईरानी दूतावास में श्रद्धांजलि देरी से दी। जानकार मानते हैं कि भारत का ए फैसला गलत था, क्योंकि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता खतरे में पड़ गई। हम BRICS के अध्यक्ष हैं। रूस-चीन-ईरान हमारे साथी हैं। लेकिन अमेरिका के दबाव में हम ईरान के खिलाफ खड़े हो गए। भारत इजराइल और ईरान से अच्छे संबंध रखता है। हम युद्धविराम का मध्यस्थ बन सकते हैं। लेकिन सरकार ने मध्यस्थता की बजाय एक तरफा रुख अपनाया।

भारत को तटस्थ रहना चाहिए था। दोनों पक्षों से बात कर युद्धविराम की अपील करनी चाहिए थी। मोदी जी को इजराइल जाने के बजाय दोनों देशों के नेताओं से फोन पर बात करनी चाहिए थी। संयुक्त राष्ट्र में 'शांति और संवाद' का प्रस्ताव लाना चाहिए था। ईरान से तेल खरीदना जारी रखना चाहिए था। चाबहार प्रोजेक्ट को मजबूत करना चाहिए था। सरकार ने सोचा कि अमे. रिका-इजराइल के साथ खड़े होने से फायदा होगा।

रजनीश कपूर

लेकिन भूल गए कि ईरान हमारा पुराना दोस्त है। चाबहार बंदरगाह अमेरिका के खिलाफ हमारा रणनी. तिक कदम था। सस्ता ईरानी तेल हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूत करता था। अब तेल महंगा होने से मुद्रास्फीति बढ़ेगी। विदेशी मुद्रा भंडार पर बोझ पड़ेगा। यदि भारतफन।क और ठत्फ्रै दोनों का सदस्य है तो हमारी आवाज दोनों तरफ सुनी जाती, लेकिन क्या एक तरफा रुख अपनाकर हमने अपनी ताकत कम कर दी? मेजर जनरल बख्शी के अनुसार, यह मूर्खतापूर्ण युद्ध है। यह जल्द खत्म हो। भारत को अब अपनी गलती सुधारनी चाहिए। तटस्थ रहकर शांति की बात करनी चाहिए। ईरान से संबंध वापसी सुधारने चाहिए। तेल आयात के वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। भारत की विदेश नीति हमेशा ह्सभी के साथ, किसी के खिलाफ नहीं रही है। मोदी सरकार को इस सिद्धांत पर लौटना चाहिए। क्योंकि अंत में भारत का हित सबसे ऊपर है। सस्ता तेल, सुरक्षित नौकरियां और मजबूत अर्थव्यवस्था। युद्ध में किसी एक का पक्ष नहीं, बल्कि शांति का पक्ष लेना चाहिए।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राजौरी। जम्मू-कश्मीर में ताजा बर्फबारी के बाद बर्फ से ढके लाल गुलाम पुल से गुजरता वाहन।

ईरान ने अमेरिका-इजरायल को गुप्त जानकारी देने के दोषी तीन को फांसी दी

तेहरान। ईरान ने पुलिस अधिकारियों की हत्या करने और इस साल की शुरुआत में हुई अशांति के दौरान अमेरिका और इजरायल के समर्थन में गति. विधियों को अंजाम देने के दोषी करार दिए गए तीन लोगों को गुरुवार को फांसी दे दी। ये सजाएं ऐसे समय में दी हैं, जब इजरायल-अमेरिका से ईरान का संघर्ष 20वें दिन में प्रवेश कर चुका है। न्यायपालिका की वेबसाइट 'मीजान ऑनलाइन' के अनुसार, इन तीनों व्यक्तियों को जनवरी की अशांति में शामिल होने के लिए सजा सुनाई गई थी। उन पर हत्या और 'जायोनी शासन' तथा अमेरिका के पक्ष में काम करने का आरोप था।

कतर पर दोबारा हमला हुआ, तो पूरा गैस फील्ड उड़ा देंगे: ट्रम्प

वाशिंगटन। इजरायल द्वारा बुधवार रात ईरान के एक महत्वपूर्ण गैस केंद्र 'साउथ पार्स गैस फील्ड' पर हमला करने पर जवाबी हमले में ईरान ने कतर में एक प्रमुख एलएनजी सुविधा पर जवाबी हमला करने पर अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान की चेतावनी दी कि अगर कतर पर दोबारा हमला हुआ तो वे उसका पूरा गैस फील्ड को उड़ा देंगे जो ईरान ने कभी सोचा नहीं होगा। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ईरान ने कतर के रास लाफान औद्योगिक क्षेत्र सहित पड़ोसी देशों के ऊर्जा केंद्रों पर मिसा. इल और ड्रोन हमले किए, जिससे वहां की एलएनजी सुविधाओं को बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। अमे. रिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायल के हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि पश्चिमी एशिया में जो कुछ भी हुआ है, उससे 'गुस्से में आकर' इजरायल ने हिसक तरीके से ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हिसक हमला किया है।

टैरिफ गेम का पड़ रहा अमेरिका में उलटा असर

अमेरिकी उद्योगों को नुकसान, देश का श्रमिक वर्ग भी नाराज

वाशिंगटन। पूरी दुनिया में टैरिफ लगाकर अमेरिकी जजों की भी निंदा करने वाले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को इस मुद्दे पर अपने ही देश में अपने ही प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। इसका कारण ट्रम्प के लगाए टैरिफ से देश के उद्योगों व निर्माताओं को मदद मिलने के बजाय नुकसान होना है।

टैरिफ के फैसले से अमेरिका में कई उद्योग और कारोबार इन दिनों अच्छे-खासे नुकसान में हैं। इससे अमेरिकी विनिर्माण को भी अपेक्षित परिणाम नहीं मिल रहे हैं। श्रमिक वर्ग भी इस फैसले से आहत है। ट्रम्प के समर्थक उद्योग. पति जे. एलन ने कहा कि उद्योग. पतियों ने इस भरोसे के साथ ट्रम्प को वोट दिया था कि रिपब्लिकन नेता करों में कटौती और नियमों में ढील देंगे, जिससे उनके विनिर्माण व्यवसाय को मदद मिलेगी। लेकिन ट्रम्प के आर्थिक एजेंडे के मूल में मौजूद टैरिफ ने उनकी कंपनी एलन इंजीनियरिंग कार्प को चौपट किया है। आयात करों ने विदेशों में बने इंजनों, स्टील, गियरबाक्स और क्लच की लागत भी बढ़ा दी है।

■ उद्योगपतियों ने उठाए सवाल कंपनियों के लिए योजना बनाना भी मुश्किल

इसके चलते पावर ट्रावेल निर्माण के दाम एक लाख डालर तक हो सकते हैं। ट्रम्प ने टैरिफ को अमेरिकी कारखानों की मदद करने वाला बताया था लेकिन देखने में आ रहा है कि वे वास्तव में देशभर के कई उद्योगों और उत्पादन इकाइयों को कुचल रहे हैं। ट्रम्प प्रशासन फरवरी में सुप्रीम कोर्ट से अवैध घोषित आयात करों के स्थान पर नए टैरिफ बनाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इससे हालात और भी गंभीर हो सकते हैं। देश के विनिर्माण उद्योगपति क्रेसन क्रू ने कहा कि टैरिफ के कारण उन्होंने 2025 में अपनी कंपनी को घाटे में चलाया। उनके यहां कर्मचारियों की संख्या 205 से घटकर 140 रह गई। बिक्री में कमी पर भी उन्होंने कीमतें 8-10 प्रतिशत बढ़ाई हैं। अगले दशक में संघीय घाटे में वृद्धि होने का अनुमान है। आर्थिक नीति समूह एम्प्लाई अमेरिका के ईडी स्कंदा अमरनाथ ने कहा, ट्रम्प के टैरिफ से विनिर्माण में कोई वृद्धि नहीं दिखती। इस क्षेत्र में कोई नया पुनर्जागरण भी नहीं हो रहा है। टैरिफ पर अनिश्चितता ने निवेश को हतोत्साहित किया है। टैरिफ लगाने के लिए कांग्रेस को दर. कनार करने से छोटी विनिर्माण कंपनियों को योजना बनाना भी मुश्किल कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जान राबर्ट्स ने चेताया कि संघीय जजों की निजी आलोचना खतरनाक है और इसे रोकना होगा। यह चेतावनी उन्होंने राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा प्रशासन के खिलाफ फैसला सुनाने वाले एक संघीय जज को सनकी, नीच, बेईमान और पूरी तरह से बेकाबू कहने के दो दिन बाद दी। राबर्ट्स ने ट्रम्प या किसी और को निशाना बनाने से परहेज किया और जोर दिया कि जजों पर हमले किसी एक राजनीतिक कृष्टिकोण से नहीं हो रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कतर ने रास लाफान ऊर्जा केंद्र पर मिसाइल हमले की निंदा की

दोहा। कतर के विदेश मंत्रालय ने रास लाफान औद्योगिक शहर पर हुए हमलों की निंदा करते हुए इस हमले को संप्रभुता का उल्लंघन बताया है और चेतावनी दी कि उसके पास जवाबी कार्रवाई करने का अधिकार सुरक्षित है। रस लाफान कतर का प्रमुख एलएनजी उत्पादन केंद्र है, जहां गैस प्रसंस्करण, शोधन एवं बिजली उत्पादन की प्रमुख सुविधाएं स्थित हैं। इसका बंदरगाह विश्व के सबसे बड़े औद्योगिक ऊर्जा परिसरों में से एक है और दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी निर्यात टर्मिनल शामिल है।

पेंटागन ने ईरान युद्ध में लागत बढ़ने के कारण 200 अरब डॉलर की मांग की

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा विभाग पेंटागन ने व्हाइट हाउस से ईरान युद्ध का समर्थन करने के लिए 200 अरब डॉलर से अधिक धनराशि के अनुरोध को मंजूरी देने के लिए कहा है। यह जानक. ारी स्पूतनिक ने वाशिंगटन पोस्ट के हवाले से गुरुवार को दी। वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुरोध मौजूदा खर्च से कहीं अधिक होगा और एक ऐसी राशि है जिसका कांग्रेस में कड़ा विरोध हो सकता है।

विक्रम के दुरई स्वामी को चीन में भारत का राजदूत नियुक्त किया

नई दिल्ली। चीन के साथ संबंधों के फिर से धीरे-धीरे पटरी पर लौटने के बीच भारत ने ब्रिटेन में उच्चायुक्त विक्रम के दुरई स्वामी को चीन में अपना नया राजदूत नियुक्त किया है। विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को एक वक्तव्य जारी कर बताया कि ब्रिटेन में भारत के उच्चायुक्त विक्रम के दुरई स्वामी को चीन में भारत का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। भारतीय विदेश सेवा के वर्ष 1992 बैच के वरिष्ठ अधिकारी दुरई स्वामी, प्रदीप कुमार रावत का स्थान लेंगे। दुरई स्वामी इससे पहले भी बीजिंग में भारतीय दूतावास में काम कर चुके हैं।

बैकफुट पर आए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प

कहा: इजरायल अब ईरान के मुख्य गैस केंद्र पर हमला नहीं करेगा, युद्ध के दौरान पहली बार बदले सुर

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि इजरायल अब ईरान के मुख्य गैस केंद्र पर हमला नहीं करेगा। ट्रम्प के इस बयान को उनका एहतियाती कदम माना जा रहा है। विश्लेषक मान रहे हैं कि इस युद्ध के दौरान पहली बार ट्रम्प बैकफुट पर नजर आ रहे हैं। इस जंग के दौरान ईरान की वायुसेना, नौसेना, उसके अहम सैन्य ठिकानों और परमाणु केंद्रों को पूरी तरह तबाह करने की धमकी ट्रम्प देते रहे हैं।

हालांकि, इजरायल की ओर से ईरान की गैस फील्ड पर एक वार और उसके बाद ईरान के कतर पर पलटवार ने ट्रम्प को एहतियाती बयान जारी करने को मजबूर कर दिया। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर डोनाल्ड ट्रम्प को यह कहना पड़ गया कि इजरायल का हमला उनकी जानकारी के बिना हुआ। इजरायल ने ईरान के दक्षिण पार्स गैस फील्ड पर हमला किया है, जिसे ईरान की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति की 'रीढ़' माना जाता है। यह ईरान और कतर के बीच साझा की जाने वाली दुनिया की सबसे बड़ा गैस फील्ड है, जो फारस की खाड़ी के नीचे लगभग 9700 वर्ग किलोमीटर में फैली है। इसमें लगभग 1800 ट्रिलियन क्यूबिक फीट गैस मौजूद है, जो दुनिया के कुल प्रमाणित गैस भंडार का करीब 8 प्रतिशत है। यह मात्रा पूरी दुनिया की 13 से ज्यादा वर्षों की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त मानी जाती है। ईरान का 70-75 प्रतिशत गैस का उत्पादन यहीं से होता है और देश की करीब 80 प्रतिशत बिजली भी इसी प्राकृतिक गैस का उपयोग करके पैदा की जाती है। इजरायल के हमले के जवाब में ईरान ने पश्चिम एशिया में एक अहम ऊर्जा केंद्र के तौर पर पहचाने जाने वाले कतर के कुछ ऐसे ठिकानों पर हमला किया, जिनसे दुनिया की गैस आपूर्ति ठप पड़ जाने का खतरा पैदा हो गया। इसी के बाद ट्रम्प ने कहा कि उन्हें इजरायली हमले की जानकारी नहीं थी और आगे इजरायल दक्षिण पार्स गैस फील्ड को निशाना नहीं बनाएगा। ईरान ने कतर के रास लफ्फान इंडस्ट्रियल सिटी पर मिसाइल हमले किए, जो कतर का एक बेहद अहम तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) और ऊर्जा केंद्र है। कतर दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत एलएनजी मांग को अकेले पूरा करता है। इस हमले से यूरोप और एशिया को होने वाले सालाना लगभग 7.7 करोड़ टन एलएनजी निर्यात पर गंभीर खतरा पैदा हो गया। कतर एनर्जी की ओर से जारी बयान के मुताबिक, ईरानी मिसाइल हमले के कारण रास लफ्फान काम्प्लेक्स में आग लग गई और प्लांट को व्यापक नुकसान पहुंचा है जिसके कारण वहां उत्पादन रोकना पड़ा।

■ इजरायल ने ईरान के दक्षिण पार्स गैस फील्ड पर हमला किया है, जिसे ईरान की अर्थव्यवस्था और ऊर्जा आपूर्ति की 'रीढ़' माना जाता है

यह काम्प्लेक्स करीब 295 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला है और ये अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर का एक-तिहाई है। अमे. रिकी मीडिया समूह एक्सिओस की रिपोर्ट के मुताबिक, रास लफ्फान परिसर पर हुए हमले के बाद कतर के शीर्ष नेताओं ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से बात की। इस बात. चीत के बाद ही ट्रम्प ने कहा कि इजरायल अब ईरान की दक्षिण पार्स गैस फील्ड पर हमले नहीं करेगा। इस पूरे घटनाक्रम में अमे. रिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका काफी अहम रही है। एक्सिओस के मुता. बिक, ट्रम्प ने सार्वजनिक तौर पर जो दावे किए, अंदरखाने की सच्चाई उससे बिल्कुल अलग थी। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि अमेरिका को इस हमले के बारे में कोई जानकारी नहीं थी और इजरायल ने पश्चिम एशिया के घटनाक्रमों पर गुस्से में आकर यह हमला किया है, लेकिन, अमेरिकी और इजरायली अधिकारियों ने एक्सिओस से कहा कि साउथ पार्स गैस फील्ड पर किया गया हमला पूरी तरह से व्हाइट हाउस की सहमति और पूर्व-समन्वय के साथ किया गया था।

ईरान के तेल से बैन हटा सकता है अमेरिका

तेहरान। जंग के बीच अमेरिका ईरान के तेल पर लगे बैन में ढील दे सकता है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रम्प सरकार ईरान से जो तेल पहले से बाहर जा रहा है, उस पर लगी पाबंदियां कुछ समय के लिए हटा सकती है। ईरान पर भले ही अमेरिकी पाबंदियां लगी हों, लेकिन फिर भी ईरान कुछ देशों को चोरी-छिपे या खास तरीकों से तेल बेच रहा है। अब अमे. रिका यह सोच रहा है कि जो तेल वैसे भी बाजार में आ रहा है, उस पर लगी पाबंदियों को कुछ समय के लिए ढीला कर दिया जाए, ताकि सप्लाई खुलकर बढ़ सके और कीमतें कम हो सकें। इसी बीच ओमान ने इस जंग को लेकर अमेरिका पर तीखा हमला बोला है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने ईरान के साथ जंग को ट्रम्प सरकार की 'सबसे बड़ी गलती' बताया है। उन्होंने कहा कि यह जंग वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचा रही है। अलबुसैदी ने यह भी कहा कि अमेरिका की विदेश नीति पटरी से उतरती दिख रही है और इस संघर्ष से किसी पक्ष को फायदा नहीं होगा।

■ ओमान बोला: ईरान से जंग ट्रम्प की सबसे बड़ी गलती, अमेरिका की फॉरेन पॉलिसी पटरी से उतरी

ईरान ने कतर, कुवैत, यूएई से अपने नुकसान का मुआवजा मांगा

न्यूयॉर्क। ईरान ने गुरुवार को कतर, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) पर अमेरिकी और इजरायली हमले के लिए अपनी धरती को उपलब्ध कराने हेतु तीखा हमला बोला है और सभी प्रकार के नुकसान के लिए मुआवजे की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत और स्थाई प्रतिनिधि आमिर सईद इरावानी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को लिखे एक पत्र में कहा कि 28 फरवरी को ईरान के खिलाफ हमले की शुरुआत के बाद से, कतर और कुछ अन्य पड़ोसी देशों के क्षेत्र का उपयोग ईरान के खिलाफ हमले करने के लिए किया गया है।

यह पत्र रियाध (सऊदी अरब) में इस्लामिक और खाड़ी देशों के 12 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद आया है, जिसमें पड़ोसी खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों की कड़ी निंदा की गई थी। इरावानी ने कहा कि हमलावरों को अपनी धरती को उपलब्ध कराने के अवैध कृत्य के बारे में पहले कतर के अधिकारियों को सूचित किया था और इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आधिकारिक दस्तावेज के रूप में भी प्रकाशित किया गया था। ईरानी राजदूत ने कहा कि कतर, कुवैत और यूएई द्वारा हमलावरों को दी गई सहायता के परिणामस्वरूप, उन्होंने ईरान में हजारों नागरिकों और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया है। उन्होंने कहा कि ये कार्य आपसी सम्मान और अच्छे पड़ोस के सिद्धांतों का घोर उल्लंघन हैं। इरावानी ने कहा कि ईरान, आत्मरक्षा के अपने अंतर्निहित अधिकार के तहत यह मानता है कि उस पर हमले के लिए इस्तेमाल किए जा रहे किसी भी सैन्य अड्डे को निशाना बनाना वैध है। ईरान की मेहर न्यूज एजेंसी (एमएनए) के अनुसार, इरावानी ने चेतावनी दी कि ईरान आगे नागरिकों को क्षति पहुंचाने वाले हमलों को रोकने के लिए आवश्यक और उचित उपाय करने का अपना अधिकार सुरक्षित रखता है। इरावानी ने कहा कि ईरान ने हमेशा खाड़ी देशों के साथ अच्छे पड़ोस के सिद्धांत का पालन किया है। हालांकि, दुर्भाग्य से, कतर, यूएई और कुवैत द्वारा इस सिद्धांत पर विचार नहीं किया गया है।

■ यह पत्र रियाध (सऊदी अरब) में इस्लामिक और खाड़ी देशों के 12 विदेश मंत्रियों की बैठक के बाद आया है
■ कतर, कुवैत व यूएई द्वारा हमलावरों को दी गई सहायता के परिणामस्वरूप, ईरान में हजारों नागरिकों और नागरिक ठिकानों को निशाना बनाया: इरावनी

कतर ने राष्ट्रपति सुरक्षा के लिए 'सीधे खतरे' को लेकर राष्ट्रसंघ से की अपील

दोहा। कतर ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष से संपर्क कर अपने क्षेत्र पर जारी ईरानी हमलों के कारण अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के लिए 'राष्ट्रीय संप्रभुता के घोर उल्लंघन और सीधे खतरे' के रूप में वर्णित चिंताओं को उठाया है।

संयुक्त राष्ट्र को भेजा गया कतर का यह नवां पत्र है। इस पत्र में कतर ने कहा है कि कथित कार्रवाई उसकी संप्रभुता का 'घोर उल्लंघन' हैं और उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा तथा क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सीधे खतरा पैदा करती हैं। यह पत्र संयुक्त राष्ट्र में कतर की स्थाई प्रतिनिधि शेखा आलिया अहमद बिन सैफ अल-थानी ने पेश किया है। पत्र के अनुसार, कतर की वायु रक्षा प्रणालियों ने 28 फरवरी से 16 मार्च के बीच कई दुश्मन हवाई लक्ष्यों को रोका। इसमें यह भी बताया गया कि इन घटनाओं के परिणामस्वरूप नागरिक घायल हुए हैं, हालांकि हताहतों के विवरण पर अधिक जानकारी तुरंत प्रदान नहीं की गई है। पत्र में इस बात पर जोर दिया गया कि ईरान के ये हमले सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 (2026) को अपनाए जाने के बाद भी जारी रहे। इस प्रस्ताव का 136 देशों ने समर्थन किया था। इसमें कतर और पड़ोसी देशों पर ईरान के जघन्य हमलों की कड़े से कड़े शब्दों में निंदा की गई थी।

■ कतर की वायु रक्षा प्रणालियों ने 28 फरवरी से 16 मार्च के बीच कई दुश्मन हवाई लक्ष्यों को रोका

आईएफएफडी करेगा दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को सम्मानित

नई दिल्ली। इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ दिल्ली (आईएफएफडी) में दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को सम्मानित किया जाएगा। इस फिल्म फेस्टिवल में दर्शकों के लिए जहां एक से बढ़कर एक बेहतरीन फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी वहीं दिग्गज कलाकारों को भी देखने, सुनने का मौका मिलेगा। 25 से 31 मार्च 2026 तक भारत मंडपम में आयोजित होने वाले इस फेस्टिवल दिल्ली में हिंदी सिनेमा में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर को सम्मानित किया जाएगा। भारतीय सिनेमा की सबसे कालजई पहचान मानी जाने वाली शर्मिला टैगोर को यह सम्मान उनके दशकों लंबे करियर और सिनेमा में उनके योगदान के लिए दिया जा रहा है।

पाक मिसाइलों से अमेरिका को खतरा: तुलसी गबार्ड

अमेरिकी इंटेलिजेंस चीफ ने कहा: रूस-चीन इसी कैटेगरी में

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया एजेंसी की प्रमुख तुलसी गबार्ड ने कहा है कि पाकिस्तान ऐसी लंबी दूरी की मिसाइलें बना रहा है जो भविष्य में अमेरिका तक हमला कर सकती हैं। उन्होंने वाशिंगटन डीसी में एक मीटिंग के दौरान बताया कि आने वाले समय में दुनिया में खतरनाक मिसाइलों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ सकती है। इंटेलिजेंस कम्यूनिटी (आईसीबीएम) का आंकलन है कि अभी करीब 3,000 मिसाइलें ऐसी हैं जो अमे. रिका तक हमला कर सकती हैं, लेकिन 2035 तक ये बढ़कर 16000 से ज्यादा हो सकती हैं। गबार्ड के मुताबिक, रूस, चीन, नार्थ कोरिया, ईरान और पाकिस्तान जैसे देश नई-नई मिसाइल तकनीक और हथियार बना रहे हैं। उन्होंने ये भी कहा कि पाकिस्तान ऐसी इंटरकान्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) बना सकता है, जो बहुत दूर तक मार कर सकती है। वहीं ईरान भी 2035 से पहले ऐसी मिसाइल बना सकता है। गबार्ड ने चीन और रूस को सबसे बड़ा और लगातार खतरा बताया। उनके मुताबिक, ये देश ऐसी उन्नत तकनीक विकसित कर रहे हैं जो अमेरिकी मिसाइल डिफेंस सिस्टम को भेद सकती हैं। उन्होंने उत्तर कोरिया के साइबर खतरे का भी जिक्र किया और कहा कि 2025 में उसने क्रिप्टोकरेंसी चोरी के जरिए करीब 2 बिलियन डॉलर जुटाए, जिससे उसके हथियार कार्यक्रम को फंड मिला। सुनवाई के दौरान ईरान के साथ संभावित युद्ध और पहले दी गई खुफिया जानकारी पर गबार्ड ने सवालों का सीधा जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि वे आंतरिक चर्चाओं का खुलासा नहीं कर सकतीं। साथ ही यह भी चिंता जताई गई कि अगर ईरान पर हमला होता है तो वह होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर सकता है, जो वैश्विक तेल और गैस सप्लाई का अहम मार्ग है। तुलसी गबार्ड ने रिपब्लिकन राष्ट्रपति को दी गई खुफिया जानकारी के बारे में पूछे गए सवालों को बार-बार टाल दिया। इससे डेमोक्रेट नाराज हो गए। सीनेट खुफिया समिति के शीर्ष डेमोक्रेट, वर्जीनिया के सीनेटर मार्क वार्नर ने गबार्ड से पूछा कि क्या उन्होंने ट्रम्प को सलाह दी थी कि अगर ईरान को अमेरिकी हमलों का निशाना बनाया गया तो वह खाड़ी देशों पर हमला करेगा और होर्मुज स्ट्रेट को बंद कर देगा।

■ 10 साल बाद 16000 मिसाइलें अमेरिका तक हमला कर सकेंगी

12 इस्लामिक देशों ने पड़ोसी देशों पर ईरान के हमलों की निंदा की

संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के अनुसार राज्यों के आत्मरक्षा के अधिकार की पुष्टि भी की गई

रियाध/नई दिल्ली। अरब और इस्लामी देशों के 12 विदेश मंत्रियों ने पड़ोसी देशों पर ईरानी हमलों की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि ऐसे हमलों को किसी भी बहाने से उचित नहीं ठहराया जा सकता है। अजरबैजान, बहरीन, मिस्र, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, पाकिस्तान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्की और संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्रियों ने गुरुवार को रियाध में एक बैठक की और तत्काल शत्रुता समाप्त करने एवं अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान करने का आह्वान किया।

इसके साथ ही संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के अनुसार राज्यों के आत्मरक्षा के अधिकार की पुष्टि भी की गई है। बैठक के बाद जारी एक बयान में, विदेश मंत्रियों ने तेल सुविधाओं, विलवणीकरण संयंत्रों, हवाई अड्डों, आवासीय स्थलों, राजनयिक मिशनों सहित आवासीय क्षेत्रों एवं नागरिक अवसंरचना को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन के सुनियोजित ईरानी हमलों की निंदा की है। सऊदी अरब के दूसरे सबसे बड़े अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र, सऊदी गजट के अनुसार, उन्होंने ईरान से तत्काल अपने हमलों को रोकने, अंतर्राष्ट्रीय कानून एवं अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का सम्मान करने, क्षेत्रीय स्थिरता को बहाल करने और तनाव कम करने की दिशा में पहले कदम के रूप में अच्छे पड़ोसी होने के सिद्धांतों का पालन करने का आह्वान किया। सऊदी गजट के अनुसार, विदेश मंत्रियों ने इस बात पर बल दिया कि ईरान के साथ संबंधों का भविष्य अन्य देशों की संप्रभुता के सम्मान, उनके आंतरिक मामलों में गैर-हस्तक्षेप और पड़ोसी देशों को धमकाने के लिए सैन्य क्षमताओं का उपयोग करने से परहेज करने पर निर्भर करता है। उन्होंने ईरान से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 2817 (2026) का पालन करने, सभी हमलों को तुरंत रोकने और किसी भी उकसावे वाली कार्रवाई से बचने का भी आग्रह किया, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य में अंतर्राष्ट्रीय नौवहन को बंद करने, बाधित करने या बाब अल-मंडेब जलडमरूमध्य में समुद्री सुरक्षा को कमजोर करने की धमकी शामिल है।

■ प्रिंस फैसल ने चेतावनी दी कि जरूरत पड़ने पर सऊदी अरब को आवश्यक कदम उठाने का अधिकार है और इस बात पर बल दिया कि उचित समय पर सही निर्णय लिए जाएंगे

बैठक के बाद आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद ने कहा कि ईरान पर भरोसा पूरी तरह से टूट चुका है और उसके मौजूदा व्यवहार को देखते हुए तेहरान को भागीदार नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि ईरान की कार्रवाइयां दर्शाती हैं कि वह पड़ोसी देशों के साथ वास्तविक संवाद में विश्वास नहीं रखता बल्कि दबाव और राजनीतिक एवं सुरक्षा संबंधी दबाव पर निर्भर है। उन्होंने पड़ोसी देशों और समुद्री नौवहन पर ईरानी हमलों को एक खतरनाक प्रसार एवं अंतर्राष्ट्रीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन बताया जो क्षेत्रीय सुरक्षा एवं स्थिरता को कमजोर करने के उद्देश्य से एक निरंतर रणनीति को दर्शाता है।

ईयू विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने की ईरान युद्ध को रोकने की अपील

ब्रुसेल्स। यूरोपीय संघ की विदेश नीति प्रमुख काजा कल्लास ने ईरान युद्ध को तत्काल समाप्त करने और तनाव कम करने की पुरजोर वकालत की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि यह संघर्ष जारी रहा, तो इससे न केवल पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ेगी, बल्कि यूक्रेन में रूस के खिलाफ जारी प्रयासों को भी गहरा धक्का लगेगा। कल्लास ने गुरुवार को यूरोपीय परिषद के शिखर सम्मेलन से पहले ब्रुसेल्स में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि ईरान युद्ध से बाहर निकलना अब अनिवार्य हो गया है। कल्लास ने तर्क दिया कि इस युद्ध के कारण वैश्विक ऊर्जा बाजार का स्वरूप बदल रहा है, जिसका अप्रत्यक्ष लाभ मॉस्को को मिल रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि मध्य पूर्व के इस संघर्ष को समाप्त करना उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि यूक्रेन युद्ध का समाधान खोजना। उनके अनुसार, रूस इस स्थिति का फायदा उठा रहा है, इसलिए यूक्रेन को समर्थन दिखाना और इस युद्ध को रोकना बेहद जरूरी है ताकि कीव को रूस के सामने पूरी तरह आत्मसमर्पण न करना पड़े।